निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, सोमवार 11 मई 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 351 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

समर्थकों के साथ आमरण अनशन पर बैठे धनबाद विधायक राज सिन्हा

संक्षिप्त समाचार

निर्माणाधीन मकान में लाखों की चोरी

पाकुड़(नबिटा ब्यूरो)। नगर थाना क्षेत्र के बैंक कॉलोनी में रविवार को चोरी की एक बड़ी घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक निर्माणाधीन मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने मकान का मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और पूरे घर को खंगाल डाला। घटना की जानकारी मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंच जांच शुरू कर दी है।

वज्रपात से बच्चे की मौत

गुमला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के भरनो प्रखंड अंतर्गत सुकुरुहुटु गांव में वज्रपात की चपेट में आने से एक 13 वर्षीय छात्र की मौत हो गई जबकि उसका छोटा भाई घायल हो गया। मृतक की पहचान अमन महतो (13) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मृतक के पिता फुलेन्द्र महतो ने बताया कि उनके दोनों बेटे अमन और अमित महतो (10) बकरी चराने के लिए घर से कुछ दूरी पर गए थे। इसी दौरान बारिश से बचने के लिए दोनों भाई पास के एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए तभी अचानक वज्रपात हुआ और दोनों उसकी चपेट में आ गए।

स्कॉर्पियो की टक्कर से वेटनरी डॉक्टर की मौत

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। जिले के बगोदर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में ग्रामीण वेटनरी डॉक्टर अर्जुन महतो की मौत हो गई। घटना घंघरी गांव स्थित नेशनल हाईवे पर हुई, जहां एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जाता है कि अर्जुन महतो अपनी बाइक से किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान घंघरी मोड़ के पास स्कॉर्पियो ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद घायल अर्जुन महतो को तत्काल डुमरी के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। हालांकि इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

चेड़ी माता धाम मंदिर का ताला तोड़ लाखों की चोरी

गढ़वा(नबिटा ब्यूरो)। मेराल थाना क्षेत्र के महेतिम गांव स्थित प्रसिद्ध आस्था का केंद्र चेड़ी धाम मंदिर में बीती रात चोरों ने भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया है। यह मंदिर बेचिरागी गांव में स्थित हैं। इसके आसपास डेढ़ किलोमीटर में कोई घर या बस्ती नहीं हैं। चोरों ने मंदिर के छह ताले तोड़कर दान पेटी से लगभग 40 हजार रुपये नकद और चढ़ावे के लगभग 50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए।

चलती ट्रेन से गिरी महिला यात्री

रांची(नबिटा ब्यूरो)। रांची रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की महिला कांस्टेबल ने अपनी सतर्कता, साहस और तत्परता से एक महिला यात्री की जान बचाकर मानवता की मिसाल पेश की। इसे वहां मौजूद लोगों ने एक छोटे बच्चे के लिए मां को मिला सबसे बड़ा तोहफा बताया। आरपीएफ द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत महिला सिपाही की बहादुरी ने एक बड़ा हादसा टाल दिया।

असम में हिमंता ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, दूसरी बार बनेंगे मुख्यमंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गुवाहाटी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने रविवार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात कर हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में सरकार बनाने का दावा पेश किया। यह असम में एनडीए की लगातार तीसरी सरकार होगी। इस मौके पर भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और सह-पर्यवेक्षक सह हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी मौजूद रहे। एनडीए नेताओं ने लोक भवन पहुंचकर सरकार गठन का दावा पेश किय, जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया। हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्यपाल को सौंपे गए पत्र को पढ़ते हुए कहा कि उन्हें भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। साथ ही सहयोगी दल असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने भी उन्हें अपना नेता चुना है। श्री सरमा ने कहा कि उन्हें एनडीए के 102 विधायकों का समर्थन हासिल है। साल 2021 में मुख्यमंत्री बने हिमंता बिस्वा सरमा अब एक और राजनीतिक इतिहास रचने की दहलीज पर हैं। वह असम में लगातार दो कार्यकाल तक मुख्यमंत्री पद संभालने वाले पहले गैर कांग्रेसी नेता बन सकते हैं। इससे पहले साल 2016 में भाजपा के नेतृत्व में पहली बार राज्य में सरकार बनी थी जिसकी कमान सर्वानंद सोनोवाल के हाथों में थी। असम विधानसभा चुनाव में एनडीए ने दो-तिहाई बहुमत हासिल करते हुए लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। 126 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 82 सीटों पर जीत दर्ज की जबकि उसके सहयोगी दल अगप और बीपीएफ ने 10-10 सीटें हासिल कीं। नई सरकार का शपथग्रहण समारोह 12 मई को खानापारा पशु चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई केंद्रीय मंत्री, एनडीए के वरिष्ठ नेता समेत कई और गणमान्य अतिथि शामिल हो सकते हैं।

आपस में टकराई चार गाड़ियां, दो की मौत, तीन लोग घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। जिले के गोरहर थाना क्षेत्र में रविवार का दिन हादसों के नाम रहा। सुबह के समय एक सब्जियों से लदा तेज रफ्तार पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। इस दर्दनाक हादसे में पिकअप चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी के रूप में की गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद वाहन में फंसे चालक के शव को बाहर निकालने में पुलिस और ग्रामीणों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। काफी प्रयासों के बाद शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पहली घटना के सदमे से लोग उबर भी नहीं पाए थे कि सुबह करीब 10 बजे गोरहर गांव के पास एक और भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक के बाद एक चार वाहन आपस में टकरा गए। इस श्रृंखलाबद्ध दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बचाव अभियान चलाया। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलते ही गोरहर थाना प्रभारी रवि रंजन दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि दोनों दुर्घटनाओं में शामिल वाहनों को जब्त कर लिया गया है। यातायात को सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की तकनीकी जांच कर रही है।

एसएससी जीडी कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा, छह गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के पंडरा थाना क्षेत्र स्थित फ्यूचरिस्टिक ऑनलाइन परीक्षा केंद्र में आयोजित एसएससी जीडी कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। पुलिस ने रिमोट एक्सेस तकनीक के जरिए प्रश्न पत्र हल कराने वाले सॉल्वर गैंग का पर्दाफाश करते हुए छह अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में ऋषिकेश और राहुल समेत पांच अभ्यर्थी बिहार के जबकि एक आरोपी कोडरमा का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार परीक्षा की पहली शिफ्ट के दौरान ड्यूटी पर तैनात इन्वीजिलेटर को कुछ अभ्यर्थियों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उन्होंने देखा कि छह अभ्यर्थी लगातार कंप्यूटर स्क्रीन की ओर देख रहे थे जबकि प्रश्न स्वतः हल होते जा रहे थे। इस पर संदेह होने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम परीक्षा केंद्र पहुंची और तकनीकी जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि संबंधित कंप्यूटरों को रिमोट एक्सेस के जरिए कहीं और से ऑपरेट किया जा रहा था। वहीं बैठा सॉल्वर गैंग परीक्षा के प्रश्नों का उत्तर हल कर अभ्यर्थियों की स्क्रीन पर भेज रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी संदिग्ध कंप्यूटरों को जब्त कर लिया और छह अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। मामले में शामिल अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस फर्जीवाड़े में परीक्षा केंद्र के किसी कर्मचारी या तकनीकी स्टाफ की संलिप्तता तो नहीं है। इस घटना के सामने आने के बाद भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी से मिलीं झरिया विधायक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। झरिया विधायक रागिनी सिंह ने नई दिल्ली में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से मुलाकात कर झरिया विधानसभा क्षेत्र की कई अहम समस्याओं को उनके सामने रखा। उन्होंने विशेष रूप से केंदुआ और आसपास के खनन प्रभावित इलाकों में भू-धंसान, गैस रिसाव, विस्थापन और क्षतिग्रस्त धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग के मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई की मांग की। बैठक के दौरान रागिनी सिंह ने बताया कि केंदुआ क्षेत्र में लगातार हो रही भू-धंसान और गैस रिसाव की घटनाओं ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। प्रभावित परिवार असुरक्षा के माहौल में रहने को मजबूर हैं। इसके अलावा कतरास के सोनारडीह क्षेत्र में भी जमीन धंसने की घटनाओं ने लोगों के सामने गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। उन्होंने बताया कि धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग बंद होने से हजारों लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। स्कूली बच्चों, मरीजों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ रहा है जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त खपत हो रही है। विधायक ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि प्रभावित क्षेत्रों का तत्काल सर्वे कराया जाए और भू-धंसान तथा गैस रिसाव से प्रभावित परिवारों के सुरक्षित स्थानांतरण, पुनर्वास, वैकल्पिक आवास और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था जल्द सुनिश्चित की जाए। साथ ही धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग की मरम्मत कर उसे जल्द आम लोगों के लिए खोलने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाए। इधर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने विधायक को भरोसा दिलाया है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों और अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

पूर्व माओवादी कमांडर की हत्या

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिला में पूर्व माओवादी कमांडर जगनारायण यादव उर्फ विशाल यादव की हत्या कर दी गई है। पुलिस इस मामले की छानबीन कर रही है। दरअसल शनिवार को पलामू के पांडू थाना क्षेत्र के बेलहारा के इलाके में एक शव बरामद हुआ था। उस दिन शव की पहचान नहीं हो पाई। शव की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद शव की पहचान पूर्व नक्सली जगनारायण यादव उर्फ विशाल यादव के रूप में हुई। जगनारायण यादव पलामू के छतरपुर के गुरदी के इलाके का रहने वाला था। वह अपने एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में भाग लेने के लिए पांडु के इलाके में गया था। विशाल यादव के चेहरे पर चोट के निशान हैं पुलिस को आशंका है कि पत्थर से कूचकर हत्या की गई है। बता दें कि विशाल यादव एक समय माओवादियों का कमांडर था। झारखंड सरकार ने विशाल यादव पर पांच लाख रुपए का इनाम भी रखा हुआ था।

झारखंड कांग्रेस में मचा घमासान, मंत्री के पत्र से बढ़ी तकरार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के भीतर इन दिनों जारी अंतर्कलह राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। पार्टी संगठन और सरकार के बीच बढ़ती असहजता को लेकर कांग्रेस नेतृत्व अब सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में 20 मई को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अहम बैठक बुलाई गई है जिसमें संगठन के भीतर उभरे विवादों को सुलझाने और नेताओं के बीच समन्वय स्थापित करने पर मंथन होगा। दरअसल हेमंत सोरेन सरकार में कांग्रेस कोटे से मंत्री राधाकृष्ण किशोर द्वारा संगठन के खिलाफ लिखे गए पत्र ने पार्टी के अंदर हलचल तेज कर दी है। मंत्री ने प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए प्रदेश प्रभारी के. राजू को शिकायत पत्र भेजा है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की जंबो कमेटी पर भी सवाल खड़े किए हैं। राधाकृष्ण किशोर ने विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस द्वारा किए गए वादों को भी याद दिलाया है। उन्होंने खास तौर पर 450 रुपये में एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने की घोषणा का जिक्र करते हुए सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी लागू करने की मांग उठाई है। उनके इस बयान को संगठन और सरकार दोनों पर दबाव बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी के भीतर बढ़ते मतभेदों का असर राज्य सरकार की कार्यशैली पर भी दिखाई देने लगा है। कांग्रेस नेतृत्व इस बात को लेकर चिंतित है कि अंदरूनी विवाद का सीधा असर गठबंधन सरकार की छवि पर पड़ सकता है। यही कारण है कि प्रदेश प्रभारी आगामी बैठक में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, मंत्रियों और पदाधिकारियों के साथ चर्चा कर संगठनात्मक एकजुटता मजबूत करने की कोशिश करेंगे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह बैठक कांग्रेस के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है क्योंकि आगामी राजनीतिक रणनीति और संगठन की दिशा तय करने में इसका बड़ा असर देखने को मिल सकता है।

लूट की योजना बना रहे सात अपराधी गिरफ्तार

भारी मात्रा में हथियार बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। गढ़वा पुलिस को अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर को मिली गुप्त सूचना के आधार पर गढ़वा थाना क्षेत्र के नगवां मोहल्ला स्थित सरस्वतीया नदी के किनारे एक विशेष अभियान चलाकर सात अपराधियों को दबोच लिया गया। ये सभी अपराधी एक अर्धनिर्मित मकान में छिपकर लूट की एक बड़ी वारदात को अंजाम देने की अंतिम रणनीति तैयार कर रहे थे। पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने स्वीकार किया कि उनका गिरोह आज ट्रेन से उतरने वाले एक खास व्यक्ति को निशाना बनाकर उससे बड़ी लूटपाट करने की फिराक में था। अपराधियों ने पूरी रेकी कर ली थी, लेकिन पुलिस की त्वरित और सटीक कार्रवाई ने उनकी इस खौफनाक योजना को धरातल पर उतरने से पहले ही विफल कर दिया। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह का मुख्य सरगना ज्ञान प्रकाश तिवारी उर्फ राजन तिवारी है जो हाल ही में जेल से छूटकर बाहर आया था और फिर से अपना गिरोह सक्रिय कर रहा था। गिरफ्तार किए गए अन्य सदस्यों में प्रिंस कुमार, आकाश कुमार दुबे, पवन कुमार चंद्रवंशी, इनायत सिद्दीकी उर्फ ढिबरी, वैभव केशरी, संतोष सोनी शामिल है। सफल छापेमारी के लिए एसपी के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नीरज कुमार, पुलिस उपाधीक्षक चिरंजीव कुमार मंडल, थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी समेत कई पुलिस पदाधिकारी और सशस्त्र जवान शामिल थे। फिलहाल पुलिस इन सभी अपराधियों के पुराने आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है ताकि इनके अन्य संपर्कों और पूर्व की घटनाओं में संलिप्तता का पता लगाया जा सके।

रांची में बिना लाइसेंस संचालित आरओ प्लांटों पर निगम सख्त

31 मई के बाद शुरू होगी सीलिंग की कार्रवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी में बढ़ते जल संकट के बीच रांची नगर निगम ने बिना लाइसेंस संचालित आरओ वाटर प्लांटों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। नगर निगम की जलापूर्ति शाखा ने साफ कर दिया है कि 31 मई तक लाइसेंस नहीं लेने वाले आरओ वाटर ट्रीटमेंट प्लांटों को सील किया जाएगा। निगम ने इसे अंतिम चेतावनी बताते हुए सभी संचालकों को निर्धारित प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। नगर निगम द्वारा जारी सार्वजनिक सूचना में कहा गया है कि झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग की अधिसूचना तथा झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 204 और 209 के तहत आरओ वाटर प्लांट संचालन और लाइसेंस नवीकरण के लिए नियमावली लागू है। बावजूद इसके शहर में बड़ी संख्या में प्लांट बिना लाइसेंस के संचालित हो रहे हैं। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार लाइसेंस को लेकर पहले भी कई बार सार्वजनिक माध्यमों से सूचना जारी की गई थी। कुछ संचालकों ने आवेदन प्रक्रिया पूरी की लेकिन अधिकांश संचालकों ने अब तक कोई पहल नहीं की है। ऐसे में निगम ने अब कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। निगम का कहना है कि निर्धारित समय सीमा के बाद जांच अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले प्लांटों को सील किया जाएगा। इधर शहर में लगातार बढ़ते जल संकट के बीच पानी का कारोबार तेजी से पनपा है। गर्मी बढ़ने के साथ कई इलाकों में बोरिंग सुख चुकी है और लोगों को पीने के पानी के लिए परेशानी झेलनी पड़ रही है। ड्राई जोन वाले क्षेत्रों में 800 से 900 फीट तक डीप बोरिंग कराने के बाद भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है। दूसरी ओर पानी का व्यवसाय करने वाले संचालक इस संकट के दौर में भारी मुनाफा कमा रहे हैं। रांची के कई मोहल्लों और गलियों में छोटे-बड़े बॉटलिंग प्लांट संचालित हो रहे हैं। ये प्लांट प्रतिदिन लाखों लीटर भूजल का दोहन कर रहे हैं। पानी को जार और बोतलों में भरकर घरों, दुकानों और कार्यालयों तक सप्लाई होती है। एक जार पानी के लिए 10 रुपये से लेकर 50 रुपये तक वसूले जा रहे हैं जबकि होम डिलीवरी के लिए अलग से शुल्क निर्धारित है। नगर निगम के पिछले साल के आंकड़ों के मुताबिक शहर के 53 वार्डों में करीब 318 बॉटलिंग प्लांट संचालित थे। इनमें से कई प्लांट बिना वैध अनुमति और लाइसेंस के संचालिक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अनियंत्रित भूजल दोहन के कारण कई इलाकों में जलस्तर तेजी से नीचे जा रहा है जिससे आम लोगों की परेशानी बढ़ रही है।

सहायक अध्यापक महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से की मुलाकात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सहायक अध्यापक महासंघ सह संघर्ष मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को नगर विकास, पर्यटन एवं उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नारायण महतो एवं जिला महासचिव सुखदेव हाजरा ने किया। इस दौरान सहायक अध्यापकों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को मंत्री के समक्ष रखा गया। शिष्टमंडल के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारा शिक्षकों के हित में दिए गए ऐतिहासिक फैसले को अविलंब लागू करने की मांग की। साथ ही राज्य के सभी सहायक अध्यापकों को वेतनमान अथवा वेतनमान समतुल्य मानदेय देने की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया गया।

प्रतिनिधिमंडल ने मांग रखी कि राज्य के करीब 45 हजार आकलन पास एवं सीटेट सहायक अध्यापकों को टेट के समकक्ष मान्यता दी जाए। इसके अलावा सहायक अध्यापकों, सीआरपी बीआरपी, केजीबीवी में कार्यरत शिक्षिकाओं तथा परियोजना कर्मियों के मार्च और अप्रैल माह के लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान करने की मांग की गई नेताओं ने आगामी टेट परीक्षा में सहायक अध्यापकों को कार्यानुभव के आधार पर 20 अंकों का वेटेज देने, सेवा शर्त नियमावली 2021 एवं 28 अगस्त 2024 के समझौते के बिंदुओं को लागू करने, 269 सहित राज्य के 961 सहायक अध्यापकों के स्थगित मानदेय भुगतान तथा 2018 के आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने की भी मांग की इसके अतिरिक्त वर्ष 2020 में जीरो बायोमेट्रिक अटेंडेंस के कारण रोके गए मानदेय भुगतान एवं शहरी क्षेत्र के सहायक अध्यापकों को 4 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि का भुगतान करने का मुद्दा भी मंत्री के समक्ष उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को सुप्रीम कोर्ट के फैसले से संबंधित दस्तावेज भी सौंपे। मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने आश्वासन दिया कि मानदेय भुगतान समेत अन्य समस्याओं के समाधान के लिए वे शीघ्र ही शिक्षा विभाग के सचिव एवं निदेशक से वार्ता करेंगे और 15 मई तक समाधान की दिशा में पहल की जाएगी कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नारायण महतो एवं जिला महासचिव सुखदेव हाजरा ने कहा कि दो माह से मानदेय भुगतान नहीं होने के कारण सहायक अध्यापक आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो जिला से लेकर राज्य स्तर तक आंदोलन किया जाएगा। मौके पर सदर प्रखंड सचिव मनोज कुमार शर्मा, जिला उपाध्यक्ष बख्शी रमेश, ठाकुर दास, रियाजुल अंसारी, नीरज कुमार, गीता राज सहित अन्य सहायक अध्यापक उपस्थित थे।

डीएमसीएच में राष्ट्रव्यापी नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण दिवस आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। नेशनल नियोनेटोलॉजी फोरम ऑफ इंडिया के तत्वावधान में राष्ट्रव्यापी नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम (एनआरपी) प्रशिक्षण दिवस के अंतर्गत दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) में एक दिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी), फॉग्सी, यूनिसेफ के सहयोग तथा स्टेट हेल्थ सोसाइटी, बिहार के समर्थन से संपन्न हुआ। देशभर में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत 27 से अधिक राज्यों के 1000 से अधिक केंद्रों पर 24 हजार से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मियों को नवजात पुनर्जीवन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जन्म के तुरंत बाद नवजात को सुरक्षित श्वास सहायता उपलब्ध कराना तथा ह्वगोल्डन मिनटह्व के महत्व के प्रति स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करना है।

डीएमसीएच के शिशु रोग विभाग के सेमिनार कक्ष में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। प्राचार्य डॉ. यू.सी. झा ने उद्घाटन करते हुए कहा कि इस प्रकार का प्रशिक्षण नवजात मृत्यु दर में कमी लाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है और प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी को इन जीवनरक्षक कौशलों में दक्ष होना चाहिए। अधीक्षक डॉ. जगदीश चंद्र ने विश्वास जताया कि इस प्रशिक्षण से अस्पताल में नवजात मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आएगी। वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. भरत प्रसाद एवं फॉग्सी की अध्यक्ष डॉ. कुमुदिनी झा ने भी प्रसूति विशेषज्ञों के लिए इस प्रशिक्षण को अत्यंत आवश्यक बताया। आईएमए के अध्यक्ष डॉ. कन्हैया जी झा ने नवजात पुनर्जीवन तकनीकों में हुए आधुनिक विकास पर प्रकाश डाला। एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. हरि दामोदर सिंह ने कहा कि सर्जरी के दौरान नवजात की देखभाल में एनेस्थेटिस्ट की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान एम्स पटना से राष्ट्रव्यापी शुभारंभ का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। कोर्स समन्वयक डॉ. कमोद झा ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि मुख्य प्रशिक्षक डॉ. ओम प्रकाश के नेतृत्व में टीम ने नवजात पुनर्जीवन तकनीकों का लाइव डेमो दिया। प्रशिक्षण टीम में डॉ. ए.के. साहू, डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, डॉ. रणधीर मिश्रा एवं डॉ. कुमार आनंद शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक के आकस्मिक निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर

फलका/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड क्षेत्र के बसमती हरि मंडल उच्च विद्यालय पोठिया में कार्यरत शिक्षक सुकुमार महलिया (50) के असामयिक निधन से शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गयी।रविवार को अचानक हृदयगति रुकने से उनका निधन हो गया।उनके निधन की खबर पैतृक गांव भंगहा में मिलते ही पूरा गांव मातमी सन्नाटा में तब्दील हो गया।दिवंगत सुकुमार अपने दायित्वों के प्रति हमेशा सजग रहते थे और समय के पाबंद शिक्षक माने जाते थे।उनके निधन से विद्यालय परिवार,छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों में गहरा शोक व्याप्त है।निधन की सूचना मिलते ही बीडीओ सह प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सन्नी सौरभ,पैक्स अध्यक्ष संजय पटेल, विद्यालय के प्रधानाध्यापक हीरा लाल मंडल,शिक्षक राकेश साह मृतक के आवास पर पहुंच कर पीड़ित परिजनों को ढांढस बंधाया और गहरी शोक संवेदना व्यक्त किया है।वहीं बीडीओ ने बताया कि दिवंगत शिक्षक जनगणना कार्य में पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत थे।साथ ही मखिया प्रीति पटेल, शिक्षक चंदन कुमार,वीरेंद्र कुमार,सलीम,अवधेश कुमार, अनुज कुमार ठाकुर सहित दर्जनों शिक्षकों ने शोकाकुल परिवार से मिलकर दुःख प्रकट किया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

सारण में शहीद मो. इम्तियाज अली के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

सारण (नबिटासं)। प्रेक्षागृह-सह-आर्ट गैलरी, सारण में रविवार को ऑपरेशन ह्वसिंदूरह्व के एक वर्ष पूर्ण होने एवं शहीद मो. इम्तियाज अली के शहादत दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण सहित कई प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में बिहार सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के माननीय मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान बीएसएफ के वरीय अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में ऑपरेशन ह्वसिंदूरह्व के दौरान शहीद हुए वीर जवानों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित अतिथियों एवं अधिकारियों ने शहीद मो. इम्तियाज अली सहित देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी जवानों को नमन किया तथा उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं बीएसएफ के अधिकारियों ने देश की सुरक्षा एवं आंतरिक शांति बनाए रखने में सुरक्षा बलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि जवानों का त्याग और समर्पण देश के लिए प्रेरणास्रोत है, जिसे सदैव याद रखा जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से वीर जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनकी शहादत को नमन किया गया।

नमामि गंगे अभियान के तहत दरधा नदी की सफाई व जागरूकता अभियान तेज

जहानाबाद (नबिटासं)। नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत दरधा नदी की स्वच्छता, संरक्षण और सौंदर्यीकरण को लेकर नगर परिषद, जहानाबाद द्वारा लगातार विशेष सफाई एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। हर शनिवार को नदी किनारे विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर नदी को प्रदूषणमुक्त बनाए रखने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर परिषद की टीम ने सफाई निरीक्षक एवं जिला परियोजना पदाधिकारी (डीपीओ), जिला गंगा समिति नमामि गंगे, जहानाबाद अमित कुमार के नेतृत्व में वार्ड संख्या-18 (लाल मंदिर के पीछे), वार्ड संख्या-23 (महिला थाना कुटिया के समीप) तथा वार्ड संख्या-26 (होरिलगंज) स्थित दरधा नदी तट पर विशेष सफाई अभियान चलाया। अभियान के दौरान नदी किनारे जमा कूड़ा-कचरा, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाकर व्यापक साफ-सफाई की गई। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि कुछ स्थानों पर लोग नारियल पानी (डाभ) के अवशेष, घरेलू कचरा और प्लास्टिक सामग्री नदी किनारे फेंक रहे थे, जिससे नदी का वातावरण प्रदूषित हो रहा है। इस पर संबंधित दुकानदारों और स्थानीय लोगों को जागरूक करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया गया कि भविष्य में नदी किनारे कचरा न फेंकें। नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। नगर परिषद ने स्पष्ट किया है कि दरधा नदी को स्वच्छ और संरक्षित रखने के लिए यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

सहरसा में पांडुलिपि सर्वेक्षण, कहरा गांव से 250 दुर्लभ पांडुलिपियां मिलीं

सहरसा (नबिटासं)। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत संचालित ह्यज्ञान भारतम मिशनह्व परियोजना के तहत जिले में पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान तेज किया गया है। जिला पदाधिकारी दीपेश कुमार के निर्देशन में जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा के नेतृत्व में विशेषज्ञ दल ने सहरसा नगर निगम क्षेत्र से सटे कहरा गांव में विशेष सर्वेक्षण किया। सर्वेक्षण के दौरान 73 वर्षीय पंडित रमेश मिश्र के पैतृक आवास से लगभग 250 अति प्राचीन और दुर्लभ पांडुलिपियों का संकलन किया गया। इन पांडुलिपियों को पीढ़ी दर पीढ़ी संरक्षित किया गया है, जिन्हें देखकर सर्वेक्षण दल के सदस्य आश्चर्यचकित रह गए। ये पांडुलिपियां मिथिलाक्षर एवं देवनागरी लिपि में लिखी गई हैं और कर्मकांड, ज्योतिष तथा पुराण से संबंधित विषयों पर आधारित हैं। पंडित रमेश मिश्र ने पांडुलिपियों की प्राचीनता और उनके महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन धरोहरों को वर्षों से सहेजकर रखा गया है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा की अमूल्य संपत्ति हैं। विशेषज्ञ दल में शामिल उग्रतारा भारती मंडन संस्कृत महाविद्यालय, महिषी के वेद संकाय के डॉ. आनंद दत्त झा ने इन पांडुलिपियों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह संग्रह भारतीय परंपरा और ज्ञान-विज्ञान को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दल में प्रो. नंद किशोर चौधरी (प्राचार्य, उग्रतारा भारती मंडन संस्कृत विश्वविद्यालय, महिषी), स्थानीय पत्रकार एवं स्तंभकार कुंदन मिश्र तथा अमित आनंद भी शामिल रहे। प्रशासन ने संकेत दिया है कि इस तरह के सर्वेक्षण अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि जिले में संरक्षित प्राचीन धरोहरों की पहचान कर उनके संरक्षण और अध्ययन को बढ़ावा दिया जा सके।

राधे-कृष्ण की प्रतिमा विसर्जन के साथ हरिनाम संकीर्तन संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के सिरनीया पश्चिम पंचायत के हफलागंज में राधे कृष्णा की प्रतिमा विसर्जन के साथ 72 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन का समापन रविवार को हो गया। इस मौके पर यज्ञ स्थल से विसर्जन जुलूस निकाली गई जो विभिन्न गली मोहल्ले से गुजरते हुए स्थानीय कोसी नदी के पास संपन्न हुई। विसर्जन जुलूस में पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिला भक्तों ने भाग लिया और नम आंखों से देवी देवताओं की प्रतिमाओं को नदी में विसर्जित करते हुए परिवार एवं समाज के कल्याण की कामना किए। विसर्जन जुलूस में कमेटी सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया और इसे सफल बनाया। विसर्जन जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था में लगी हुई थी।

20 किलो गांजा के साथ महिला समेत दो तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले के कुरसेला थाना क्षेत्र में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से करीब 20 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस दौरान एक महिला समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान छोटू मंडल और रेखा देवी (पति अशोक मंडल) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों नवाबगंज से चारपहिया वाहन में गांजा लेकर नवगछिया की ओर जा रहे थे। कुरसेला थानाध्यक्ष राकेश कुमार को गुप्त सूचना मिलने के बाद उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम के साथ संदिग्ध वाहन का पीछा किया। कुरसेला चेकपोस्ट पर घेराबंदी कर वाहन को रोका गया। तलाशी के दौरान कार की डिक्की से प्लास्टिक पैकेटों में रखा करीब 20 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और वाहन को जब्त कर थाना ले आई। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि गांजा की खेप कहां से लाई गई थी और इसका नेटवर्क किन-किन क्षेत्रों तक फैला हुआ है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशा तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है।

नेकुला में हरिनाम संकीर्तन से भक्तिमय बना गांव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। बलिया बेलौन क्षेत्र के निस्ता पंचायत अंतर्गत नेकुला गांव इन दिनों पूरी तरह भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है। करीब 25 से 30 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद गांव में आयोजित श्री श्री 108 हरिनाम संकीर्तन और यज्ञ को लेकर ग्रामीणों में भारी उत्साह देखने को मिला। धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में गांव के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पूरे कार्यक्रम को भव्य रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गांव में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें 501 महिलाओं ने कलश लेकर भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में शामिल महिलाओं ने भक्ति गीतों और हरिनाम संकीर्तन के साथ पूरे गांव का भ्रमण किया।

शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा क्षेत्र हरे राम हरे कृष्ण के जयघोष से गूंज उठा। शोभायात्रा में शामिल युवाओं और ग्रामीणों ने अनुशासन के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। शनिवार से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ की शुरूआत हुई। यज्ञ में दूर दराज के श्रद्धालुओं ने भी पहुंचकर पूजा अर्चना की और गांव की सुख समृद्धि की कामना की। आयोजन समिति के अनुसार इस धार्मिक अनुष्ठान को सफल बनाने में गांव के सभी परिवारों का सहयोग सराहनीय रहा। ग्रामीणों ने तन, मन और धन से योगदान देकर आयोजन को यादगार बना दिया। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान भव्य रासलीला का भी आयोजन किया गया। जिसे देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। रासलीला में भगवान श्रीकृष्ण और राधा की लीलाओं का मनमोहक मंचन किया गया।जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ बनी रही। यज्ञ एवं संकीर्तन कार्यक्रम का संचालन पंडित शालिग्राम ठाकुर, पंकज दीक्षित और बबलू जी सहरानीय सहयोग रहा।

पुलिस ने नाबालिग युवती को किया बरामद, आरोपी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। हजारीबाग पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत केरेडारी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग युवती को सकुशल बरामद कर लिया है। वहीं मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार, ग्राम कुठान निवासी एक व्यक्ति ने केरेडारी थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया था कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री को शादी की नीयत से बहला-फुसलाकर भगा लिया गया है।

युवती की शादी आगामी 12 मई को तय थी और घर में विवाह की तैयारियां चल रही थीं। इसी बीच आरोपी उसे अपने साथ लेकर फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (रुढड) पवन कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में थाना प्रभारी सह अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक अनूप कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। तकनीकी अनुसंधान और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित छापेमारी करते हुए कांड संख्या 54/26 के नामजद आरोपी रितेश कुमार (22 वर्ष), पिता गणेश महतो, ग्राम कुठान को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही अपहृत नाबालिग युवती को भी सकुशल बरामद कर लिया गया। एसडीपीओ पवन कुमार ने बताया कि महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों में पुलिस अधीक्षक के स्पष्ट निर्देश हैं कि त्वरित और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसी के तहत पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बरामद युवती का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है तथा न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। वहीं गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने के बाद जेल भेज दिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर पदमा में संगोष्ठी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पदमा (हजारीबाग)। नवोत्कर्ष फाऊंडेशन हजारीबाग एवं नशा मुक्ति व स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम की मुहिम को जिला स्तर पर आगे बढ़ा रहे परामर्शदाता अरुण कुमार यादव और शशिकांत मिश्रा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर, पदमा के सभागार में युवाओं में बढ़ती नशे की लत की समस्या के निराकरण और समाधान को लेकर एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10:15 बजे किया गया, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों ने भाग लेकर अपने विचार रखे। गोष्ठी में नवोत्कर्ष फाऊंडेशन की ओर से प्रशांत कुमार मिश्रा सक्रिय भूमिका में उपस्थित रहे। वहीं इस अभियान को जिला मुख्यालय स्तर पर बढ़ावा देने वाले परामर्शदाता अरुण कुमार यादव एवं शशिकांत मिश्रा ने युवाओं में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए जागरूकता अभियान को और व्यापक बनाने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से प्रसिद्ध अधिवक्ता अमरनाथ मिश्रा, पीएलवी अरुण कुमार आर्यन एवं प्रियंका यादव ने कानूनी और सामाजिक पहलुओं पर अपने विचार रखे। स्वास्थ्य क्षेत्र से डॉक्टर धीरज और डॉक्टर दीपक ने नशे से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी। झारखंड खेल प्राधिकरण पदमा केंद्र के मुख्य प्रशिक्षक उधम सिंह ने युवाओं को खेलकूद की ओर प्रेरित करने पर बल दिया। स्थानीय प्रशासन की ओर से पुलिस पदाधिकारी विपिन बिहारी सिंह सहित सिविल सोसाइटी के कई प्रबुद्ध लोगों ने भी नशे के बढ़ते प्रचलन पर गंभीर चिंता जताई। इस दौरान अंचल पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ऑनलाइन माध्यम से संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। विचार-विमर्श के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नशे के बढ़ते प्रभावों पर अंकुश लगाने के लिए समाज के हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बच्चों के बेहतर टाइम मैनेजमेंट, खेल के प्रति आकर्षण बढ़ाने, अभिभावकों द्वारा बच्चों के साथ अधिक समय बिताने तथा महिलाओं की सक्रिय भूमिका को नशा मुक्ति अभियान में महत्वपूर्ण बताया गया।

ओपन माइंड वर्ल्ड स्कूल में पांच दिवसीय समर कैंप का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। शहर के प्रतिष्ठित ओपन माइंड वर्ल्ड स्कूल में पांच दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। समर कैंप का उद्घाटन

रेड क्रॉस चेयरमेन अरविंद कुमार ने किया उद्घाटन

रेड क्रॉस सोसाइटी गिरिडीह के चेयरमेन एवं रफ्तार मीडिया के नेशनल कॉर्डिनेटर अरविंद कुमार ने फीता काटकर किया विद्यालय की प्राचार्या चंद्रमलिका घोष ने पौधा भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि समर कैंप बच्चों को सुरक्षित और मनोरंजक वातावरण में नए कौशल सीखने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करता है समर कैंप में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन धीरज कुमार जायसवाल ने किया मुख्य अतिथि अरविंद कुमार ने अपने संबोधन में बच्चों को मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के कैंप बच्चों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि क्राफ्ट, नृत्य, राइफल शूटिंग, क्रिकेट और खो-खो जैसी रचनात्मक एवं साहसिक गतिविधियों से बच्चों की छिपी प्रतिभा निखरकर सामने आती है।उन्होंने समर कैंप के सफल आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं देते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की इस अवसर पर मोहम्मद शहरयार, शाहिद रजा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। प्रखण्ड स्थित द्वारिका पैलेस में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत जिला प्रशिक्षण वर्ग रविवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले भर से आए भाजपा के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण वर्ग में कुल 12 सत्र आयोजित किए गए। जिसमें संगठन, राष्ट्रवाद, कार्यकर्ता विकास, पार्टी की विचारधारा, सोशल मीडिया की भूमिका, सेवा कार्य, भारतीय जनता पार्टी के इतिहास एवं विकास, सैद्धांतिक अधिष्ठान, एकात्म मानव दर्शन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, पंचनिष्ठा, विचार परिवार तथा देश के समक्ष राजनीतिक और सामाजिक चुनौतियों जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इन सत्रों को संबोधित करने के लिए प्रदेश के अलग-अलग जिलों से वरिष्ठ भाजपा नेता एवं प्रशिक्षक पहुंचे, जिन्होंने कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति और वैचारिक दिशा की जानकारी दी। प्रशिक्षण अभियान में ढाई सौ से अधिक प्रमुख कार्यकर्ता प्रशिक्षित हुए। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग भाजपा की संगठनात्मक शक्ति को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रशिक्षण वर्ग के समापन समारोह में शामिल होने पहुंचे बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेंद्र कुमार ने देश के समक्ष राजनीतिक एवं सामाजिक चुनौतियों विषय पर संबोधित करते हुए कहा

कि वर्तमान समय में राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए समाज को एकजुट करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व निभाने वाला राष्ट्रसेवक होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं एवं संगठन की विचारधारा पहुंचाने का आह्वान किया। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास एवं विकास विषय पर तेघरा विधायक रजनीश कुमार ने कहा कि भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। जिसका आधार उसके समर्पित कार्यकर्ता और राष्ट्रवादी विचार हैं। उन्होंने कहा कि जनसंघ से लेकर भाजपा तक की यात्रा संघर्ष, त्याग और राष्ट्रसेवा की भावना से प्रेरित रही है। सैद्धांतिक अधिष्ठान, एकात्म मानव दर्शन, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं पंचनिष्ठा विषय पर प्रदेश प्रवक्ता प्रीति शेखर ने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का वैचारिक आंदोलन है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानव दर्शन भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों पर आधारित विचारधारा है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान की बात करती है।विचार परिवार विषय पर प्रदेश महामंत्री लाजवंती झा ने कहा कि विचार परिवार राष्ट्रहित, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के उद्देश्य से कार्य करने वाले संगठनों का व्यापक समूह है। उन्होंने कहा कि विचार परिवार से जुड़े संगठन समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा, शिक्षा, जागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण का कार्य कर रहे हैं।

समापन सत्र में प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में लगे हुए सभी भाजपा कार्यकर्ता को धन्यवाद देते हुए जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा ने कहा भाजपा एक विचार आधारित संगठन है, जहां कार्यकर्ताओं का निरंतर प्रशिक्षण पार्टी की सबसे बड़ी विशेषता है।

कार्यक्रम के अंत में नगर विधायक कुंदन कुंदन कुमार ने सभी प्रशिक्षकों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

प्रशिक्षण में भाजपा नेता कृष्णमोहन पप्पू, नवीन कुमार,पूर्व जिला अध्यक्ष संजय कुमार, डॉ सुरेश राय ,जिला उपाध्यक्ष सुनील कुमार, विकास कुमार, मृत्युंजय कुमार वीरेश,सुमित सनी, सुनील कुमार मुन्ना, राकेश रोशन, बेबी रजक, जिला मंत्री शुभम कुमार, पल्लवी कुशवाहा, पुष्पा राम, शशांक शेखर, निरंजन सिंह, रेखा राम, शालिनी देवी, आभा सिंह, ऋचा सिंह, कामिनी कंचन, चंदा चौहान सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता प्रशिक्षण अभियान में शामिल हुए।

नौकरी मांगने पर जेल, लोकतंत्र की हत्याः माले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय नगर। पटना की सड़कों पर अभ्यर्थियों को दौर -दौराकर बर्बरतापूर्वक पिटाई के विरोध में रविवार को भाकपा माले ने सीएम का पुतला जलाया। इस दमनात्मक कार्रवाई के खिलाफ भाकपा माले, आईसा, आरवाइए के संयुक्त बैनर तले भाकपा माले कार्यालय कमलेश्वरी भवन से मार्च निकाला गया जो समाहरणालय द्वार पर सभा में परिणत हो गया और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुतला फूंककर विरोध जताया। अभ्यर्थियों की मांग को पूरा करने की मांग की। सभा को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले जिला सचिव दिवाकर प्रसाद ने कहा लाठी चार्ज भाजपा -जदयू सरकार की दमनकारी मानसिकता का खुला प्रदर्शन है। महिला अभ्यर्थियों के साथ क्रूरतापूर्ण और अमानवीय व्यवहार किया गया। यह केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं बल्कि रोजगार और अधिकार की मांग उठाने वाले नौजवानों के खिलाफ राज्य प्रायोजित दमन है। इस घटना की तीखे शब्दों में निन्दा करते हुए आन्दोलन में गिरफ्तार किए गए शिक्षक अभ्यर्थी नेताओं को जेल से तत्काल रिहाई और फर्जी मुकदमा रद्द करने की मांग की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरवाइए के राज्य पार्षद रामकुमार तांती ने कहा बिहार में लाखों पद खाली पड़े

हैं। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। लेकिन सरकार बहाली के बजाय युवाओं पर लाठी बरसा रही है। भाजपा -जदयू सरकार रोजगार देने में विफल साबित हुई है। घटना की निन्दा करते हुए लाठीचार्ज में दोषी अफसरों पर कार्रवाई करने की मांग की। कार्यक्रम में चन्द्रदेव वर्मा, बैजू सिंह, नवल किशोर सिंह, राजेश श्रीवास्तव, संजय ठाकुर, राजाराम पासवान, जयजयराम पासवान,कलदेव पासवान, मदन सहनी, कन्हैयालाल साह,श्रवेंद्र राय,महेंद्र साह, बिपत साह, बीकेस साह, मोहम्मद मुर्तुजा शामिल थे।

भाकपा अंचल परिषद की बैठक

नावकोठी/नबिटा संवाददाता। भाकपा अंचल परिषद की बैठक पहसारा में रविवार को हुई। इसकी अध्यक्षता पूर्व मुखिया गणेश महतो ने की। अंचल प्रभारी ने कहा कि देश के समक्ष विषम परिस्थिति है। एक ओर आम आवाम मूलभूत आवश्यक्ताओं की पूर्ति हेतु त्राहिमाम कर रही है तो दूसरी ओर केन्द्र की सत्तारूढ भाजपा सरकार बनाने के लिए तोड़ जोड़ की राजनीति में मशगूल है। राज्य के अंदर रोज, रोज हत्यायें, दुष्कर्म आदि हो रही है। शासन व्यवस्था पूरी तरह असफल है। आम नागरिक को कौन कहे ? यहां अधिकारी भी अपराधियो की गोलियों का शिकार हो रहें हैं। चारो ओर जनता त्राहिमाम है। केन्द्र की सरकार योजनाओं तथा स्थानों के नाम बदलने में महारत है। मजदूरों को 100 दिनों के काम की गारंटी योजना का नाम बदलकर जी बीबी राम जी कर 125 दिनों का काम देने का वायदा किया गया। विडंबना यह है कि इस योजना के संचालन के लिए राशि ही नहीं है। पूर्व में इस योजना के तहत कराये गए कार्य की राशि भुगतान के लिए जनप्रतिनिधि तथा मजदूर भटक रहे हैं। इसके लिए प्रत्येक पंचायत के मनरेगा भवन, पंचायत भवन पर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। किसानों के फसल क्षति मुआवजा भुगतान सहित कई अन्य ज्वलंत सवालों के समाधान हेतु 25 मई को जिला समाहरणालय पर आयोजित प्रदर्शन में अधिकाधिक संख्या में कार्यकर्ताओं तथा किसानों को शिरकत करने की अपील की गई। पार्टी के सांगठनिक ढांचा को मजबूत करने के लिए केशव कुमार अनुभव को महेशवाड़ा,पहसारा पश्चिमी,पहसारा पूर्वी तथा डफरपुर,अंचल मंत्री चन्द्र भूषण चौधरी को नावकोठी,रजाकपुर तथा समसा, अमरेश पोद्दार टुनटुन को विष्णुपुर,सिसौनी तथा हसनपुर बागर का पंचायत प्रभारी बनाया गया है। नौ सदस्यीय अंचल कमिटी का गठन किया गया। केशव कुमार अनुभव को सहायक अचल मंत्री बनाया गया। इसके अतिरिक्त गणेश महतो, अमरेश पोद्दार टुनटुन, जितेंद्र कुमार, आनंद मोहन प्रसाद सिंह, श्रवण महतो, नसीम रब्बानी आदि को भी अंचल कार्यकारिणी में जगह मिली है। बैठक में अमर कुमार सिंह, महेन्द्र महतो, सत्यनारायण पोद्दार, राजेन्द्र ठाकुर, मो असफाक, सुशील कुमार सिंह सहित कई कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

अंतिम संस्कार में गया इकलौता पोता गंगा में डूबा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शाहपुर (आरा)। थाना क्षेत्र के सुहियां गांव में उस समय मातम और चीख-पुकार का माहौल गहरा गया, जब दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने गया 17 वर्षीय किशोर गंगा नदी में डूबकर लापता हो गया। रविवार को दोपहर में करीब 65 घंटे की कठिन खोजबीन के बाद एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की संयुक्त टीम ने किशोर का शव बरामद किया। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक सूरज कुमार सुहियां गांव निवासी दिलीप सिंह उर्फ छोटे सिंह का इकलौता पुत्र था। सूरज इंटर का छात्र था और उसके पिता भारतीय सेना में कार्यरत हैं। वर्तमान में वो कोलकता में तैनात है। परिवार में दादी के निधन के बाद शुक्रवार की शाम अंतिम संस्कार के लिए सभी लोग बक्सर जिले के नैनीजोर बिहार घाट स्थित श्मशान घाट पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार अंतिम संस्कार संपन्न होने के बाद परिवार के सदस्य गंगा स्नान और तिलांजलि देने नदी में उतरे थे। इसी दौरान अचानक चार लोग गहरे पानी की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों की सतर्कता और त्वरित प्रयास से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। लेकिन सूरज तेज धारा और गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीमों को खोज अभियान में लगाया गया। लगातार 65 घंटे तक चले रेस्क्यू आपरेशन के बाद गोताखोरों ने सूरज का शव बरामद किया। एक ही परिवार में पहले दादी की मौत और फिर इकलौते पोते की असमय मौत ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया है। मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के मुखिया सोनू सिंह भी पिछले दो दिनों से परिवार के साथ डटे रहे और हरसंभव सहयोग में जुटे रहे। सुहियां गांव में इस हृदयविदारक घटना के बाद मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव के लोग स्तब्ध हैं और हर आंख नम है। सूरज की असमय मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 3480 मामलों का निष्पादन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय कोर्ट। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बेगूसराय के तत्वावधान में दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। बेगूसराय सिविल कोर्ट परिसर, गांधी स्टेडियम, तेघड़ा, मंझौल, बलिया, बखरी अनुमंडलीय न्यायालय तथा रेलवे कोर्ट बरौनी सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित इस लोक अदालत में 3480 मामलों का निष्पादन आपसी समझौते के आधार पर किया गया। विभिन्न मामलों में कुल लगभग 4 करोड़ 12 लाख रुपये पर समझौता हुआ। राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष ऋषिकांत, डीएलएसए सचिव करुणा निधि प्रसाद आर्य, जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजीत कुमार, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ध्रुव महतो, डीएम श्रीकांत शास्त्री, एसपी मनीष एवं परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश विजेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषिकांत ने कहा कि जिला प्रशासन, न्यायिक पदाधिकारियों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के समन्वय से राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत न्याय पाने का सरल, सुलभ और कम खर्चीला माध्यम है, जिससे वर्षों पुराने विवादों का त्वरित समाधान संभव हो पाता है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के

लिए जिले में कुल 20 बेंचों का गठन किया गया था। इन बेंचों के संचालन की जिम्मेदारी न्यायाधीश विजेंद्र कुमार, संजय कुमार तृतीय, रविशंकर कुमार, अरुण कुमार, श्रीराम झा, मनोज कुमार पंचम, नवीन कुमार श्रीवास्तव, कविता कुमारी, विवेक चंद्र वर्मा, रंजन कुमार, सुशांत कुमार, पप्पू कुमार पंडित, राकेश कुमार, आशुतोष कुमार, सत्य प्रकाश, रणधीर कुमार, रंजन देव, अवनेंद्र प्रकाश, मनोज कुमार सिंह एवं लीला को सौंपी गई थी। इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य आकर्षण ट्रैफिक चालान से जुड़े मामलों का निष्पादन रहा। ट्रैफिक चालान मामलों के लिए गांधी स्टेडियम बेगूसराय में विशेष रूप से पांच बेंचों का गठन किया गया था। बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंचे। मामलों की अधिकता को देखते हुए ट्रैफिक चालान से संबंधित सुनवाई रात 9 बजे तक जारी रही। शाम 7 बजे तक ट्रैफिक चालान के 688 मामलों का निष्पादन कर कुल 16 लाख रुपये की वसूली की गई। साथ ही आम लोगों को ट्रैफिक चालान राशि में 50 प्रतिशत तक की छूट का लाभ भी दिया गया।लोक अदालत में समझौतावादी आपराधिक मामलों, पारिवारिक विवाद, बैंक ऋण वसूली, बिजली विभाग, मोटर दुर्घटना दावा, रेलवे कोर्ट एवं अन्य मामलों का निपटारा किया गया। आंकड़ों के अनुसार 1729 आपराधिक मामलों का निष्पादन किया गया। वहीं बैंकों ने 1759 मामलों में लगभग 3 करोड़ 50 लाख रुपये पर समझौता किया। बिजली विभाग के 56 मामलों में करीब 44 लाख रुपये पर समझौता हुआ। दुर्घटना दावा के एक मामले में 15 लाख 38 हजार रुपये का निष्पादन किया गया। परिवार न्यायालय के 13 मामलों का निपटारा किया गया। रेलवे कोर्ट बरौनी में 679 मामलों का निष्पादन हुआ। अनुमंडल न्यायालय मंझौल में 34, बखरी में 93, बलिया में 60 तथा तेघड़ा में 76 मामलों का निष्पादन किया गया। डीएलएसए सचिव करुणा निधि प्रसाद आर्य ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लोगों को त्वरित एवं सस्ता न्याय उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। इस दौरान डीएलएसए कर्मी इंद्रसेन शर्मा, सौरभ कुमार, उदय कुमार, संगम मिश्रा, शशि कुमार, आलोक कुमार, अधिकार मित्र हरेराम दास, मुरारी कुमार, हाई कोर्ट अधिवक्ता दीपक कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिहार में भाजपा के बुलडोजर के खिलाफ एकजुट हो : माले

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। अगिआंव के बडगांव में भाकपा-माले ने जनप्रतिरोध सभा आयोजित किया। बडगांव के स्थानीय लोगों द्वारा अम्बेडकर की मूर्ति स्थापित की गई। लेकिन जातिवादी अपराधियों द्वारा मात्र 15 दिनों के अंदर तोड़ दिया गया। जिसके खिलाफ आज प्रतिरोध सभा मे शामिल हो बाबा साहेब के विचारों के आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और कहा कि तुम एक मूर्ति तोड़ोगे हम हजारों मूर्ति लगाएंगे। सभा को सम्बोधित करने वालों में भाकपा - माले जिला सचिव अभ्युदय, केंद्रीय कमिटी सदस्य राजू यादव, अगिआंव पूर्व विधायक शिवप्रकाश रंजन, इंसाफ मंच राज्य अध्यक्ष कयामुद्दीन अंसारी, पूर्व विधायक पीरो चन्द्रदीप सिंह, राज्य कमिटी सदस्य व तरारी प्रखण्ड सचिव उपेन्द्र भारती आरवाइए प्रखड अध्यक्ष अप्पू यादव, सचिव अखिलेश कुमार गुप्ता, आरवाईए सहार प्रखंड सचिव अजित पासवान, मूर्ति स्थापना कमिटी के अध्यक्ष दिनेश राम, सचिव जय कुमार राम सदस्य राम सहेनी सहित कई लोगों ने सम्बोधित किया। जन प्रतिरोध सभा की अध्यक्षता भाकपा - माले प्रखण्ड सचिव भोला यादव और संचालन जिला कमिटी सदस्य दसई राम ने किया। प्रतिरोध सभा ने प्रस्ताव पास किया जिसमे डॉ अम्बेडकर की मूर्ति तोड़ने वाले जातिवादी अपराधियों को अबिलम्ब गिरफ्तार किया जाए।

पूर्व के विवाद में युवक ने चला दी गोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिरौंटा गांव में शनिवार की शाम आवास योजना को लेकर चल रहे पुराने विवाद में एक युवक पर जानलेवा हमला किया गया। हमलावरों ने उसकी कनपटी पर पिस्टल सटाकर गोली चलाने की कोशिश की, लेकिन मिसफायर होने से उसकी जान बच गई। घटना पिरौंटा गांव निवासी मनलाल यादव के साथ हुई। पीड़ित के बयान पर गांव के ही शिवजी यादव, उनके पुत्र सत्येंद्र यादव और वीरेंद्र यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी के अनुसार, शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे मनलाल यादव अपने घर के बाहर बैठे थे। तभी शिवजी यादव अपने पुत्र सत्येंद्र यादव के साथ पहुंचे और उनके साथ मारपीट करने लगे। इसी दौरान वीरेंद्र यादव भी वहां पहुंचा और कथित रूप से पिस्टल निकालकर मनलाल यादव की कनपटी पर सटा दी तथा जान से मारने की नीयत से फायर किया। हालांकि गोली मिसफायर हो गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के दौरान पीड़ित की बहन धानमुनी देवी ने साहस का परिचय देते हुए आरोपित पर झपट्टा मारकर पिस्टल छीन ली। इसके बाद डायल 112 को सूचना दी गई और मौके पर पहुंची पुलिस को हथियार सौंप दिया गया।

धीरज पांडेय बने इंडियन अमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन बिहार के प्रदेश उपाध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। शाहपुर प्रखंड के भरौली गांव निवासी धीरज कुमार पांडेय इंडियन अमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (आईएबीएफ) बिहार का प्रदेश उपाध्यक्ष निर्वाचित किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनके मनोनयन पर राजनीतिक, सामाजिक एवं खेल जगत से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। धीरज कुमार पांडेय लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों एवं संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। अब उन्हें खेल संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से युवाओं में भी उत्साह देखा जा रहा है। उनके चयन को बिहार में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना

जा रहा है। धीरज पाण्डेय समाजसेवी शशि कांत पांडेय के पुत्र एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता है। मनोनयन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए धीरज कुमार पांडेय ने कहा कि बिहार की धरती प्रतिभाओं से भरी हुई है। यहां के युवाओं में अपार क्षमता है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित मंच और बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की है। उन्होंने कहा कि इंडियन अमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के माध्यम से बिहार में बॉक्सिंग खेल को नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में बिहार के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे। श्री पांडेय ने कहा, "बिहार अपने गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ खेलकूद, विशेषकर बॉक्सिंग के क्षेत्र में भी अपनी सशक्त और गौरवशाली छाप छोड़ेगा। उपाध्यक्ष बनने पर भरौली गांव सहित पूरे शाहपुर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। भाजपा कार्यकर्ताओं, खेल प्रेमियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है।

अभाविप बिहारशरीफ नगर इकाई का गठन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिहारशरीफ नगर इकाई के गठन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की भावी कार्ययोजना, छात्रहित से जुड़े मुद्दों एवं संगठन विस्तार पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से बिहारशरीफ नगर इकाई का गठन किया गया तथा विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इस दौरान संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अभाविप नालंदा के विभाग प्रमुख डॉ. अनुज सिंह ने कहा कि

विद्यार्थी परिषद सदैव छात्रहित, राष्ट्रहित एवं शिक्षा के विकास के लिए कार्य करती रही है और आगे भी छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्षरत रहेगी। जिला संयोजक प्रतीक राज ने कहा कि शिक्षा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। परिषद छात्रों के व्यक्तित्व विकास, सामाजिक चेतना तथा राष्ट्रीय मूल्यों के संवर्धन के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। इस मौके पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य साहिल मेहता ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। वहीं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अदिति एवं विभाग छात्रा प्रमुख गुड़िया कुमारी भी उपस्थित रहीं। नगर इकाई में सूर्यकांत वर्मा को नगर अध्यक्ष, अविनाश कुमार को नगर मंत्री तथा विवेक कुमार, संग्राम कुमार, अनीषा कुमारी, बिट्टू कुमार एवं पीयूष राज को नगर सह मंत्री बनाया गया। नेहा कुमारी को नगर छात्रा प्रमुख एवं रौशनी कुमारी तथा ऋषिका कुमारी को सह छात्रा प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा राहुल उपाध्याय को नगर मीडिया प्रमुख, लभ गोप को सोशल मीडिया प्रमुख, अभिजीत कुमार को सह सोशल मीडिया प्रमुख, अनमोल कुमार को एसएफडी प्रमुख, ऋतिक कुमार को सह एसएफडी प्रमुख, रोहित कुमार को खेलो भारत प्रमुख, शिवम कुमार को सह खेलो भारत प्रमुख, रजनीश कुमार को एसएफएस प्रमुख तथा प्रिंस कुमार को सह एसएफएस प्रमुख बनाया गया। विक्रम जैक को राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में प्रिंस कुमार, हिमांशु कुमार, प्रियांशु कुमार, अंकित कुमार, आशीष कुमार, धीरज कुमार, रवि कुमार, आकाश कुमार, बिट्टू अभिषेक कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं परिषद कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को परिषद से जोड़ने का संकल्प लिया।

हत्या के मामले में फरार महिला गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। सहार थाना पुलिस द्वारा हत्या के मामले में फरार चल रहे महिला को गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र इलाके में स्थित उसके मायके से की। वह सहार थाना क्षेत्र के नाढ़ी गांव निवासी धर्मवीर राम की पत्नी रिंकी देवी है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक राज ने दी। बता दे कि बीते 21 अप्रैल की रात संदेश थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव निवासी रामदुलार राम का पुत्र भीम राम बाइक द्वारा सहार थाना क्षेत्र के नाढ़ी गांव जाने के लिए निकला था। इसी बीच गला रेतकर उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके बाद उसकी शव 22 अप्रैल की सुबह थाना क्षेत्र के ननउर पुल से 200 मीटर दूर स्थित बधार में बुधवार की सुबह बरामद किया गया था। तब प्रेम-प्रसंग को लेकर हत्या करने की बात सामने आई थी। इसके पश्चात मृतक के पिता राम दुलार राम के द्वारा धर्मवीर राम एवं उसके सदोहर भाई रंजन राम के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। अनुसंधान के क्रम में रिंकी देवी का नाम आया था। उसी समय से वह फरार चल रही थी।

आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आरा। नवादा थाना पुलिस द्वारा शराब कांड मामले में फरार आरोपित को गिरफ्तार किया गया। उसकी गिरफ्तारी अजीमाबाद थाना क्षेत्र के कमरिया गांव से की। गिरफ्तार आरोपित अजीमाबाद थाना क्षेत्र के कमरिया गांव निवासी राणा प्रताप सिंह का पुत्र बूढ़ा कुमार उर्फ रविकांत कुमार है। उक्त आरोपित फरार चल रहा था।

सात निश्चय योजना में जहानाबाद की बड़ी उपलब्धि, राज्य में दूसरा स्थान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार सरकार द्वारा जारी अप्रैल 2026 की रैंकिंग रिपोर्ट में सात निश्चय पार्ट-1 एवं पार्ट-2 योजनाओं के क्रियान्वयन में जहानाबाद जिले ने पूरे राज्य में दूसरा स्थान हासिल किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन के लिए गौरव का विषय मानी जा रही है। सात निश्चय के अंतर्गत संचालित 10 योजनाओं में जिले ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। डीआरसीसी के तहत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में 90.2 प्रतिशत, मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना में 90.8 प्रतिशत तथा कुशल युवा कार्यक्रम में 89.3 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई है। वहीं, सात निश्चय पार्ट-2 के अंतर्गत "हर खेत तक सिंचाई का पानी" (जल संसाधन विभाग), "हर घर नल का जल" (शहरी) के अनुरक्षण तथा "ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन–शहरी" योजनाओं में जिले ने 100 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। इसके अलावा "हर खेत तक सिंचाई का पानी" (लघु जल संसाधन विभाग), "हर घर नल का जल" (ग्रामीण) अनुरक्षण तथा "ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन–ग्रामीण" योजनाओं में भी 95 प्रतिशत से अधिक प्रगति दर्ज की गई है। सभी गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापना योजना में भी जिले ने 98.7 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। जिला प्रशासन ने इस सफलता का श्रेय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, सतत मॉनिटरिंग एवं विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों को दिया है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से भड़के विधायक

पोस्ट करने वालों के घर पर पहुंचकर मारपीट का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बीजेपी विधायक के खिलाफ सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक और भ्रामक पोस्ट करना दो युवकों को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर टिप्पणी किए जाने के बाद नगर विधायक रंजन कुमार अपने कई समर्थकों के साथ पोस्ट करने वाले युवक के घर पहुंच गए, जहां दोनों पक्षों के बीच मारपीट हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं, इस मामले में पीड़ित पक्ष ने बीजेपी विधायक के खिलाफ थाने में आवेदन दिया है, जबकि नगर विधायक ने भी दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। सोशल मीडिया पर विधायक समर्थकों और स्थानीय लोगों के बीच मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद विधायक ने पूरे मामले में सफाई भी दी है।

बीजेपी विधायक रंजन कुमार ने पुलिस को दिए

दोनों ओर से थाने में दिया गया आवेदन

आवेदन में आरोप लगाया है कि कन्हौली निवासी मुकुंद कुमार फेसबुक अकाउंट के माध्यम से लगातार विधानसभा क्षेत्र-94 और उनकी छवि को लेकर भ्रामक पोस्ट कर रहा था। विधायक के अनुसार, बीती रात भी उनकी तस्वीर लगाकर चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया।

विधायक ने कहा कि पूर्व में भी स्थानीय लोगों द्वारा कई बार आरोपी को समझाया गया था कि उनके बारे में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करें, बावजूद इसके वह लगातार ऐसा करता रहा। विधायक के मुताबिक, इसी सिलसिले में वह अपने समर्थकों और मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ आरोपी के घर पूछताछ करने गए थे।

वहीं आरोप है कि आरोपी और उसके साथ मौजूद लोगों ने उग्र होकर गाली-गलौज की तथा विधायक के साथ गए लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। विधायक ने एक अन्य आवेदन में पताही जगन्नाथ निवासी ठाकुर दिव्य प्रकाश पर भी फेसबुक के माध्यम से भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप लगाया है। विधायक ने कहा कि पिछले एक वर्ष से आरोपी लगातार उनके नाम और विधानसभा क्षेत्र-94 का उल्लेख कर चरित्र हनन कर रहा है। चुनाव के दौरान भी उनके खिलाफ कई भ्रामक पोस्ट किए गए, जिससे उन्हें मानसिक तनाव झेलना पड़ा।

विशेष अभियान में 103 गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। बिहार में सारण जिले की पुलिस ने विगत 24 घंटा में विशेष अभियान चला कर कुल 103 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस अभियान के दौरान वारंट में 24, शराब सेवन में 10, शराब कारोबार में 18, हत्या के प्रयास में 32, दहेज अधिनियम में 02, डकैती में 01,खनन अधिनियम में 01, चोरी में 04, आर्म्स एक्ट में 01, पुलिस पर हमला में 01, एससी एसटी एक्ट में 01, अपहरण में 01, पास्को एक्ट में 03 तथा अन्य में 03 अभियुक्त शामिल हैं।

सूत्रों ने बताया कि इस अभियान के दौरान अपराध नियंत्रण तथा यातायात और सुरक्षा के दृष्टिकोण से जिले में कुल 70 वाहनों से 1,20000(एक लाख बीस हजार) रुपया जुमार्ना भी वसूला गया है। इसके अलावा कुल 257.12 लीटर शराब बरामद करने के साथ ही ट्रेक्टर 02,कार 01और मोटरसाइकिल 01 पुलिस ने बरामद किया है।

स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान के तहत राय बिंदेश्वरी घाट की हुई सफाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को गयाजी स्थानीय किरानी घाट रोड स्थित राय बिंदेशवरी घाट पर स्वच्छ फल्गु, स्वच्छ गयाजी अभियान के बैनर तले स्वच्छता एवं जागरुकता अभियान चला कर स्थानीय लोगों के बीच जनजागरण तथा प्रत्येक रविवार को घंटा, दो घंटा श्रमदान कर फल्गु नदी को स्वच्छ रखने का संकल्प दोहराया गया।

इस अवसर पर उपस्थित अभियान समिति के संयोजक विजय कुमार मिट्ठू, सह संयोजक बैजू प्रसाद, टिंकू गिरी, अंश उपाध्याय, रवि कुमार सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, मुरारी प्रसाद, मिथिलेश तिवारी, मोहम्मद ऐहतेश्याम आदि ने कहा कि हम गयाजीवासी विश्व प्रसिद्ध अंतसलीला , मोक्षदाहिनी फल्गु नदी को घनी आबादी के बीच प्रत्येक रविवार को श्रमदान कर साफ सुथरी रखने का काम निरन्तर छह रविवार से चलाया जा रहा है, जिसका परिणाम भी सामने आना शुरू हो गया है। नेताओं ने कहा गया नगर निगम, स्थानीय लोगों, विभिन्न एन जी औ ,सामाजिक संगठनों द्वारा अब फल्गु सफाई हेतु जागरुकता आई है।

नेताओं ने कहा कि फल्गु नदी के दोनों छोरों पर मैरीन ड्राइव जिसमें पश्चिमी छोर पर बोधगया से चाकन्द तक तथा पूर्वी छोर पर गुरियावां से खीजरसाराय तक सड़क का निर्माण कराने से घानी आबादी के बीच फल्गु नदी अतिक्रमण से बचेगा तथा, यातायात की सुविधा सुदृढ़ होगी।

सामूहिक मानसिक जाप ध्यान हवन यज्ञ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। राम लक्षुमण जानकी गायत्री ट्रस्ट द्वारा राम जानकी गायत्री मंदिर में प्रत्येक रविवार को सामुहिक मानसिक जाप ध्यान गायत्री हवन यज्ञ कार्यक्रम आयोजित हो रही है। इस कार्यक्रम में सैंकड़ों माता बहनो बेटीयों भाईयों अपने जीवन को धन्य बनाने की उद्देश्य से भाग ले रहे हैं।

ट्रस्ट समिति ने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की कृपा करें। इस कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य सत्संकल्प पूर्ण हो प्राणियों में सद्भावना विश्व का कल्याण हो चिंतन चरित्र और आचरण में परिवर्तन लाओ अपने अंतर सोई है शक्ति उसको तुम विकसाव बोलो जय गायत्री मां बोलो जय गायत्री मां के आधार पर अपने जीवन को धन्य बनाए।मानव को जीवन में समझदारी जिम्मेदारी ईमानदारी और बहादुरी से अपने कार्य कर्त्तव्य का निर्वाहन करनी चाहिए। सामाजिक समरसता प्रेम भाईचारा सौहार्द पूर्ण वातावरण बना रहे इसका ध्यान रखना हम सब की उत्तरदायित्व है।

रविवार को आयोजन में राम लक्षुमण जानकी गायत्री ट्रस्ट के अध्यक्ष श्यामता प्रसाद यादव सचिव ललित शर्मा रामसेवक जयसवाल अमरेन्द्र चौरसिया गायत्री परिवार राखी कुमारी शांति देवी शीला देवी परिवाचक मंजु मिश्रा अनिता देवी सैकड़ों माताएं बहनें भाईयों ने भाग लिया।

पीयूसीएल नागरिक स्वतंत्रता और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध : नंदकिशोर

मानवाधिकार, पीयूसीएल और हम विषय पर वार्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। रामदयालु सिंह महाविद्यालय में पीयूसीएल मुजफ्फरपुर इकाई के तत्वावधान में ₹मानवाधिकार, पीयूसीएल और हम₹ विषय पर आयोजित वार्ता में पीयूसीएल बिहार राज्य इकाई के प्रमुख श्री नंदकिशोर ने बिहार में पीयूसीएल की गतिविधि और सांगठनिक विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पीयूसीएल नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अनवरत प्रयास करता है। नागरिकों में अपने मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा करता है। दमनकारी कानून को वापस लेने और निरस्त करने के लिए संघर्ष करता है। इतना ही नहीं मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों में विशेष रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए कानूनी सहायता भी प्रदान करता है। निष्पक्ष न्यायपूर्ण समाज का निर्माण करना पीयूसीएल की प्राथमिकता में होता है।

पीयूसीएल बिहार इकाई के सचिव कृष्ण मुरारी ने कहा कि बिहार में पीयूसीएल को मजबूत करने का मुख्य उद्देश्य राज्य में नागरिक स्वतंत्राताओं, मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना है। बिहार में पीयूसीएल की सक्रियता को बढ़ाना मुख्य उद्देश्य है। अब पीयूसीएल से छात्र और शिक्षकों का जुड़ाव बढ़ा है। पीयूसीएल मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ संघर्ष, नफरत की भाषणों पर रोक, पुलिस ज्यादती, हिरासत में मौत और फर्जी मुठभेड़ की जांच कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम करती है। नागरिकों के स्वतंत्रता की रक्षा, कानूनी सहायता और हस्तक्षेप एवं इसके साथ ही लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने का अनवरत पहल पीयूसीएल करता है।

पीयूसीएल बिहार इकाई की उपाध्यक्ष प्रीति कुमारी ने कहा कि पीयूसीएल महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज पीयूसीएल पुलिस हिंसा, हिरासत में यौन शोषण और अन्य गंभीर मामलों में जांच और हस्तक्षेप करता है। पीयूसीएल इस बात को सुनिश्चित करता है कि महिलाओं को हिंसा मुक्त और गरिमा पूर्ण जीवन जीने का अधिकार मिले।

वार्ता में पीयूसीएल मुजफ्फरपुर के अध्यक्ष प्रो के के झा, शाहिद कमाल, प्रो के के कौशिक, सुरेंद्र कुमार, सिनेट सदस्य प्रो संजय कुमार सुमन, डॉ नीरज मिश्रा, मुंद्रिका दास, महेश्वर प्रसाद बौद्ध, डॉ ललित किशोर, रंजीत कुमार, विष्णुदेव यादव, अभय कुमार, दिनकर कुमार, आशुतोष कुमार, अमरेंद्र कुमार, हरे राम महतो, मुन्ना कुमार पंकज कुमार, शंभू शरण आदि ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मंच संचालन व विषय प्रवेश डॉ एम एन रजवी ने किया।

पंचायत सरकार भवन निर्माण हेतु स्थल निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर(मुंगेर)। प्रखंड के इंद्ररुख पश्चिमी पंचायत पिछले कई सालों से पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य अधर लटका हुआ था वह अब अधिकारियों के निरीक्षण के बाद कार्य शुरू होने वाला है। पंचायत सरकार भवन निर्माण को लेकर जिला पंचायती राज्य पदाधिकारी कमल नयन यादव अधिकारियों के टीम के साथ इंद्ररुख पश्चिमी पंचायत के चिन्हित जगह पर पहुंची।

पंचायत सरकार भवन को लेकर चिन्हित जगह पर जनता जनप्रतिनिधि से पूछताछ के बाद चिन्हित जगह का माफी करवाया गया। पंचायत सरकार भवन से संबंधित तमाम अधिकारियों के उपस्थिति में हुई माफी के बाद अधिकारी ने कार्य शुरू करने का निर्देश दिया। इधर पंचायत सरकार भवन बनाने को लेकर दिए गए निर्देश के बाद पंचायत के जनता जनप्रतिनिधियों में खुशी देखी गई। विदित हो कि पिछले कई वर्ष से पंचायत सरकार भवन निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ था। जिसे अधिकारियों के स्थलीय निरीक्षण के बाद तमाम तरह की बढ़ाओ को दूर किया गया। मौके पर कई अधिकारी सहित पंचायत के जनप्रतिनिधि पैक्स अध्यक्ष चिंटू कुमार, वार्ड सदस्य दिनेश, प्रभात कुमार सहित कई मौजूद थे।

भाकपा माले का तीन दिनी 12वां राज्य सम्मेलन 16 से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिन वादी (भाकपा माले) का 12 वां राज्य सम्मेलन 16 से 18 मई तक दरभंगा के पोलो मैदान स्थित प्रेक्षा गृह में होगा। जिसमें राज्यभर के एक हजार प्रतिनिधि, पर्यवेक्षक और अतिथि भाग लेंगे। सम्मेलन की तैयारी को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाकपा माले पोलित ब्यूरो के सदस्य सह मिथिलांचल प्रभारी धीरेंद्र झा ने रविवार को बताया कि सम्मेलन में केंद्रीय कमिटी की ओर पर्यवेक्षक के रूप में तमिलनाडु से कामरेड वी शंकर आ रहे हैं।

भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य तीनों दिन सम्मेलन में रहेंगे और सम्मेलन को राजनीतिक दिशा देंगे। सम्मेलन स्थल का नामकरण रेणु नागार्जुन नगर, रामदेव वर्मा - लक्ष्मी पासवान सभागार, मधु मिश्रा - दयमंती सिन्हा - शहीदा खातून मंच किया गया है। श्री झा ने बताया कि सम्मेलन के पहले दिन 16 मई को प्रथम सत्र खुला अधिवेशन के रूप में होगा जिसमें माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, मंगनी लाल मंडल, राजेश राम, आई पी गुप्ता, बाल गोबिंद बिंद, उमेश सहनी, रामनरेश पांडे, ललन चौधरी, सांसद राजाराम सिंह, सुदामा प्रसाद आदि भाग लेंगे। खुला अधिवेशन में भाग लेने के लिए शहर के बुद्धिजीवियों और नागरिकों को भी आमंत्रित किया गया है। संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाकपा माले पोलित ब्यूरो के सदस्य सह मिथिलांचल प्रभारी धीरेंद्र झा ने कहा कि बिहार के अन्दर भाजपा जबरदस्ती सत्ता कब्जा कर आज छात्र युवाओं पर लाठियाँ बरसा रही है। सरकार के घोषणा के अनुरूप ही छात्र अपना रोजगार मांग रहा थे। लेकिन रोजगार देने के बदले सरकार छात्र - युवाओं से अपराधी की तरह व्यवहार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सम्मेलन में छात्र युवाओं पर हुए बर्बर लाठीचार्ज और प्रवासी मजदूरों की दिल्ली सहित अन्य जगहों पर हो रही हत्याओं को मुद्दा बनाया जायेगा। बुलडोजर राज के खिलाफ प्रतिरोध की रणनीति बनाई जायेगी। मौके पर माले के जिला सचिव बैद्यनाथ यादव ने कहा कि सम्मेलन की तैयारी जोर शोर से चल रही है। स्वागत समिति के गठन की तैयारी चल रही है। संवाददाता सम्मेलन को माले के वरिष्ठ नेता आर के सहनी, राज्य कमिटी सदस्य नेयाज अहमद, एवं नंदलाल ठाकुर ने भी संबोधित किया।

ट्रेन में बढ़ती भीड़ को ले चलाया जागरूकता अभियान

जमालपुर(मुंगेर)। विक्रमशिला एक्सप्रेस में अत्यधिक भीड़ और सीट विवाद के मद्देनजर आरपीएफ ने जमालपुर स्टेशनों पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया है। इस अभियान का उद्देश्य यात्रियों को हेल्पलाइन नंबर 139 के उपयोग, उचित टिकट के साथ यात्रा करने और अनारक्षित डिब्बों में भीड़ कम करने के लिए जागरूक करना है। जागरूकता अभियान का नेतृत्व कर रहे आरपीएफ इंस्पेक्टर राजीव नयन ने बताया कि जागरूकता अभियान यात्रियों को सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हेल्पलाइन 139 का उपयोग करने और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के लिए चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान आफ की टीम ने स्टेशन पर विशेष चेकिंग की, जिसमें दिव्यांग और महिला बोगियों में अनधिकृत यात्रियों को हटाया गया। आरपीएफ ने यात्रियों को अवैध रूप से आरक्षित डिब्बों में न घुसने की सलाह दी है। मौके पर सब इंस्पेक्टर विकास कुमार सिंह,समीर दास, सुमन लता मीणा, अनुज यादव सहित कई मौजूद थे।

समारोहपूर्वक मनायी गयी कवि गुरु रविन्द्र नाथ टैगोर की जयंती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल की वंदना सभा में कवि गुरु रविंद्र नाथ टैगोर की जयंती मनाई गई। समारोह का उद्घाटन निदेशक डॉ. संजय प्रधान के साथ अन्य वरीय शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ।

निदेशक ने अपने उद्बोधन में कवि गुरु को विश्व गुरु, विश्व कवि,सफल दार्शनिक, संगीतकार, नाटककार, लेखक और साहित्यकार कहा। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक अर्जुन कुमार झा ने कवि गुरु के जीवन पर प्रकाश डालते हुए जन्म, अध्ययन अध्यापन,दर्शन और संगीत से जुड़े घटनाओं का वर्णन किया। गीतांजलि को श्रेष्ठ रचना के रूप में 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

शिक्षित घराने में जन्मे लेकर शिक्षा के महत्व को पूर्ण स्थान देते हुए उन्होंने बंगाल में शांति निकेतन शिक्षण संस्थान की स्थापना की। इसी कड़ी में कई छात्रों ने भी अपना भाषण दिया और उनके जीवन चरित्र तथा कृतियों पर प्रकाश डाला। समारोह के अंत में वरीय शिक्षक सिविक घोष जी ने उनके अमर कृति ₹शांति निकेतन₹ की चर्चा करते हुए अपने को उसका भाग्यशाली छात्र भी माना। चुकी उनकी शिक्षा दीक्षा भी इस संस्थान में हुई है। आज वह विश्व भारती विद्यालय के रूप में भी जाना जाता है। इस समारोह में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं भी उपस्थित थे।

सभी शिक्षकों ने छात्रों के साथ पुष्पार्चन किया। बाल शिशुओं आराध्या कुमारी, बोस, प्रियांशी कुमारी, दिव्यंका कुमारी, कनिष्का राय,सृष्टि सुमन,गुड्डू चौधरी, प्रतीक्षा कुमारी,आदर्श कुमार, अभिषेक कुमार सोम कुमार, प्रशांत कुमार, कार्तिक कुमार, बंटी कुमार,आदित्य कुमार, वैभव कुमार ने रवींद्र संगीत पर नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किया। बाल नृत्य और बांग्ला गान ने समा बांध बच्चों को दिया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

मदर्स डे पर क्रिकेट टूर्नामेंट

नगरनौसा(नालंदा)। दाहा बिगहा खेल मैदान में मदर्स डे के मौके पर क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया। टूर्नामेंट का उद्घाटन स्टेट खिलाड़ी चंदन भारती, खेल संचालक बब्लू कुमार ने संजयुक्त रूप से मिलकर किया।अध्यक्षता सूरज आर्यन ने किया। टूर्नामेंट में एएस एकेडमी विशुनपुर नगरनौसा ने डीपीएस स्कूल हिलसा को 6 रन से हरा दिया।मैन ऑफ द मैच आदित्य कुमार को दिया गया। इस मौके पर डॉक्टर विशाल, शिक्षक गुंजन कुमार, रंजीत कुमार, नीरज यादव,डॉक्टर दीपक, अभिषेक पांडेय,आदि लोग उपस्थित थे।

बेगूसराय में राष्ट्रीय लोक अदालत से 3480 मामलों का निष्पादन, 4 करोड़ 12 लाख रुपये के दावों पर समझौता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय कोर्ट। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बेगूसराय के तत्वावधान में शनिवार को वर्ष 2026 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया गया। बेगूसराय सिविल कोर्ट परिसर, गांधी स्टेडियम, तेघड़ा, मंझौल, बलिया, बखरी अनुमंडलीय न्यायालय तथा रेलवे कोर्ट बरौनी सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित इस लोक अदालत में कुल 3480 मामलों का निष्पादन आपसी समझौते के आधार पर किया गया। विभिन्न मामलों में कुल लगभग 4 करोड़ 12 लाख रुपये पर समझौता हुआ।

राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष ऋषिकांत, डीएलएसए सचिव करुणा निधि प्रसाद आर्य, जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजीत कुमार, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष ध्रुव महतो, डीएम श्रीकांत शास्त्री, एसपी मनीष एवं परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश विजेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋषिकांत ने कहा कि जिला प्रशासन, न्यायिक पदाधिकारियों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के समन्वय से राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत न्याय पाने का सरल, सुलभ और कम खचीर्ला माध्यम है, जिससे वर्षों पुराने विवादों का त्वरित समाधान संभव हो पाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन के लिए जिले में कुल 20 बेंचों का गठन किया गया था। इन बेंचों के संचालन की जिम्मेदारी न्यायाधीश विजेंद्र कुमार, संजय कुमार तृतीय, रविशंकर कुमार, अरुण कुमार, श्रीराम झा, मनोज कुमार पंचम, नवीन कुमार श्रीवास्तव, कविता कुमारी, विवेक चंद्र वर्मा, रंजन कुमार, सुशांत कुमार, पप्पू कुमार पंडित, राकेश कुमार, आशुतोष कुमार, सत्य प्रकाश, रणधीर कुमार, रंजन देव, अवनेंद्र प्रकाश, मनोज कुमार सिंह एवं लीला को सौंपी गई थी।

इस बार राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य आकर्षण ट्रैफिक चालान से जुड़े मामलों का निष्पादन रहा। ट्रैफिक चालान मामलों के लिए गांधी स्टेडियम बेगूसराय में विशेष रूप से पांच बेंचों का गठन किया गया था।

बड़ी संख्या में लोग वहां पहुंचे। मामलों की अधिकता को देखते हुए ट्रैफिक चालान से संबंधित सुनवाई रात 9 बजे तक जारी रही। शाम 7 बजे तक ट्रैफिक चालान के 688 मामलों का निष्पादन कर कुल 16 लाख रुपये की वसूली की गई। साथ ही आम लोगों को ट्रैफिक चालान राशि में 50 प्रतिशत तक की छूट का लाभ भी दिया गया।

लोक अदालत में समझौतावादी आपराधिक मामलों, पारिवारिक विवाद, बैंक ऋण वसूली, बिजली विभाग, मोटर दुर्घटना दावा, रेलवे कोर्ट एवं अन्य मामलों का निपटारा किया गया। आंकड़ों के अनुसार 1729 आपराधिक मामलों का निष्पादन किया गया। वहीं बैंकों ने 1759 मामलों में लगभग 3 करोड़ 50 लाख रुपये पर समझौता किया। बिजली विभाग के 56 मामलों में करीब 44 लाख रुपये पर समझौता हुआ।

दुर्घटना दावा के एक मामले में 15 लाख 38 हजार रुपये का निष्पादन किया गया। परिवार न्यायालय के 13 मामलों का निपटारा किया गया। रेलवे कोर्ट बरौनी में 679 मामलों का निष्पादन हुआ। अनुमंडल न्यायालय मंझौल में 34, बखरी में 93, बलिया में 60 तथा तेघड़ा में 76 मामलों का निष्पादन किया गया। डीएलएसए सचिव करुणा निधि प्रसाद आर्य ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लोगों को त्वरित एवं सस्ता न्याय उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ भी कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में लोग इसका लाभ उठा रहे हैं। लोक अदालत के सफल एवं व्यवस्थित संचालन के लिए न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, सहायक कर्मियों, ऑर्डरली, पीएलवी एवं अधिकार मित्रों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। सिविल कोर्ट परिसर एवं गांधी स्टेडियम में हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया था, जहां लोगों को आवश्यक सहायता एवं जानकारी उपलब्ध कराई गई।

इस दौरान डीएलएसए कर्मी इंद्रसेन शर्मा, सौरभ कुमार, उदय कुमार, संगम मिश्रा, शशि कुमार, आलोक कुमार, अधिकार मित्र हरेराम दास, मुरारी कुमार, हाई कोर्ट अधिवक्ता दीपक कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दो महीने में 95 लाख लाभुकों तक पहुंचा पूरक पोषाहार

समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, पटना, पूर्वी चंपारण और मधुबनी जिले में सर्वाधिक लाभुकों की संख्या दर्ज की गई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में पूरक पोषाहार योजना के तहत टेक होम राशन का वितरण किया जा रहा है। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आईसीडीएस निदेशालय के स्तर से संचालित 1 लाख 15 हजार 64 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर टीएचआर का वितरण किया जा रहा है। इन आंगनबाड़ी केंद्रों पर टीएचआर का वितरण अब चेहरा पहचान प्रणाली के माध्यम से हो रहा है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस योजना के तहत फरवरी और मार्च महीने में 95 लाख 41 हजार 891 लाभुकों की संख्या दर्ज की गई है जिनमें गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं और 6 महीने से 3 वर्ष तक के बच्चे शामिल हैं।

इन जिलों में सबसे अधिक टीएचआर

जिलेवार आंकड़ों के अनुसार समस्तीपुर जिले में सबसे अधिक 4 लाख 47 हजार 152 लाभुकों को एफआरएस के जरिए टीएचआर वितरित किया गया। इसके बाद मुजफ्फरपुर में 4 लाख 37 हजार 293, पटना में 4 लाख 35 हजार 801, पूर्वी चंपारण में 4 लाख 31 हजार 177 और मधुबनी में 4 लाख 12 हजार 342 लाभुकों को राशन प्रदान किया गया।

आईसीडीएस निदेशालय के अधिकारी ने कहा कि फेस रिकग्निशन सिस्टम से न केवल वितरण प्रक्रिया पारदर्शी हुई है, बल्कि फर्जी लाभार्थियों की पहचान भी आसान हो गई है। इससे योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच रहा है। राज्य सरकार की यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर भी सराही जा रही है जहां पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से ऐसी तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है।

हत्या की नीयत से अपहरण का आरोपित गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोकामा। मरांची थाना पुलिस ने हत्या की नीयत से अपहरण के मामले में फरार चल रहे आरोपी को शनिवार देर रात गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मरांची थानाध्यक्ष अवधेश कुमार ने बताया कि 2 मार्च को गणेश निषाद और सोनू निषाद का अपहरण कर लिया गया था। आरोपियों ने दोनों को बुरी तरह पीटा। पुलिस की तत्परता से समय रहते दोनों की जान बच गई।इस मामले में पुलिस पहले ही दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चुकी थी। फरार चल रहे तीसरे आरोपी, दियारा के कुख्यात देवन सिंह के पुत्र विकाश कुमार उर्फ बिको को शनिवार देर रात दबोच लिया गया। आरोपी का आपराधिक इतिहास रहा है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर डॉ. प्रेम कुमार ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने भारतीय वैज्ञानिकों, तकनीकी विशेषज्ञों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह दिवस भारत की वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और नवाचार की भावना का प्रतीक है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि 11 मई 1998 को राजस्थान के पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण कर भारत ने पूरी दुनिया में अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी शक्ति का परिचय दिया था। इसी ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति

में प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस दिवस का आयोजन पहली बार वर्ष 1999 में किया गया था। इसकी घोषणा तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी विकास परिषद द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि यह दिवस भारतीय प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों को समर्पित है। भारत आज विज्ञान, अंतरिक्ष, सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जिसमें देश के वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों की महत्वपूर्ण भूमिका है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश के युवा वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को नवाचार एवं अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़कर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करना चाहिए।

मंत्री श्रवण कुमार ने सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री तथा जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार ने सुवेंदु अधिकारी को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्रवण कुमार ने अपने बधाई संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना सुवेंदु अधिकारी के लंबे राजनीतिक अनुभव, जनसेवा के प्रति समर्पण और जनता के अटूट विश्वास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जनता ने उनके नेतृत्व और कार्यशैली पर भरोसा जताते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल देश का एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य रहा है। राज्य ने साहित्य, कला, शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में देश को नई दिशा दी है। ऐसे महत्वपूर्ण राज्य का नेतृत्व संभालना बड़ी जिम्मेदारी है। श्रवण कुमार ने विश्वास व्यक्त किया कि सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में सुशासन, विकास और जनकल्याण की योजनाओं को नई गति मिलेगी तथा आम लोगों की अपेक्षाएं पूरी होंगी। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि सुवेंदु अधिकारी को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और अपार ऊर्जा प्राप्त हो, ताकि वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ पश्चिम बंगाल की जनता की सेवा करते रहें। अंत में उन्होंने उनके सफल और उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

इलेक्ट्रिक वाहनों के परिचालन को लेकर चार्जिंग पॉइंट का जाल बिछाया जाएगा : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। परिवहन मंत्री दामोदर राउत ने बताया कि पर्यावरण की रक्षा के लिए राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों के परिचालन को लेकर चार्जिंग पॉइंट का जाल बिछाने का काम परिवहन विभाग द्वारा किया जाएगा। इससे इलेक्ट्रॉनिक वाहनों के परिचालन को प्रोत्साहन मिलेगा और लोगों को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि पहले से चलाये जा रहे मुख्यमंत्री परिवहन योजना के माध्यम से सभी प्रखंड के पांच-पांच युवाओं को अनुदानित दर पर वाहन खरीद के योजना को जारी रखा जाएगा। इसके अलावा बसों के परिचालन को लेकर परिवहन विभाग गांव तक विस्तारित करने का निर्णय लिया है जिससे दूर देहात गांव के लोगों को भी आवागमन में सुविधा हो। परिवहन मंत्री आज पटना से सड़क मार्ग के माध्यम से जमुई जाने के क्रम में शेखपुरा के सरकारी अतिथि शाला में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जाने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पत्रकार वार्ता में अपने विभाग की प्राथमिकताओं को विस्तार से गिनाया।

मां बनी संघर्ष से सफलता तक की प्रेरणा

डॉ. आनंद रंजन झा की भावनात्मक कविता ने लोगों का दिल जीता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वैशाली। प्रख्यात शिक्षाविद् एवं समाजसेवी डॉ. आनंद रंजन झा द्वारा लिखी गई भावनात्मक कविता 'मां : मेरे संघर्ष से सफलता तक की ताकत' इन दिनों लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। इस कविता में उन्होंने अपनी संघर्षपूर्ण यात्रा, जीवन के कठिन दौर तथा सफलता के पीछे अपनी मां के त्याग, संस्कार और आशीर्वाद को अत्यंत मार्मिक शब्दों में व्यक्त किया है। कविता में डॉ. झा ने बताया है कि किस प्रकार सीमित संसाधनों और आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद उनकी मां ने उन्हें कभी हार नहीं मानने दी। मां के विश्वास, त्याग और प्रेरणा ने ही उन्हें संघर्षों से लड़ने की शक्ति दी तथा समाज और युवाओं के लिए कार्य करने की प्रेरणा

प्रदान की। डॉ. आनंद रंजन झा ने कहा कि जीवन में जो भी उपलब्धियां उन्हें प्राप्त हुई हैं, वह केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत का परिणाम नहीं, बल्कि उनकी मां की तपस्या, आशीर्वाद और संघर्ष का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि एक मां ही वह शक्ति होती है जो अपने बच्चों के सपनों को अपने त्याग से सींचती है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिन परिस्थितियां क्यों न आए, यदि माता-पिता का आशीर्वाद और आत्मविश्वास साथ हो तो हर मंजिल हासिल की जा सकती है। कविता को सुनने एवं पढ़ने वाले लोगों ने इसे अत्यंत प्रेरणादायक और भावनात्मक बताते हुए कहा कि यह केवल एक कविता नहीं, बल्कि हर उस मां के त्याग को सम्मान देने वाली अभिव्यक्ति है जो अपने बच्चों के भविष्य के लिए स्वयं संघर्ष करती है।

बोधगया में जल निकासी की होगी बेहतर व्यवस्था, बिजली व्यवस्था पर भी काम : डॉ प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोधगया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बोधगया अतिथिगृह में कार्यपालक अभियंता बुडको और अंचलाधिकारी बोधगया के साथ विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर परिषद बोधगया क्षेत्र में चल रहे साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं और विकास योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि बोधगया अंतरराष्ट्रीय धार्मिक और पर्यटन स्थल है, इसलिए यहां स्वच्छता, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि नगर परिषद बोधगया के पुराने 16 वार्डों में साफ-सफाई का कार्य विभागीय स्तर पर कराया जा रहा है, जबकि विस्तारित 17 वार्डों में एजेंसी के माध्यम से सफाई कार्य हो रहा है। इस कार्य में लगभग 450 कर्मी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि गया हवाई अड्डा से दुर्गेशन होते महाबोधि मंदिर तक बेहतर सफाई

व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विभागीय निर्देश पर निविदा प्रकाशित कर दी गई है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को स्वच्छ वातावरण मिल सके। प्रकाश व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि नगर परिषद बोधगया में तीन हजार नई लाइट लगाने की स्वीकृति बोर्ड की बैठक में दी गई है। इसके साथ ही बंद पड़ी पुरानी लाइटों की मरम्मत के लिए भी निविदा प्रकाशित कर कार्य कराने का निर्देश दिया गया है। नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने के लिए गया हवाई अड्डा से महाबोधि मंदिर तक श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु दस आधुनिक सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण का प्रस्ताव विभाग को भेजा गया है। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि बोधगया में स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम निर्माण के लिए विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए 10 करोड़ रुपये बुडको, पटना को हस्तांतरित कर दिए गए हैं, जिससे जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाओं को गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि बोधगया को स्वच्छ, व्यवस्थित और आधुनिक शहर के रूप में विकसित किया जा सके।

मां की ममता का कोई मोल नहीं : महापौर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना नगर निगम की महापौर सीता साहू ने कहा कि मां की ममता की कोई मोल नहीं होता और इस ऋण से संतान कभी मुक्त नहीं हो पाता है और खासकर सुपर मॉम या सिंगल मॉम जो अपने बच्चों को मां और पिता दोनों का प्यार देकर उनकी जिंदगी संवारती है उनका सम्मान सबसे बड़ा सम्मान है। महापौर राजधानी पटना में जन भारत शिक्षा स्माईल फाउंडेशन के द्वारा आयोजित सुपर मॉम सम्मान को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि माता बच्चे के लिए पहली शिक्षक व गुरु होती है उनका बच्चों की सफलता में योगदान होता है। इस मौके पर नमामी गंगे की ब्राड एम्बेस्डर नीतू नवगीत ने कहा कि मां बढ़कर दुनिया में कोई नहीं होती है इसलिए मां सर्वदा पूज्यनीया है। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ जूली बनर्जी ने मां की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जो मां अपने बच्चे को माता पिता दोनों बनकर अपने भविष्य को सुधारने में योगदान दे रही है वह वंदनीय है और हम उन 23 माताओं को सम्मानित कर अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। यह आयोजन मातृत्व, शक्ति, त्याग, धैर्य और महिला सशक्तिकरण का एक सुंदर उत्सव बन गया। कुल 24 प्रेरणादायक माताओं को उनके परिवार, समाज, पेशे और मानवता के प्रति उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्वेता कुमारी, शायकदेव मुखर्जी, श्वेता भास्कर, सुनैना सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बिहार में एनआरपी दिवस पर 18 हजार स्वास्थ्यकर्मियों को दिया प्रशिक्षण

एम्स पटना में यूनिसेफ समर्थित नवजात देखभाल कार्यक्रम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एम्स पटना, रविवार को देश के सबसे बड़े नवजात शिशु देखभाल प्रशिक्षण अभियानों में से एक का केंद्र बना जहां राष्ट्रीय नवजात जीवनरक्षक कौशल दिवस में देशभर से स्वास्थ्यकर्मियों, सरकारी अधिकारियों और नवजात शिशु विशेषज्ञों ने भाग लिया। राष्ट्रीय नवजात विज्ञान फोरम की ओर से आयोजित इस राष्ट्रव्यापी पहल को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, बिहार सरकार के राज्य स्वास्थ्य समिति, यूनिसेफ, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) और ट्रेंड नर्सेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएनएआई) के सहयोग से आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत में नवजात पुनर्जीवन प्रशिक्षण के 35 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि एक ही दिन में 18 हजार से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों को नवजात पुनर्जीवन तकनीकों का प्रशिक्षण देना रहा। आयोजकों ने इसे नवजात शिशु देखभाल के क्षेत्र में दुनिया के सबसे बड़े क्षमता-विकास अभियानों में से एक बताया। इस पहल को लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में शामिल करने के लिए भी प्रस्तावित किया गया है। यह कार्यक्रम भारत के न्यूबॉर्न एक्शन प्लान (आईएनएपी) के अनुरूप है जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक नवजात मृत्यु दर को एकल अंक तक लाना है। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ हुई। इसके बाद राष्ट्रीय गीत, दीप प्रज्वलन समारोह का आयोजन किया गया और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सांसद डॉ. संजय अग्रवाल ने प्रत्येक मां और नवजात को समय पर एवं समान स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए रेफरल और स्टेबलाइजेशन सिस्टम को मजबूत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नवजात मृत्यु दर कम करने में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका सबसे अहम है। साथ ही उन्होंने 'कंगारू मदर केयर' जैसी वैश्विक सर्वोत्तम पद्धतियों और डब्ल्यूएचओ मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण नवजात देखभाल को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने एनएनएफ, यूनिसेफ और एम्स पटना के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशिक्षण और क्षमता विकास से जुड़े सामूहिक प्रयास बिहार में नवजात शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यूनिसेफ बिहार की चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस मोनिका नील्सन ने कहा कि वर्ष 2030 तक नवजात मृत्यु दर को एकल अंक तक लाने के भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए फ्रंटलाइन स्वास्थ्यकर्मियों में नवजात जीवनरक्षक कौशल को मजबूत करना बेहद जरूरी है।

तानसेन फेस्टिवल में बप्पी लहरी को संगीतमय श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक एंड डांस द्वारा आयोजित तानसेन 10वां मेगा म्यूजिक एंड डांस फेस्टिवल 2025-26 के दूसरे दिन ए एन कॉलेज के सत्येंद्र नारायण सिन्हा ऑडिटोरियम में लाइव बैंड कॉन्सर्ट एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का पूरा आयोजन महान संगीतकार बप्पी लहरी को संगीतमय श्रद्धांजलि के रूप में समर्पित रहा। कार्यक्रम में तानसेन के विद्यार्थियों ने गिटार, कीबोर्ड, ड्रम्स एवं मधुर गायन के माध्यम से बप्पी लहरी के लोकप्रिय गीतों की शानदार लाइव प्रस्तुति देकर

दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत संध्या की शुरुआत कन्हैया भजन से हुई जिसने पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण में रंग दिया। इसके बाद बच्चों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देकर तालियों की गड़गड़ाहट बटोरी। दर्शकों ने विद्यार्थियों की मंच प्रस्तुति, अनुशासन, तालमेल और संगीत प्रतिभा की जमकर सराहना की। इस अवसर पर तानसेन के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार ने कहा कि संस्थान बच्चों को केवल संगीत और नृत्य की शिक्षा ही नहीं देती, बल्कि उन्हें आत्मविश्वासी व्यक्तित्व के रूप में तैयार करने का भी कार्य करती है।

सिक्स लेन पुल से कूदने जा रही मां और दो बच्चों को पुलिस ने बचाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोकामा। रविवार देर रात औटा-सिमरिया सिक्स लेन पुल पर एक दिल दहला देने वाली घटना होते-होते टल गई। घरेलू कलह से परेशान एक महिला अपने दो मासूम बच्चों के साथ गंगा नदी में छलांग लगाने जा रही थी, तभी पुलिस की तत्परता ने तीनों की जान बचा ली।जानकारी के अनुसार मरांची निवासी विनोद यादव की पत्नी सरिता देवी रविवार रात करीब 8 बजे अपने 8 वर्षीय बेटे और 10 वर्षीय बेटी को लेकर सिक्स लेन पुल पर पहुंचीं। प्रत्यक्षदर्शियों ने जब महिला को बच्चों समेत रेलिंग पर चढ़ते देखा तो तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी।सूचना मिलते ही हाथीदह थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि कंट्रोल रूम से अलर्ट मिलते ही टीम तुरंत पुल पर पहुंची। महिला पुल की रेलिंग पर खड़ी थी और कूदने ही वाली थी। पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ से महिला को समझा-बुझाकर नीचे उतारा और दोनों बच्चों समेत उसे सुरक्षित हिरासत में ले लिया।

आपरेशन मुस्कान के फेज आठ के तहत 73 मोबाइल फोन बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। जिले में आपरेशन मुस्कान के फेज आठ के तहत कुल 73 मोबाइल फोन बरामद कर कोशी क्षेत्र के उपमहानिरीक्षक कुमार आशीष और एसपी हिमांशु ने वास्तविक मोबाइल धारकों को सौंपा जिसकी अनुमानित कीमत लगभग पंद्रह लाख तैंतालीस हजार सात सौ चौहत्तर रुपया है। जिले में ऑपरेशन मुस्कान के तहत अब तक कुल 425 मोबाइल फोन बरामद कर वास्तविक मोबाइल धारकों को दिया गया जिसकी अनुमानित कीमत लगभग इकहत्तर लाख चौरासी हजार नौ सौ तेईस रुपया है।

वन बिहार नेवल यूनिट के एनसीसी कैडेट्स ने मनाया 'गौरव दिवस'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एन.आई.टी. पटना परिसर स्थित 1 बिहार नेवल यूनिट के नेवल एनसीसी कैडेट्स द्वारा भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम के प्रतीक 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रथम वर्षगांठ सप्ताह उत्साह एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमांडर सन्नी कुमार गुप्ता ने कहा कि भारतीय सेना का पराक्रम सम्पूर्ण राष्ट्र के लिए गर्व एवं प्रेरणा का स्रोत है। 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की सैन्य शक्ति, साहस एवं राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है।

विलाक्राफ्ट्स ने किया तीन दिवसीय कला प्रदर्शनी 'कला संगम' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 'बिहार ललित कला अकादमी', पटना में 10 मई से 12 मई 2026 तक बिहार की समृद्ध लोक एवं पारंपरिक कलाओं-टिकुली कला, मधुबनी लोक कला, तांत्रिक कला, गोदना कला एवं मंजूषा कला पर आधारित एक विशेष कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। पटना में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय समूह कला प्रदर्शनी में देश भर से 56 कलाकारों ने भाग लिया। प्रदर्शनी में इन कलाकारों की विविध कलाकृतियां प्रदर्शित की गई है। प्रदर्शनी

को देखने के लिए अधिक संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। इस प्रदर्शनी में सोनी कुमारी, साधना, बुलबुल कुमारी, शिवानी गुप्ता व अन्य कलाकारों की एक से बढ़कर एक कलाकृतियों को लगाया गया है जिसे कला प्रेमी खूब सराह रहे हैं। तीन दिनों तक चलने वाली यह प्रदर्शनी कला प्रेमियों के लिए कला के विविध आयामों से रूबरू होने का एक सुनहरा मौका है। प्रदर्शनी में भाग लेने वाली मधुबनी पेंटिंग की कलाकार सोनी कुमारी ने बताया कि वह पटना के खगौल की रहने वाली हैं और पेंटिंग के प्रति बचपन से ही अपने लगाव के कारण उन्होंने कोरोना काल में मधुबनी पेंटिंग को अपना करियर बना लिया।

जिले में एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता, आपूर्ति व्यवस्था सामान्य

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अरवल। जिलाधिकारी अमृषा बैंस के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक वस्तुओं की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु सतत अनुश्रवण एवं निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में यह सूचित किया जाता है कि अरवल जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता पूर्णतः सामान्य है। 10 मई, 2026 की स्थिति के अनुसार जिले में कुल 4146 एलपीजी गैस सिलिंडर उपलब्ध हैं। आम लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। जिले के सभी 14 गैस एजेंसियों के पास पर्याप्त मात्रा में गैस सिलिंडर उपलब्ध है। आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित समाधान हेतु जिला नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है, जो 24 घंटे संचालित है। उपभोक्ता निम्नलिखित दूरभाष संख्याओं पर संपर्क कर अपनी शिकायत/सुझाव दर्ज करा सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि एलपीजी गैस की बुकिंग प्राप्त होने के उपरांत गैस एजेंसियों द्वारा उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी के माध्यम से उनके घर तक गैस सिलिंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। उपभोक्ताओं को गैस एजेंसियों पर जाने की आवश्यकता नहीं है और वे घर बैठे ही बुकिंग कर सकते हैं।

कांग्रेस के 53 सांगठनिक जिलों के लिए 155 नेताओं की जंबो सूची जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने संगठन सृजन साथी अभियान को लेकर 53 सांगठनिक जिलों के लिए 155 नेताओं की जंबो सूची जारी की है। पार्टी की ओर से जारी सूची में विभिन्न जिलों के लिए जिला ऑब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं जिन पर अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी होगी। यह सूची बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के निर्देशन में जारी की गई। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि संगठन को मजबूत करने और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया जा रहा है। जारी सूची में कई वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं को भी शामिल किया गया है। इन नेताओं को अलग-अलग सांगठनिक जिलों में जाकर संगठन सृजन साथी अभियान की निगरानी, समन्वय और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी का मानना है कि इस अभियान से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिलेगी और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा। कांग्रेस नेताओं के अनुसार अभियान के तहत सांगठनिक गतिविधियों को तेज किया जाएगा तथा पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को गांव और पंचायत स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि संगठन सृजन साथी अभियान पार्टी के विस्तार और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि सभी नियुक्त ऑब्जर्वर अपने-अपने जिलों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

संपादकीय

महिला आरक्षण पर दावे बड़े, हकीकत छोटी ?

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। देश की सभी पार्टियां राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का एक मत से समर्थन करती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किए जाने के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण का विधेयक पारित कराने में भी सभी दलों की भूमिका रही। मगर महिलाओं की नुमाइंदगी के सवाल पर संजीदा दिखने वाली लगभग सभी पार्टियां क्या तब तक इस मुद्दे पर ठोस पहल नहीं करेंगी, जब तक विधायिका में आरक्षण की व्यवस्था व्यवहार में लागू न हो जाए?आखिर क्या वजह है कि देश में लोकसभा या फिर विधानसभा के लिए जब भी चुनाव होते हैं, तो उसमें पर्याप्त संख्या में महिलाओं को टिकट देने को लेकर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है? गौरतलब है कि चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में सभी पार्टियों की ओर से जितनी महिलाओं को टिकट दिया गया और उनमें जीतने वालों की जो संख्या रही, वह महिला भागीदारी के सवाल पर राजनीतिक दलों के प्रचारित सरोकार के प्रति ईमानदारी को कठघरे में खड़ा करती है।दरअसल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। नतीजों के मुताबिक, इन पांचों प्रदेशों में कुल पांच फीसद सीटों पर ही महिलाएं चुनी गईं। इन राज्यों में अलग-अलग पार्टियों ने महिलाओं को टिकट देने में भी अपने घोषित सरोकारों के उलट रवैया अपनाया। मसलन, पश्चिम बंगाल में दो सौ सात सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आने वाली भाजपा ने सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन उसने सिर्फ तैंतीस सीटों पर महिलाओं को मौका दिया था।जबकि तृणमूल कांग्रेस ने अपनी उम्मीदवारी के 291 सीटों में से 52 महिलाओं को टिकट दिया था। नतीजतन, राज्य की कुल सीटों में से सिर्फ दस फीसद महिलाएं जीत सकीं। दूसरी ओर, तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव हुआ, जहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी टीवीके 234 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसने सिर्फ चौबीस महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। असम में फिर से जीतने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने 126 सीटों में से केवल छह महिलाओं को टिकट दिया। केरल में जीत हासिल करने वाली यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को मौका दिया।जाहिर है, तकरीबन सभी पार्टियों ने महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में कोई खास उत्साह नहीं दिखाया। हालांकि हाल ही में संसद में परिसीमन विधेयक पारित न होने के संदर्भ में महिला आरक्षण का सवाल चुनावी राजनीति का भी मुद्दा बना और भाजपा की ओर से इस मसले पर विपक्षी दलों पर सवाल उठाए गए। विडंबना यह है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के घोषित दावों के बरक्स टिकट देने के मामले में भाजपा सहित सभी पार्टियों के भीतर इच्छाशक्ति की कमी दिखती है।

अस्पताल या इंतजार केंद्र? इलाज से पहले ही थका देती है व्यवस्था, बिस्तरों की कमी ने बढ़ाई मुश्किल

देश के अस्पतालों में प्रति एक हजार लोगों के लिए औसतन 1.3 बिस्तर हैं, जबकि दुनिया का मानक इससे दोगुने से भी ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि मरीज ज्यादा हैं और जगह कम है। अस्पताल उपचार का केंद्र होते हैं, लेकिन कई बार वे खुद ही बीमार नजर आते हैं। यह कहने और सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन देश के स्वास्थ्य तंत्र की इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता। जिन स्वास्थ्य संस्थानों पर हम जीवन बचाने का भरोसा करते हैं, वही कई बार संसाधनों की कमी, प्रबंधन की विफलता और बढ़ती व्यावसायिकता की वजह से संकट का कारण बन जाते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर ज्यादा दबाव है, या फिर इसे खुद इलाज की जरूरत है।

(मनीष जैसल)

आज के दौर में अस्पताल जाना कई बार बीमारी से बड़ा अनुभव बन जाता है। मरीज इलाज के लिए अस्पताल जाता है, लेकिन सबसे पहले उसे भीड़ और कतार में खड़े होकर कई घंटे इंतजार करने की परेशानी से जूझना पड़ता है। इसके बाद कहीं बिस्तर नहीं मिलता, तो कहीं विशेषज्ञ चिकित्सक मौजूद नहीं होते। यही नहीं, कई बार सब कुछ होने के बावजूद व्यवस्था साथ नहीं देती। यह तस्वीर किसी एक शहर की नहीं, बल्कि देश भर की है।

देश के अस्पतालों में प्रति एक हजार लोगों के लिए औसतन 1.3 बिस्तर हैं, जबकि दुनिया का मानक इससे दोगुने से भी ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि मरीज ज्यादा हैं और जगह कम है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में यह समस्या और साफ दिखती है, जहां आबादी इतनी ज्यादा है कि अस्पताल हमेशा भरे रहते हैं। समय के साथ आबादी बढ़ी, मरीजों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई, लेकिन इसके अनुरूप अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पाया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल (एनएचपी-2022) के अनुसार, देश में प्रति दस हजार आबादी पर अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता लगभग पंद्रह है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार न्यूनतम संख्या तीस बिस्तरों की है। यानी हम बुनियादी स्तर पर अभी आधे रास्ते में हैं। राज्यों के बीच असमानता इस संकट को और गहरा करती है। केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में स्वास्थ्य सेवाएं अपेक्षाकृत बेहतर हैं, जबकि बिहार और उत्तर प्रदेश में स्थिति गंभीर है। बिहार में प्रति दस हजार आबादी पर बिस्तरों की संख्या छह-सात के बीच है। इसका मतलब है कि एक ही देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नागरिक की भौगोलिक स्थिति पर निर्भर करती है।

ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी (आरएचएस 2022-23) की रपट से पता चलता है कि देश के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों के 70 फीसद से अधिक पद खाली हैं। कई बड़े राज्यों में यह आंकड़ा 75-80 फीसद तक है। यानी ग्रामीण भारत में रहने वाले करोड़ों लोग प्राथमिक स्तर पर ही विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं से वंचित हैं।

अस्पतालों में संक्रमण की स्थिति भी चिंताजनक है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, देश में 10-15 फीसद मरीज इलाज के दौरान ही संक्रमण का शिकार हो जाते हैं। विकसित देशों में यह आंकड़ा लगभग आधा है। यानी हमारे अस्पताल कई बार रोग से मुक्ति के बजाय नई बीमारी का केंद्र बन जाते हैं। कोविड-19 महामारी ने इस सच्चाई को सबके सामने रखा। आक्सीजन की कमी, गहन चिकित्सा इकाई में बिस्तरों का अभाव और अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें, ये दृश्य केवल एक आपदा नहीं, बल्कि हमारी तैयारियों की कमी का परिणाम थे।

निजी अस्पतालों की भूमिका भी सवालों से परे नहीं है। इलाज की बढ़ती लागत और पारदर्शिता की कमी ने आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा को महंगा एवं जटिल बना दिया है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में 65 फीसद और शहरी क्षेत्रों में 70 फीसद लोग निजी अस्पतालों का सहारा लेते हैं। यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था पर घटते भरोसे का संकेत है।

देश में चिकित्सक-जनसंख्या अनुपात 1ः1400 के आसपास है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और खराब है। नर्सिंग स्टाफ की कमी और उपकरणों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। कैग की रपटों में पाया गया है कि कई अस्पतालों में महंगे उपकरण या तो खराब पड़े रहते हैं या उनका उपयोग नहीं हो पाता। यानी समस्या संसाधनों की कमी के साथ-साथ उनके प्रबंधन की भी है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, भारत में प्रतिदिन 700 टन से अधिक जैव-चिकित्सीय कचरा उत्पन्न होता है, जिसका पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से निपटान नहीं हो पाता। यह स्थिति संक्रमण के खतरे को और बढ़ाती है।

इन चुनौतियों के बीच वर्ष 2018 में आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य था- गरीब और कमजोर वर्ग को पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना। यह योजना अपनी अवधारणा में बेहतर थी और इसने लाखों लोगों को पहली बार बड़े अस्पतालों तक पहुंचने का अवसर दिया। मगर जैसे-जैसे इसका विस्तार हुआ, वैसे-वैसे इसके दुरुपयोग के मामले भी सामने आने लगे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की जांच में पाया गया कि कई अस्पतालों ने फर्जी मरीज दिखाकर या अनावश्यक प्रक्रियाएं जोड़कर इस योजना के तहत धनराशि के दावे किए। ऐसे मामलों में सैकड़ों निजी अस्पतालों को अनियमितताओं के कारण इस योजना से बाहर कर दिया गया।

ऐसे मामलों का मानवीय पक्ष अधिक असहज करता है। एक सीमित आय वाला परिवार आयुष्मान कार्ड के भरोसे निजी अस्पताल पहुंचता है और यही उसकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। सतह पर सब कुछ सामान्य दिखता है, मगर बाद में कई बार सामने आता है कि अस्पताल की ओर से मरीज के इलाज के दौरान जिन प्रक्रियाओं का दावा किया गया, वे हुई ही नहीं। यानी अस्पतालों के लिए उपचार की गुणवत्ता से इतर, खर्च के बिल का विस्तार प्राथमिकता बन जाता है।

देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच असमानता भी स्पष्ट दिखाई देती है। लगभग 65 फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, लेकिन स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सकों का बड़ा हिस्सा शहरों में केंद्रित है। इस प्रक्रिया में समय और संसाधनों की बर्बादी के साथ-साथ कई बार मरीज की स्थिति भी गंभीर हो जाती है।

दूसरी ओर, शहरी क्षेत्रों में सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद अत्यधिक भीड़ और दबाव के कारण स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होती है। यह असमानता केवल सुविधा की कमी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच के अभाव को दर्शाती है।

देश में स्वास्थ्य सेवाओं का एक बड़ा हिस्सा निजी क्षेत्र के माध्यम से संचालित होता है, जबकि सरकारी अस्पतालों पर गरीब और निम्न आय वर्ग की निर्भरता अधिक है। अनुमानतः 60 से 70 फीसद मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराते हैं, जहां सुविधाएं अपेक्षाकृत बेहतर होती हैं, लेकिन खर्च अधिक होता है।

इसके विपरीत, सरकारी अस्पतालों में इलाज सस्ता या निःशुल्क होता है, लेकिन वहां संसाधनों की कमी और अत्यधिक भीड़ के कारण मरीजों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति एक ऐसी दोहरी व्यवस्था को जन्म देती है, जहां इलाज की गुणवत्ता व्यक्ति की आर्थिक क्षमता पर निर्भर करती है और यह स्वास्थ्य सेवाओं की समानता और न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। ऐसे में अस्पतालों की स्थिति में सुधार के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय बढ़ाना, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और मानव संसाधनों की कमी को दूर करना प्राथमिक कदम होने चाहिए। इसके साथ ही डिजिटल निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

7,900 मौतें, 80 हजार लापता- प्रवासन का छिपा वैश्विक संकट जो बदल रहा दुनिया का चेहरा

(देवेंद्रराज सुथार)

प्रवासन आज केवल लोगों का स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि वैश्विक असमानता, युद्ध, जलवायु संकट, बेरोजगारी और नीतिगत विफलताओं का संयुक्त परिणाम बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की एक रपट ने विश्व समुदाय का ध्यान एक ऐसे संकट की ओर आकर्षित किया है, जो अक्सर राजनीतिक बहसों और सीमा सुरक्षा की चर्चाओं के पीछे छिप जाता है। रपट के अनुसार, वर्ष 2025 में विश्व के विभिन्न प्रवासन मार्गों पर लगभग 7,900 लोगों की मृत्यु हुई या वे लापता हो गए। इसके साथ ही वर्ष 2014 से अब तक प्रवास के दौरान मारे गए या गायब हुए लोगों की कुल संख्या 80 हजार से अधिक हो चुकी है। यह संख्या केवल उन मामलों की है, जो दर्ज हो सके। वास्तविक स्थिति इससे कहीं अधिक गंभीर है। इन आंकड़ों का अर्थ यह है कि दुनिया भर में हजारों लोग बेहतर जीवन, सुरक्षा या रोजगार की तलाश में ऐसी यात्राएं कर रहे हैं, जिनका अंत अक्सर शोषण या गुमनामी में होता है।

प्रवासन आज केवल लोगों का स्थान परिवर्तन नहीं, बल्कि वैश्विक असमानता, युद्ध, जलवायु संकट, बेरोजगारी और नीतिगत विफलताओं का संयुक्त परिणाम बन चुका है। इसके पीछे एक व्यक्ति, एक परिवार, एक अधूरा सपना और एक टूटती सामाजिक संरचना छिपी होती है। इसलिए प्रवासन के सवाल को केवल कानूनी या अवैध प्रवेश के दायरे में सीमित करना सही नहीं है। इसे मानवीय गरिमा, श्रम अवसरों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझना आवश्यक है। यही कारण है कि यह रपट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि विश्व व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

प्रवासन मानव सभ्यता के इतिहास जितना पुराना है। लोग सदियों से जल, भूमि, व्यापार, सुरक्षा और अवसरों की तलाश में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहे हैं। आधुनिक युग में प्रवासन के स्वरूप अधिक जटिल हो गए हैं। आज इसे व्यापक रूप से दो भागों में बांटा जा सकता है- आंतरिक प्रवासन और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन। आंतरिक प्रवासन में लोग अपने ही देश के भीतर गांव से शहर, एक राज्य से दूसरे राज्य या पिछड़े क्षेत्र से विकसित क्षेत्र की ओर जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन में लोग दूसरे देशों की सीमाएं पार करते हैं। आर्थिक प्रवासी वे लोग होते हैं, जो बेहतर रोजगार और आय के लिए जाते हैं, जबकि शरणार्थी वे हैं, जो युद्ध, हिंसा या उत्पीड़न के कारण अपना देश छोड़ते हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण विस्थापित होने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है।

आज प्रवासन संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि श्रम की वैश्विक मांग बढ़ी है, लेकिन सुरक्षित गतिशीलता के रास्ते सीमित हुए हैं। अनेक विकसित देशों को श्रमिकों की आवश्यकता है, फिर भी उनकी आव्रजन नीतियां कठोर होती जा रही हैं। वीजा नियमों की जटिलता, सीमित श्रम कोटा, लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया और राजनीतिक दबाव लाखों लोगों को अनियमित मार्गों की ओर धकेलते हैं। यही कारण है कि भूमध्य सागर, सहारा रेगिस्तान, अमेरिका-मेक्सिको सीमा, बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर जैसे मार्ग दुनिया के सबसे खतरनाक रास्तों में बदल चुके हैं। लोग छोटी और असुरक्षित नौकाओं में समुद्र पार करते हैं, रेगिस्तानों में बिना भोजन-पानी के चलते हैं, जंगलों से गुजरते हैं या मानव तस्करों पर निर्भर होते हैं। महिलाएं और बच्चे विशेष रूप से असुरक्षित रहते हैं। यौन हिंसा, जबरन श्रम, फिरौती, अपहरण और मानव तस्करी जैसी घटनाएं लगातार सामने आती हैं। यह संकट केवल अपराधी गिरोहों का परिणाम नहीं, बल्कि उन नीतिगत व्यवस्थाओं का भी नतीजा है, जो सुरक्षित प्रवासन के अवसर उपलब्ध नहीं करातीं। प्रवासन मामले में जब कानूनी रास्ते बंद होते हैं, तो अवैध संजाल फलते-फूलते हैं।

प्रवासन का मानवीय प्रभाव सबसे गहरा और सबसे कम समझा गया आयाम है। किसी प्रवासी की मृत्यु केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती। वह पूरे परिवार की आर्थिक संरचना को तोड़ देती है। अनेक परिवार अपने सदस्य को विदेश भेजने के लिए ऋण लेते हैं, जमीन गिरवी रखते हैं या जीवन भर की बचत लगा देते हैं। यदि वही व्यक्ति यात्रा में लापता हो जाए या उसकी मौत हो जाए, तो परिवार कर्ज और आर्थिक संकट में डूब जाता है। बच्चों की पढ़ाई छूट सकती है, बुजुर्गों की देखभाल रुक सकती है और परिवार की आय समाप्त हो सकती है। लापता होने की स्थिति और भी पीड़ादायक होती है, क्योंकि परिजन वर्षों तक प्रतीक्षा करते रहते हैं। महिलाओं पर इसका बोझ अधिक पड़ता है, क्योंकि उन्हें परिवार की जिम्मेदारी अकेले उठानी पड़ती है।

प्रवासी महिलाओं की स्थिति और भी जटिल होती है। घरेलू काम, देखभाल सेवा या अनौपचारिक क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं को कम वेतन, लंबा कार्य समय, यौन उत्पीड़न और कानूनी सुरक्षा की कमी का सामना करना पड़ता है।

तकनीक ने दिया समय, मगर छीन लिया मकसद? विकल्पों के दौर में उलझता जा रहा है

मानव जीवन मूल रूप से विकल्पों का जीवन है। हम हर दिन छोटे और बड़े निर्णय लेते हुए अपनी दिशा तय करते हैं, लेकिन आज के समय में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव दिखाई देता है। पहले जीवन आमतौर पर बाध्यताओं द्वारा संचालित होता था। आज जीवन का बड़ा हिस्सा विकल्पों द्वारा निर्धारित होता है। इस परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ी भूमिका तकनीक की है। तकनीक ने न केवल हमारे जीवन को आसान बनाया है, बल्कि उसने हमें यह भी तय करने की स्वतंत्रता दी है कि हम अपने समय और ऊर्जा का उपयोग किस प्रकार करें।

(प्रथमेश मणि तिवारी)

अगर हम इतिहास की ओर देखें, तो प्राचीन यूनान के दार्शनिक अरस्तू ने दासप्रथा के बारे में यह कहा था कि दास अपने स्वामियों को दैनिक श्रम से मुक्त करते हैं, जिससे वे उच्च बौद्धिक और दार्शनिक कार्यों में संलग्न हो सकते हैं। आज हम दासप्रथा को एक अमानवीय व्यवस्था मानते हैं और यह सही भी है।

अगर हम इस विचार को केवल एक कार्यात्मक तुलना के रूप में देखें, तो आधुनिक समाज में तकनीक कुछ हद तक वही भूमिका निभाती है। तकनीक हमें रोजमर्रा के श्रमसाध्य और दोहराव वाले कार्यों से मुक्त करती है, ताकि हम अपने जीवन को अधिक अर्थपूर्ण और सृजनात्मक दिशा दे सकें। आज वॉशिंग मशीन कपड़े धोती है, गैस और इंडक्शन चूल्हे खाना बनाना आसान करते हैं, डिजिटल मंच हमें पल में जानकारी उपलब्ध करा देते हैं।

समय एक अवसर है, पर यही अवसर एक चुनौती भी है

इन सबके कारण हमारे पास पहले की तुलना में अधिक समय उपलब्ध है। यह समय एक अवसर है, पर यही अवसर एक चुनौती भी है। प्रश्न यह नहीं है कि हमारे पास समय है या नहीं, बल्कि यह है कि हम उस समय का उपयोग किस उद्देश्य के लिए कर रहे हैं।

मानव जीवन केवल दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। अगर पूरा जीवन केवल खाना बनाने, सफाई करने और जीविका चलाने में ही बीत जाए, तो यह जीवन की संभावनाओं के साथ अन्याय होगा। जीवन का उद्देश्य केवल जीवित रहना नहीं, बल्कि सार्थक रूप से जीना है। तकनीक हमें इसी दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है। वह हमारे लिए साधन का कार्य करती है, साध्य का नहीं।

यहीं पर चयन की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण हो जाती है। जब हमारे पास अधिक विकल्प होते हैं, तब हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। हम अपने समय का उपयोग ज्ञान अर्जन में कर सकते हैं, कला में कर सकते हैं, समाज के लिए कुछ रचनात्मक करने में कर सकते हैं, या फिर उसे केवल मनोरंजन और निष्क्रिय उपभोग में व्यर्थ कर सकते हैं। यही चुनाव हमारे जीवन की दिशा तय करता है।

आज के डिजिटल युग में यह समस्या और भी गहरी हो गई है। सोशल मीडिया, ऑनलाइन मनोरंजन और अनगिनत डिजिटल विकल्प हमें लगातार आकर्षित करते रहते हैं। ये मंच हमारे ध्यान को अपनी ओर खींचते हैं और हमें एक ऐसे चक्र में फंसा देते हैं, जहां समय का बोध ही समाप्त हो जाता है। नतीजतन, वह समय जो हमें आत्मविकास या सामाजिक योगदान के लिए मिल सकता था, वह धीरे-धीरे नष्ट हो जाता है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम वास्तव में तकनीक के स्वामी हैं या हम स्वयं उसके अधीन होते जा रहे हैं। तकनीक का उद्देश्य हमें मुक्त करना था, पर यदि हम सजग नहीं रहे तो वही तकनीक हमें एक नए प्रकार की निर्भरता में बांध सकती है।

इस संदर्भ में हमें इतिहास के एक और महत्त्वपूर्ण मोड़ की ओर ध्यान देना चाहिए। पुनर्जागरण के समय एक विचार प्रमुखता से उभरा जिसे हम साधन-केंद्रित तर्क कह सकते हैं। इसमें तर्क और ज्ञान को मुख्यतः प्रकृति पर नियंत्रण स्थापित करने के साधन के रूप में देखा गया। आधुनिक विज्ञान का विकास इसी दृष्टिकोण के आधार पर हुआ। इसने मानव को अपार शक्ति दी, लेकिन साथ ही यह खतरा भी उत्पन्न किया कि हम प्रकृति और स्वयं अपने जीवन को केवल उपयोग और नियंत्रण के दृष्टिकोण से देखने लगें। अगर हमारे विकल्प केवल इसी सीमित सोच तक बंधे रहेंगे, तो न वे मानवता के लिए लाभकारी होंगे और न ही प्रकृति के लिए टिकाऊ। हमें अपने निर्णयों में विवेक और उत्तरदायित्व को शामिल करना होगा। तकनीक का उपयोग केवल सुविधा के लिए नहीं, बल्कि एक व्यापक और नैतिक उद्देश्य के लिए होना चाहिए। हमें अपने भीतर यह प्रश्न लगातार जीवित रखना होगा कि हम अपने समय का उपयोग किस दिशा में कर रहे हैं। क्या हम तकनीक द्वारा मिले अवसरों का उपयोग अपने व्यक्तित्व को विकसित करने में कर रहे हैं? क्या हम समाज और मानवता के लिए कुछ सार्थक कर रहे हैं? या फिर हम केवल क्षणिक सुख और मनोरंजन में अपने जीवन को व्यतीत कर रहे हैं?

तकनीक स्वयं में न तो अच्छी है और न ही बुरी। उसका स्वरूप इस बात पर निर्भर करता है कि हम उसका उपयोग कैसे करते हैं। अगर हम सजग, विवेकशील और उत्तरदायी होकर अपने चुनाव करेंगे, तो तकनीक हमारे जीवन को समृद्ध बनाएगी। अन्यथा वही तकनीक हमें एक ऐसे चक्र में फंसा सकती है, जहां स्वतंत्रता केवल एक भ्रम बनकर रह जाएगी। विकल्पों से भरे इस युग में, सबसे बड़ी आवश्यकता है उद्देश्य की स्पष्टता। जब हमारा उद्देश्य स्पष्ट होगा, तब हमारे निर्णय भी सार्थक होंगे। तकनीक हमें एक अवसर देती है, लेकिन उस अवसर को अर्थपूर्ण बनाना पूरी तरह हमारे हाथ में है। यही हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती और संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

मातृ दिवस पर भावुक हुई मां, जीवन में बच्चे आगे बढ़े

फलका/कटिहार (नबिटासं)। प्रखंड में मातृ दिवस पर बच्चों ने अपने मां को दिया उपहार। प्रीतम कुमार, प्रेम कुमार, हर्ष कुमार, सर्वेश कुमार ने कहा कि मां सबसे खास हिस्सा होती है। वह बिना किसी शिकायत के हर दिन पूरे बच्चों एवम् परिवार का ख्याल रखती हैं और हर मुश्किल समय में हमारे साथ खड़ी रहती हैं। ऐसे में मदर्स डे मां के प्रति प्यार, सम्मान और आभार जताने का एक खास मौका होता है। इस दिन लोग अपनी मां को खास महसूस कराने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते है। बुनियादी विद्यालय के शिक्षका संजू देवी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि माँ त्याग, ममता और स्नेह की प्रतिमूर्ति होती हैं। वे बच्चों के जीवन की प्रथम गुरु भी होती हैं उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपनी माताओं का आदर करने और उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी।

कटिहार में व्हाइट टी-शर्ट मूवमेंट

कटिहार (नबिटासं)। राष्ट्रीय यूथ कांग्रेस के व्हाइट टी-शर्ट मूवमेंटक्के तहत सीमांचल के चार जिलों कटिहार,पूर्णिया, अररिया और किशनगंज में एक साथ एक दिवसीय ह्यबुनियादी कैंपह्न का आयोजन किया गया। इसी क्रम में कटिहार स्थित राजेंद्र आश्रम कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कैंप में बड़ी संख्या में संविधान लीडरों और संविधान साथियों ने भाग लेकर संवैधानिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं के बीच संविधान के प्रति जागरूकता फैलाना, लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना और जमीनी स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना रहा। कैंप के दौरान प्रतिभागियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि ह्यव्हाइट टी-शर्ट मूवमेंटह्न केवल एक अभियान नहीं, बल्कि युवाओं को जोड़ने वाली एक विचारधारा है। सफेद टी-शर्ट शांति, सादगी और समानता का प्रतीक है, जो समाज में भाईचारा और लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का संदेश देता है। कैंप में सीमांचल के चारों जिलों से पहुंचे प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की बुनियादी समस्याओं, सामाजिक चुनौतियों और उनसे जुड़े संवैधानिक पहलुओं पर खुलकर चर्चा की। युवाओं ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना बेहद जरूरी है।संविधान लीडरों और संविधान साथियों ने शपथ ली कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को संविधान की मूल भावना से जोड़ेंगे और समाज में आपसी सौहार्द व भाईचारे को बढ़ावा देंगे। कार्यक्रम के दौरान आगामी महीनों के लिए विस्तृत कार्ययोजना भी तैयार की गई। इसके तहत ब्लॉक, पंचायत और वार्ड स्तर पर ह्यसंविधान लीडरह्न की टीम गठित की जाएगी, ताकि युवाओं और आम लोगों के बीच संवैधानिक जागरूकता को और अधिक मजबूत किया जा सके। मौके पर दिल्ली से पर्यवेक्षक रवि पंडित, हिमांशु कुमार सहित युवा कांग्रेस के कई नेता मौजूद रहे।

मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल में हुआ मातृ दिवस समारोह आयोजित

अररिया (नबिटासं)। रविवार को मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल के सभागार में मातृ दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों के साथ माताएं उपस्थित थी। बच्चों के द्वारा अपने-अपने माता का चरण धोकर, मंगलाचरण गाते हुए पूजा अर्चना कर आरती उतारी गई। कहां जाता है की माता के चरणों में सभी तीर्थ का वास होता है। मां शब्द की उत्पत्ति मनु सतरूपा तथा गोविंद से हुई है। मां का अर्थ है लक्ष्मी। लक्ष्मीजी जिस प्रकार संसार का पालन पोषण करती है उसी प्रकार मां अपने बच्चों का पालन पोषण करती है। इस अवसर पर माता को गिफ्ट स्वरूप

साल, वाटर मिल्टन बॉटल और एक-एक फलदार पेड़ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ-साथ मुख्य अतिथि एडीजे, श्रीमती शेफाली, श्रीमती जुली कुमारी (एसीजेएम, अररिया) श्रीमती भावना (बिद्युत अभियंता अररिया) ओम शांति संचालिका उर्मिला बहन एवं छात्र-छात्राओं के माता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर छात्रों के द्वारा मां और बच्चों के स्नेह रूपी गीत व नृत्य प्रस्तुत कर माता को भाव विभोर कर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मौसमी शाह एवं अर्जुन कुमार झां के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान दिया। विद्यालय के पूर्व प्राचार्य बी.एन. झा को इस अवसर पर फलदार पेड़ देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती श्वेता मिश्रा, शिक्षिका मीरा झा, श्रीमती श्वेता शाह आदि मुख्य रूप से थीं। इस अवसर पर मोहिनी देवी मेमोरियल स्कूल के निदेशक डॉ संजय प्रधान ने मातृ दिवस के अवसर पर बच्चों और उनकी माताओं को विद्यालय के विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत चर्चा किये। कार्यक्रम में लगभग 850 माताओं की उपस्थिति रही। आगत अतिथियों का बाध्य यंत्र के द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी श्री अभिनंदन नौटियाल ने भी सभी आए हुए मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों का अभिनंदन व स्वागत किया।

लग्जरी कार से 20 किलो गांजा बरामद

कुरसेला/कटिहार (नबिटासं)। कुरसेला के एनएच - 31 स्थित कटरिया पुलिस चेक पोस्ट के पास से शनिवार की रात पुलिस ने आई

ट्वेंटी लग्जरी कार से 20 किलो गांजा बरामद किया है। मामले में कार चालक समेत एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नवाबगंज निवासी रेखा देवी और छोटू कुमार मंडल के रूप में हुई है।थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि नवाबगंज से एक चारपहिया वाहन द्वारा गांजा की बड़ी खेप नवगछिया की ओर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हुई और एनएच-31 पर वाहन की घेराबंदी कर पीछा करते हुए कटरिया पुलिस पिकेट के पास उसे दबोच लिया गया। वाहन की तलाशी लेने पर प्लास्टिक के दो बड़े थैलों में छिपाकर रखा गया 20 किलो गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से कार को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पूछताछ कर गांजा तस्करी के नेटवर्क तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

नाबालिग के गायब होने से दो पक्षों में मारपीट

कदवा/कटिहार (नबिटासं) कदवा थाना क्षेत्र के परभेली पंचायत के हचलपुर गांव से रहस्यमई तरीके से एक 14 वर्षीय नाबालिक युवती के गायब हो जाने के मामले को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट की घटना में दोनों पक्ष के पांच से छह लोग घायल हो गए। घायलों में कमरून (55), मोहम्मद जहांगीर(50), फूलों खातून, शेर खान, मसूब राजा यास्मीन खातून शामिल है।जिसमें एक पक्ष के जहांगीर एक पक्ष के कमरून के सिर में गंभीर चोट आई है । दोनों गंभीर रूप से घायल को प्राथमिक चिकित्सा कर बेहतर उपचार हेतु सदर अस्पताल कटिहार रेफर कर दिया गया है। घटना संध्या छह बजे की है।

नीति आयोग के सभी संकेतकों पर बेहतर प्रदर्शन जरुरी : डीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। समाहरणालय के एनआईसी सभागार में जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में नीति आयोग के आकांक्षी जिला व प्रखंड कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य,शिक्षा, कृषि और वित्तीय समावेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में जिले की रैंकिंग सुधारने और लक्ष्यों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि सभी संकेतकों में लगातार बेहतर प्रदर्शन आवश्यक है। स्वास्थ्य एवं पोषण की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में संस्थागत प्रसव की संखाया में बढ़ोतरी की जाय।

उन्होंने बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कुपोषण की दर में कमी लाने के लिए संबंधित अधिकारियों को जमीनी स्तर पर सक्रिय होने को कहा।शिक्षा के क्षेत्र में सुधार को प्राथमिकता देते हुए डीएम ने सरकारी स्कूलों में छात्र उपस्थिति बढ़ाने और लर्निंग आउटकम को बेहतर करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में उपलब्ध स्मार्ट क्लास का नियमित उपयोग होना जरुरी है,ताकि बच्चे नवीनतम तकनीक से जुड़ सके।उन्हो विकास कार्यों को गति देने के लिए संबंधित विभागों को नई परियोजनाओं के प्रस्ताव जल्द तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त अमित कुमार, डीपीआरओ अभिषेक रंजन, सिविल सर्जन जितेंद्र नाथ सिंह ,नीति आयोग के नोडल पदाधिकारी सह जिला योजना पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

तीन दिवसीय मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान से हड़कंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार । कटिहार रेल मंडल में चलाए गए तीन दिवसीय विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान में कुल 705 बेटिकट यात्रियों से 4 लाख 90 हजार रुपये से अधिक का जुमार्ना वसूल कर एक नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम करने में सफलता हासिल किया है। इस व्यापक अभियान का नेतृत्व नव पदस्थापित रेलवे मजिस्ट्रेट श्री गौरव ने स्वयं किया। जानकारी के अनुसार कटिहार के अलावा किशनगंज, बारसोई एवं पूर्णिया सहित विभिन्न प्रमुख स्टेशनों और ट्रेनों में यह सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान राजधानी एक्सप्रेस, सीमांचल एक्सप्रेस,अवध असम एक्सप्रेस के अलावा साप्ताहिक ट्रेन जोधपुर एक्सप्रेस समेत दर्जनों मेल एवं पैसेंजर ट्रेनों में सघन जांच की गई। वही चेकिंग के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वालों के अलावा महिला एवं दिव्यांग कोच में अवैध रूप से सफर करने वाले यात्रियों तथा स्टेशन परिसर में अनावश्यक रूप से घूमने वो मटरगस्ती वाले लोगों पर भी कार्रवाई की गई। इसके अलावा जनरल टिकट लेकर एसी कोच में यात्रा करने तथा ट्रेन में शराब सेवन करने जैसे मामलों में भी कई लोगों को पकड़ा गया।इस विशेष अभियान में लगभग चार दर्जन से अधिक आरपीएफ एवं जीआरपी की सुरक्षा एवं वाणिज्य कर्मियों की टीम के साथ पेशकार कुलदीप कुमार सिन्हा, नवीन कुमार के साथ प्रिंस कुमार एवं आदित्य कुमार सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

मोलनापुर में आग लगने से घर जलाकर राख

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। बलिया बेलोन क्षेत्र के मधाईपुर पंचायत अंतर्गत वार्ड 11 मोलनापुर गांव में रविवार को बिजली शार्ट सर्किट से आग लगने से एक परिवार का आवासीय घर जलकर राख हुआ। हसीबुल के घर में आग लगने से घर में रखा सभी सामान जल कर राख हो गया है। पिडित परिवार ने बताया की संभावना है कि बिजली की शार्ट सर्किट से आग लगी होगी। स्थानीये मुखिया असरार अहमद ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा की बिजली विभाग को शार्ट सर्किट मामले पर गंभीर होना होगा। उन्होंने बताया की ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। यह गरीब परिवार है।

कुरेठा रेलवे स्टेशन पांच नंबर लाइन में फुट ओवरब्रिज का नहीं हुआ निर्माण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। एनएफ रेलवे कटिहार मंडल के कटिहार - कुमेदपुर रेलखंड पर कटिहार से कुमेदपुर तक डबल लाइन का निर्माण किया जा रहा हैं। वहीं कुरेठा रेलवे स्टेशन का भी भव्य निर्माण किया गया हैं। साथ ही कुरेठा रेलवे स्टेशन के एक नंबर एवं दो नंबर रेलवे स्टेशन के फुट ओवर ब्रिज का निर्माण की गई। जिससे की रेल यात्रियों को सुविधा मिली हैं। मगर कुरेठा रेलवे स्टेशन के दो नंबर प्लेट फार्म से दक्षिणी भाग में रेल यात्रियों के लिए रेलवे के ठेकेदार द्वारा तीसरे नंबर के प्लेटफार्म तथा लाइन नंबर पांच में फुट ओवर ब्रिज का निर्माण नहीं किया गया हैं जिससे की पांच नंबर रेलवे लाइन पार करने के लिए रेल यात्री एवं आम लोगों के लिए सुविधा उपलब्ध नहीं हैं। जिसके लिए रेलवे के संवेदक द्वारा एक नंबर एवं दो प्लेट फार्म जाने के लिए रेलवे स्टेशन से दक्षिण की तरह पांच नंबर प्लेट फार्म होकर जाने के लिए बास की सीढ़ी लगाया गया था। मामले को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने रेल प्रबंधक कटिहार एवं महाप्रबंधक को लिखित आवेदन देकर तीन नंबर प्लेटफार्म की ओर फुट ओवर ब्रिज निर्माण कराने की मांग की थी एवं बांस की सीढ़ी से रेलवे यात्री द्वारा ऊपर नीचे चढ़ने उतरने से कठिनाइयों के बारे में भी लिखित आवेदन पर चर्चा की थी। ग्रामीणों के लिखित आवेदन के आलोक में रेलवे के बरीय अधिकारी ने कार्रवाई करते हुए उक्त बांस की लगे सीढ़ी को अविलंब हटाने का आदेश देते हुए सीढ़ी को हटवाया। बताया जाता हैं कि उक्त सीढ़ी रेलवे के संवेदक के द्वारा लगाए गए थे क्योंकि स्टेशन पर अभी लगातार विभिन्न तरह के कार्य चल रहे हैं सीढ़ी को हटाने के बावजूद भी रेल यात्री एवं आम लोग मुख्य रास्ते एवं सीढ़ी होकर सफर नहीं करते हैं। इस संबंध में फुट ओवर ब्रिज को लेकर कुरेठा के स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने लिखित आवेदन देकर रेल मंडल एवं महाप्रबंधक से लाइन नंबर तीन में फुट ओवर ब्रिज निर्माण कराने की मांग की। जमीन से रेलवे प्लेटफार्म की ऊंचाई लगभग पांच फिट हैं। लोगों की परेशानी को देखते हुए समाजसेवी अनूप लाल ऋषि, कुरेठा पंचायत के मुखिया अवधेश प्रसाद यादव,जदयू के प्रखंड उपाध्यक्ष रवि शंकर तिवारी, सरपंच प्रमोद कुमार सिंह, गणेश चौधरी, पंचायत समिति सदस्य फुलेश्वर उरांव, वार्ड सदस्य मनोज उरांव, विनोद पंडित, त्रेता कुमारी, रवि कुमार मिर्धा, बिनोद कुमार उरांव आदि ने रेलवे के वरीय पदाधिकारी से पांच नंबर लाइन पर चरने उतरने के लिए फुट ओवर ब्रिज निर्माण कराने की मांग की हैं।

इजरायल में रोजगार का सुनहरा अवसर इच्छुक अभ्यर्थी करें आवेदन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। विदेश में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। बिहार सरकार के युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग ने इजरायल में विभिन्न रिक्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस संबंध में जिला नियोजनालय कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बिहार राज्य समुद्रपार नियोजन ब्यूरो पटना को इजरायल से विभिन्न पदों के लिए रिक्तियां प्राप्त हुई हैं।

इन पदों के लिए कार्य की प्रकृति, वेतनमान और अन्य जरूरी शर्तें निर्धारित की गई हैं। जो युवा इन पदों के लिए आवश्यक योग्यता रखते हैं और इजरायल जाने के इच्छुक हैं, वे अपना आवेदन और विस्तृत बायोडाटा जिला नियोजनालय में जमा कर सकते हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 मई निर्धारित है। निर्धारित समय सीमा तक प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी के बाद योग्य अभ्यर्थियों की सूची राज्य मुख्यालय को भेजी जाएगी, ताकि चयन की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके। जिला प्रशासन ने स्थानीय युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है। भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी अभ्यर्थी कार्यालय अवधि के दौरान जिला नियोजनालय में जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

जन वितरण प्रणाली के घटिया और सड़ा चावल देख लाभुक नाराज

घटिया चावल रहटा पंचायत में जन वितरण प्रणाली के द्वारा नहीं किया गया वितरण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। प्रखंड के पीडीएस दुकानों में सड़ा हुआ चावल बाटे जाने पर उपभोक्ताओं में नाराजगी जताने का मामला सामने आया है। पीडीएस दुकानों में सड़ा हुआ चावल निकला। चावल खाने लायक नहीं था। घटिया चावल लाभार्थी को जन वितरण प्रणाली द्वारा नहीं वितरण किया गया। पीडीएस दुकानदार रहटा पंचायत के राजेश पासवान ने इसकी शिकायत प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से करने की बात कही।

फलका प्रखंड स्थित एसएफसी गोदाम से उपलब्ध कराए गए चावल काफी घटिया व खाने लायक नहीं था। जबकि तीन से चार साल पुराना व घटिया चावल था। लाभार्थी ने बताया कि इसकी शिकायत वरीय पदाधिकारी से की जाएगी। इस मामले में रहटा पंचायत के पीडीएस दुकानदार राजेश पासवान ने एसएफसी गोदाम से घटिया चावल देने का आरोप लगाया है। यह आरोप राशन या अन्य सरकारी योजनाओं के वितरण में जहाँ गुणवत्ता खराब होने की शंका जताई जा रही है। जन वितरण प्रणाली ने कहा कि फलका प्रखंड स्थित एसएफसी गोदाम से उपलब्ध कराए गए चावल काफी घटिया व खाने लायक नहीं था। घटिया चावल निकले जाने पर जन वितरण प्रणाली के अध्यक्ष गौतम रजक काफी नाराजगी जताई है। उन्होंने बताया कि घटिया चावल को लेकर विभाग को लिखा जाएगा। जिससे लाभार्थी को पोषण युक्त राशन मिल सके। पीडीएस दुकानदार राजेश पासवान के द्वारा घटिया चावल सोसल मीडिया पर वायरल होने पर जानकारी मिली थी। वरीय पदाधिकारी के द्वारा जांच होने पर सच्चाई सामने आएगी।

पीएम आवास लाभुकों ने लगाया अवैध वसूली का आरोप, जांच की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार) । प्रखंड की रौनिया पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नाम जोड़ने और जियो टैग करने के नाम पर अवैध वसूली का मामला प्रकाश में आया है। पंचायत की लाभुक सीमादेवी, उषादेवी, सकीना खातून, गीता देवी समेत दर्जनों ग्रामीणों ने लिखित शिकायत देकर प्रशासन से जांच और कार्रवाई की मांग की है।लाभुकों द्वारा बिहार मनरेगा एवं भवन निर्माण मजदूर संघ को दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची में नाम दर्ज कराने और जियो टैग करने के लिए प्रति लाभुक 1000 से 1500 रुपये तक वसूले गए। ग्रामीणों का कहना है कि उनसे कहा गया कि बिना पैसे दिए आवास सूची में नाम नहीं जोड़ा जाएगा। शिकायतकताओं ने रौनिया पंचायत के रोजगार सेवक अशोक कुमार ठाकुर पर बिचौलियों के माध्यम से अवैध वसूली कराने का आरोप लगाया है। लाभुकों का कहना है कि योजना में किसी प्रकार की राशि लेने का कोई सरकारी प्रावधान नहीं है, इसके बावजूद गरीब परिवारों से पैसे लिए गए। इस मामले को लेकर बिहार मनरेगा एवं भवन निर्माण मजदूर संघ के प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन कुमार यादव ने डीएम, डीडीसी और बीडीओ को आवेदन सौंपकर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद लोगों के साथ अन्याय किया गया है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।आवेदन पर सीमादेवी, उषादेवी, सकीना खातून, मुन्नी देवी, गुंजन देवी, कौशिला देवी, मालती देवी, रीता देवी, प्रियंका कुमारी, किरण देवी और ललिता देवी सहित कई लाभुकों के हस्ताक्षर हैं। बीडीओ ने इस संबंध में बताया कि पीआरएस के खिलाफ आवेदन प्राप्त हुआ हैं,जांच कर उचित कारवाही की जाएगी।

घर से बुलाकर युवक के साथ मारपीट नगदी और चेन छीनने का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। बरारी थाना क्षेत्र के सुजापुर गांव में एक युवक को घर से बुलाकर बहियार में ले जाकर बेरहमी से मारपीट करने और नगदी व चांदी की चेन छीन लेने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर पीड़ित पक्ष ने थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।पीड़ित गुलेसर ऋषि ने बताया कि मेरा मझला पुत्र धर्मेंद्र ऋषि (35) मजदूरी का काम करता है। आरोप है कि 7 मई की रात करीब 7 बजे गांव के ही नीरज ऋषि,पुतुल ऋषि,शिवम,अमका,अमन ऋषि उनके दरवाजे पर पहुंचे और धर्मेंद्र को बुलाकर अपने साथ गांव से करीब एक किलोमीटर दूर बहियार की ओर ले गए। वहां ले जाकर लोहे की रॉड,बेल्ट और बांस की लाठी से जमकर मारपीट की गई।घटना की जानकारी प्राप्त होते ही युवक को बहियार से खाट पर उठाकर घर लाया गया। जिसके बाद इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरारी लाया गया।जहां उसका इलाज किया गया। आवेदन में कहा गया है कि आरोपियों ने युवक के पीठ,पैर,सिर और हाथ पर गंभीर चोट पहुंचाई। मारपीट के दौरान उसके पॉकेट से करीब दो हजार रुपये नकद भी निकाल लिए गए। वहीं गले से चांदी की चेन छीन लेने का भी आरोप लगाया गया है, जिसकी कीमत करीब दस हजार रुपये बताई गई है। घटना के बाद घायल युवक को गंभीर हालत में बहियार में ही छोड़कर सभी फरार हो गए। अगले दिन गांव के बच्चों द्वारा सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे और युवक को घर लाकर इलाज कराया। घायल युवक ने होश में आने के बाद परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।

राष्ट्रीय मेगा लोक अदालत में ट्रॉफिक चालान सहित कुल 2700 मामलों का निपटारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार कोर्ट । जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय मेगा लोक अदालत में रिकॉर्ड स्तर पर मामलों का निष्पादन किया गया। कुल 2700 मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निपटारा किया गया। जबकि ट्रैफिक चालान से जुड़े मामलों में लोगों की भीड़ विभिन्न बेंचों पर लगी रही। पटना उच्च न्यायालय के निदेर्शानुसार ट्रॉफिक चालान का बेंच की समय सीमा लोगों की सुविधा के मद्देनजर रात्रि 9 बजे तक निर्धारित की गई थी।

राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत उद्घाटन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रणवीर सिंह, जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, पुलिस अधीक्षक शिखर चौधरी, परिवार न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश धृति जसलीन शर्मा, एडीजे प्रथम संदीप कुमार पीएस, सीजेएम माधुरी सिंह सहित अन्य न्यायिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जिला जज रणवीर सिंह ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोक अदालत सुलह एवं समझौते के माध्यम से त्वरित न्याय पाने का एक निःशुल्क सशक्त मंच है जिसका आमजन को इसका भरपूर लाभ उठाना चाहिए। इसके लिए प्रधान जिला जज श्री सिंह के मार्गदर्शन में मामलों के निष्पादन के लिए कुल 16 बेंच गठित किए गए थे। इनमें अपराध से संबंधित 203 मामले,एनआई एक्ट का 1 मामला, लोन रिकवरी के 598 मामले, बिजली विभाग के 50, टेलीफोन विभाग के 33, पारिवारिक विवाद के 3, रेलवे न्यायालय के 705 तथा ट्रैफिक चालान से जुड़े करीब 1000 से अधिक मामलों का निष्पादन किया गया। ट्रैफिक चालान को छोड़कर विभिन्न मामलों में कुल 3 करोड़ 18 लाख 66 हजार 560 रुपये की सेटलमेंट राशि तय हुई। आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर न्यायालय परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी । जानकारी के अनुसार अधिवक्ता संघ के निर्देश पर अधिवक्ताओ की सक्रिय भूमिका नहीं रही। बावजूद जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों एवं न्यायिक अधिकारियों के समन्वय से बड़ी संख्या में मामलों का निपटारा संभव हो सका और एक बार फिर से कटिहार में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत ने ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम करने में सफलता हासिल किया।राष्ट्रीय लोक अदालत की व्यवस्था को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कमलेश सिंह देउ के निर्देश पर पूछताछ केंद्र, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल एवं अन्य सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई थी। आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत मे ट्रॉफिक चालान सहित अन्य मामलों के निष्पादन में आए लोग काफी संतुष्ट नजर आए और पहली बार ट्रॉफिक चालान आदि में मिले छूट से हर्ष प्रकट करते हुए न्यायिक प्रशासन एवं जिला प्रशासन को दिल से धन्यवाद भी दिया। वही राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता को लेकर एक बेंच बारसोई अनुमंडल न्यायालय तथा एक बेंच रेलवे न्यायालय में भी बनाया गया था। जहां रेलवे मजिस्ट्रेट श्री गौरव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मामलों का निष्पादन किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला जज, जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने अपने टीम के साथ घूम धूम कर सभी विभिन्न बेंचों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते भी लिया। कार्यक्रम की सफलता में गठित बेच के सभी न्यायिक पदाधिकारियों, लोक अभियोजकों, पैनल अधिवक्ताओं, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं विधिक सेवा प्राधिकार के सदस्यों के साथ ऑफिस क्लर्क आशीष कुमार, विजय कुमार,सिंटू कुमार के साथ रेलवे से पेशकर कुलदीप कुमार सिंहा,नवीन कुमार आदि की सक्रिय भागीदारी रही।

सर्कुलेशन में मौजूद करेंसी में 610 अरब रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी

अर्थशास्त्रियों ने दी चेतावनी, ट्रेंड जारी रहा तो यह चुनौती

मुंबई, एजेंसी। अप्रैल के पहले 15 दिनों में भारत में सर्कुलेशन में मौजूद करेंसी में 610 अरब रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई। इससे कुल करेंसी रिकॉर्ड 42.3 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गई। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर यह ट्रेंड जारी रहा तो इसका असर लिक्विडिटी (कैश) पर पड़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के डेटा के मुताबिक, यह बढ़ोतरी पिछले साल के

मुकाबले 11.8 प्रतिशत ज्यादा है। नोटबंदी के बाद 2017 की शुरुआत से अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी है। पिछले छह महीनों और पिछले पूरे फाइनेंशियल ईयर में यह कैश की मांग में देखी गई बढ़ोतरी का ही विस्तार है। रायटर्स मुताबिक, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज प्राइमरी डीलरशिप में रिसर्च के को-हेड अभिषेक उपाध्याय ने कहा कि हाल के सालों में जीडीपी ग्रोथ के मुकाबले करेंसी की मांग कुछ हद तक कम थी। इसके चलते अब इसमें तेजी से उछाल आने का माहौल बना है। इसमें गांवों से आने वाली मजबूत मांग का भी हाथ है। कम ब्याज ने भी दिया कैश को बढ़ावा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के ग्रुप चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर सौम्य कांति घोष ने कहा कि कम ब्याज दरों ने भी कैश के इस्तेमाल को और बढ़ावा दिया है। खासकर गांवों में, जहां खर्च करने की प्रवृत्ति ज्यादा होती है। उन्होंने आगे कहा कि कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों की वजह से भी घरों में रखे सोने और चांदी की रीसाइक्लिंग के जरिए चलन में मौजूद करेंसी में बढ़ोतरी हो सकती है। अगर यह बढ़ोतरी जारी रहती है तो इससे बैंकिंग सिस्टम में मौजूद अतिरिक्त लिक्विडिटी के लिए चुनौती खड़ी हो सकती है। सेंट्रल बैंक आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इस अतिरिक्त लिक्विडिटी को बनाए रखने की कोशिश करता रहा है। एचडीएफसी बैंक का अनुमान है कि मौजूदा फाइनेंशियल ईयर की पहली छमाही में अतिरिक्त लिक्विडिटी जमा का लगभग 1 प्रतिशत रहेगी।

बिगड़ सकता है बैलेंस

अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता ने कहा, 'लेकिन महंगाई बढ़ने, गांवों से मांग में और तेजी आने और राज्यों के चुनावों के किसी भी असर की वजह से चलन में मौजूद करेंसी का स्तर अगर ऊंचा बना रहता है तो लिक्विडिटी का संतुलन अनुमानित दायरे की निचली सीमा की ओर खिसक सकता है।' 0.6 प्रतिशत-1.1 प्रतिशत की सीमा के भीतर सरप्लस बनाए रखने से वेटेड एवरेज कॉल रेट और पॉलिसी रेट के बीच का अंतर कम रखने में मदद मिलती है। हं के अर्थशास्त्री और स्त्रङ्ग रणनीतिकार धीरज निम ने कहा कि आरबीआई के पैसे डालने से बैंकिंग लिक्विडिटी सरप्लस में बनी हुई है।

बफर स्टॉक बनाए रखती है सरकार, गेहूं और चावल की खरीद जारी

गेहूं और चावल का भंडार जरूरत से तीन गुना ज्यादा, ईरान युद्ध के बीच इसके मायने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में 1 अप्रैल तक सरकार के गेहूं और चावल का भंडार बढ़कर 604.02 लाख टन हो गया। यह 210.40 लाख टन की अनिवार्य बफर जरूरत से लगभग तीन गुना ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों इसका पता चलता है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के इस दौर में जब दुनिया 'ऊर्जा और खाद्य' संकट से जूझ रही है, 604.02 लाख टन का यह स्टॉक भारत के लिए सुरक्षा कवच की तरह है। यह सुनिश्चित करता है कि युद्ध के बावजूद भारत की थाली सुरक्षित है। चावल का स्टॉक 386.10 लाख टन था। यह 135.80 लाख टन के बफर स्टैंडर्ड से काफी ज्यादा है। वहीं, गेहूं का रिजर्व 217.92 लाख टन था। इसकी जरूरत लिमिट 74.60 लाख टन थी।

बफर स्टॉक को हर तीन महीने में संशोधित किया जाता है। मौजूदा आंकड़े 1 अप्रैल से लागू हैं। अगला संशोधन 1 जुलाई को होना है। सरकार गेहूं और चावल का बफर स्टॉक बनाए रखती है। इसका मकसद पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम और अन्य फूड वेलफेयर स्कीमों के लाभार्थियों के लिए पर्याप्त सप्लाई सुनिश्चित करना है।

2026 के रबी मौसम से गेहूं और चावल की खरीद का काम अभी जारी है। गेहूं की बुवाई के कुल 334.17 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में से लगभग 97

फीसदी की कटाई पूरी हो चुकी है। कटाई 59.32 फीसदी तक पहुंच गई है। यह मुख्य रूप से तमिलनाडु, केरल, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में केंद्रित है। एमएसपी से नीचे फसलों के मूल्य

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, ज्यादातर रबी फसलों के थोक मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चल रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया, '1 मई को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान सभी फसलें एमएसपी से नीचे बिक रही हैं।' गेहूं 2,530 रुपये प्रति क्विंटल पर बिक रहा था, जो कि 2,585 रुपये प्रति क्विंटल के एमएसपी से 2.13 फीसदी कम है। धान की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में 3.17 फीसदी गिरकर 2,294 रुपये प्रति क्विंटल हो गईं।

नोटबंदी में बैंक में 11.50 लाख जमा करना पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। नोटबंदी में बैंक में कैश जमा करना एक किसान को भारी पड़ गया। मामला इनकम टैक्स विभाग तक पहुंच गया। इनकम टैक्स विभाग ने जुर्माना लगाया। इसके बाद बात आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण पहुंची। आईटीएटी ने इनकम टैक्स विभाग की काफी हद तक गलती मानी और किसान को बड़ी राहत दी। यह मामला सूरत (गुजरात) निवासी दिनेशभाई नागजीभाई विरडिया से जुड़ा है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में नोटबंदी के दौरान दिनेशभाई ने राजकोट जिला सहकारी बैंक के अपने दो खातों में कुल 11.50 लाख रुपये की नकदी जमा की थी। आयकर विभाग ने इसे संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू की। निर्धारण अधिकारी ने माना कि दिनेशभाई केवल 4.70 लाख रुपये का ही सोर्स साबित कर पाए हैं। बाकी के 6.80 लाख रुपये को आयकर अधिनियम की धारा 69 के तहत अघोषित आय मानते हुए टैक्स और भारी जुर्माना लगा दिया गया। इसके खिलाफ दिनेशभाई ने आईटीएटी, राजकोट में अपील की थी। आईटीएटी में दिनेशभाई के वकील ने कोर्ट को बताया कि किसान के पास 28 बीघा कृषि भूमि है, जिससे उसे अच्छी आय होती है। जमा की गई राशि में 7.50 लाख रुपये की ओपनिंग कैश (पिछली बचत), कृषि आय, वेतन और बैंक से की गई पिछली निकासी शामिल थी। उन्होंने सबूत के रूप में भूमि के दस्तावेज (फॉर्म 7/12, 8), कैश फ्लो स्टेटमेंट और बैंक स्टेटमेंट पेश किए।

चीन ने अप्रैल में रेयर अर्थ बेचकर कूट डाले 606 करोड़

भारत की 2030 वाली तैयारी ने उड़ाई ड्रैगन की नींद

नई दिल्ली, एजेंसी। दुर्लभ मृदा यानी रेयर अर्थ को लेकर चीन काफी इतराता है। इसका कारण है कि दुनिया में जबरदस्त मांग वाली इस चीज पर फिलहाल चीन का एकाधिकार है। चीन रेयर अर्थ को दुनियाभर को बेचकर जबरदस्त कमाई कर रहा है। चीन के सामान्य सीमा शुल्क प्रशासन की ओर से जारी डेटा के अनुसार अप्रैल 2026 में चीन का रेयर अर्थ निर्यात 64.2 मिलियन डॉलर (करीब 606 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। एएनआई के मुताबिक इस दौरान चीन ने कुल 5,308.6 टन रेयर अर्थ का निर्यात किया।

अप्रैल महीने में चीन का कुल व्यापार 634.06 अरब डॉलर का रहा। देश के निर्यात में पिछले महीने की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। चीन के कुल व्यापार, निर्यात और आयात मूल्य में महीने-दर-महीने 7.2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

रेयर अर्थ का इस्तेमाल स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और सैन्य उपकरणों जैसी हाई टेक वाली चीजों में किया जाता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चीन की मजबूत पकड़ को देखते हुए निर्यात की मात्रा में यह स्थिरता वैश्विक तकनीकी बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत का लक्ष्य साल 2030 तक रेयर अर्थ के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना है, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों पवन ऊर्जा और रक्षा उपकरणों के लिए। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा (विशेषकर मैग्नेट्स) चीन से आयात करता है, जिसे कम करने के लिए निजी क्षेत्र को भी अब इस क्षेत्र में खनन की अनुमति दी जा रही है।

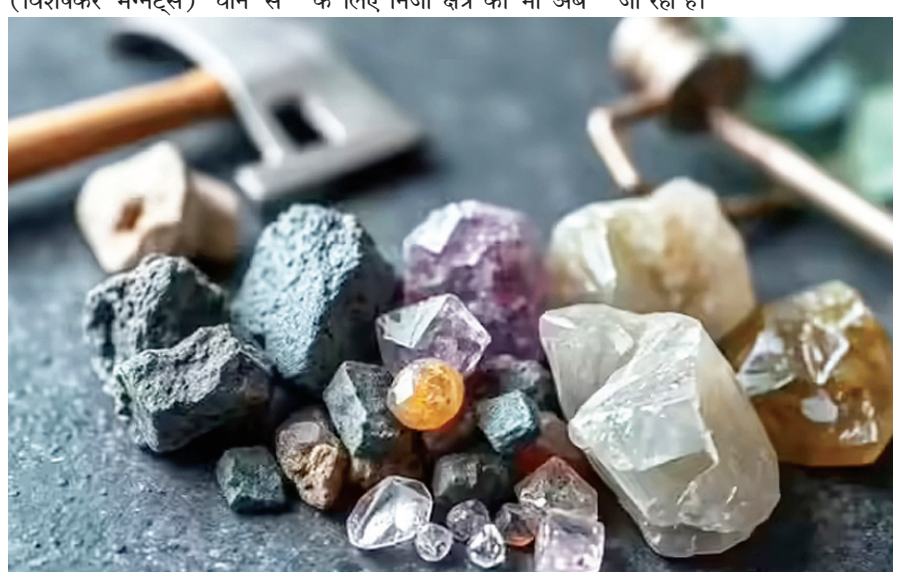

भारत भी तेजी से बढ़ा रहा कदम

कुछ समय पहले टैरिफ को लेकर अमेरिका और चीन आमने-सामने आ गए थे। इसके बाद चीन ने रेयर अर्थ का एक्सपोर्ट बंद कर दिया था। इससे इलेक्ट्रॉनिक और ऑटोमोबाइल समेत दुनिया में कई सेक्टर में हलचल मच गई थी। चीन ने भारत को भी रेयर अर्थ के लिए काफी इंतजार कराया था। भारत सरकार ने चीन पर निर्भरता कम करने के लिए हाल ही में कई बड़े फैसले लिए हैं : बजट 2026-27 में ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में विशेष 'रेयर अर्थ कॉरिडोर्स' बनाने की घोषणा की गई है। ये कॉरिडोर खनन से लेकर प्रोसेसिंग तक का काम करेंगे।

1.2 करोड़ का पैकेज छोड़कर अमेरिका से लौटे भारत, शुरू किया अपना काम

नई दिल्ली, एजेंसी। तेज रापोलू हैदराबाद के उद्यमी हैं। उन्होंने अपनी सेहत की व्यक्तिगत चुनौती को कारोबारी अवसर में बदल दिया है। वह अमेरिका में करीब 1.2 करोड़ रुपये के शानदार पैकेज वाली कॉर्पोरेट नौकरी करते थे। जॉब छोड़कर तेज रापोलू भारत लौट आए। उन्होंने यहां आकर पिछले साल अपना स्टार्टअप शुरू किया। इसका नाम एनलाइट है। यह प्रीबायोटिक और पेट के लिए फायदेमंद सोडा ब्रांड है। बिना चीनी और प्रिजर्वेटिव्स के यह कोल्ड ड्रिंक का हेल्दी ऑप्शन दे रहा है। इसने तेजी से अपनी जगह बनानी शुरू कर दी है। आइए, यहां तेज रापोलू की सफलता के सफर के बारे जानते हैं। तेज रापोलू को एक रूटीन हेल्थ चेकअप के दौरान हाई ब्लड प्रेशर की समस्या का पता चला। वह मीठे सोडा के शौकीन थे। उन्हें तब एहसास हुआ कि एक कैन सोडा के जरिए वह अनजाने में 30-40 ग्राम चीनी का सेवन कर रहे थे। उन्होंने महसूस किया कि बाजार में स्वाद और सेहत का मेल कराने वाले विकल्प ज्यादा नहीं हैं। यहीं से उनके मन में एक सवाल उठा- 'क्या सोडा सेहत के लिए अच्छा नहीं हो सकता' इसी ने उन्हें अपने स्टार्टअप का आइडिया दिया।

नौकरी छोड़ने का लिया फैसला: तेज साल 2013 से अमेरिका में रह रहे थे। अमेरिकन एक्सप्रेस में बतौर डेवऑप्स मैनेजर सफल करियर बना चुके थे। एमबीए के दौरान ही उनका झुकाव अपना कुछ शुरू करने की ओर हुआ। उन्होंने देखा कि अमेरिका में प्रीबायोटिक सोडा का बाजार बढ़ रहा है। लेकिन, भारत में यह कॉन्सेप्ट पूरी तरह गायब था। अपनी जड़ों की ओर लौटने और इस कमी को पूरा करने के दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने अपनी करोड़ों की नौकरी को अलविदा कहा। फिर हैदराबाद लौट आए।

हेल्दी ऑप्शन पर रखा फोकस= तेज ने कई फ्लेवर के साथ अपने पेय लॉन्च किए। क्लासिक कोला, जिंजर लाइम, स्ट्रॉबेरी वनीला और मैंगो मिंट शामिल हैं। हर एक 250 मिलीलीटर के कैन में 7 ग्राम प्लांट फाइबर होता है। यह पेट के अच्छे बैक्टीरिया को पोषण देता है। मिठास की चुनौती को बिना चीनी के स्टेविया के जरिए पार किया गया। प्रिजर्वेटिव्स का इस्तेमाल न करके पाश्चुराइजेशन और कार्बन डाइऑक्साइड सीलिंग जैसी तकनीकों की मदद से ड्रिंक की शेल्फ लाइफ 10 महीने तक सुनिश्चित की गई।

आगे का यह है टारगेट: तेज का यह ब्रांड ब्लिंकिट, अमेजन और अपनी वेबसाइट के जरिए उपलब्ध है। इसे मार्केट से अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। शुरुआती दौर में ब्रांड ने 1 लाख रुपये के रेवेन्यू का आंकड़ा छुआ है। 2026 तक इसे 5 लाख रुपये प्रति माह तक ले जाने का टारगेट है। इस सफर में उनकी पत्नी मधु चव्वा का बड़ा योगदान रहा है। वह अभी कंपनी की सीटीओ और सीएमओ के तौर पर नेतृत्व कर रही हैं।

तेल संकट के बीच भारत का मेगा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में अनिश्चितता को देखते हुए भारत सरकार अपनी ऊर्जा रणनीति में बड़ा बदलाव करने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार अब पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने पर विचार कर रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, इस कदम का मुख्य उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है और कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे में भारत घरेलू ऊर्जा सोर्स और नवीकरणीय ऊर्जा पर तेजी से फोकस बढ़ा रहा है। इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम ने पहले ही भारत की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दिया है। सरकारी अनुमानों के अनुसार 20 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग से सालाना लगभग 4.5 करोड़ बैरल कच्चे तेल के आयात की बचत हुई है। साथ ही इससे देश के खजाने से लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा

बाहर जाने से रुकी है। अब अधिकारी इस सीमा को 25 प्रतिशत तक ले जाने की संभावना तलाश रहे हैं, हालांकि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। सरकार 25 प्रतिशत ब्लेंडिंग की दिशा में सावधानी से आगे बढ़ रही है क्योंकि इसके कुछ तकनीकी पहलू भी हैं। ये इस प्रकार हैं: उच्च इथेनॉल मिश्रण के लिए वाहनों के इंजन में बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। पुराने वाहनों पर इसके प्रभाव की जांच की जा रही है। इथेनॉल की मात्रा बढ़ने से गाड़ी के माइलेज पर पड़ने वाले असर का मूल्यांकन किया जा रहा है। गाड़ी के इंजन के पुर्जों पर इसके दीर्घकालिक प्रभाव को लेकर अधिकारी सतर्क हैं। ऊर्जा संकट से निपटने के लिए भारत केवल बायोफ्यूल पर निर्भर नहीं है, बल्कि अन्य मोर्चों पर भी काम कर रहा है। राजस्थान की बाड़मेर रिफाइनरी ने काम शुरू कर दिया है। इसके अलावा, नुमालीगढ़ रिफाइनरी का विस्तार किया जा रहा है। महाराष्ट्र के मेगा रिफाइनरी प्रोजेक्ट के साथ-साथ अब गुजरात में भी एक नई रिफाइनरी सुविधा की योजना बनाई जा रही है। आपातकालीन स्थिति के लिए सरकार देश के 'स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व' की क्षमता बढ़ा रही है।

मोदी की स्कीमों से बंगाल महरूम, ममता की विदाई के बाद रास्ता साफ

नई दिल्ली, एजेंसी। सालों से कोलकाता और नई दिल्ली के बीच राजनीतिक रिश्ते तल्ख रहे हैं। इन्होंने न सिर्फ पश्चिम बंगाल में चुनावी बयानबाजी को आकार दिया। बजाय इसके कई अहम सेंट्रल वेलफेयर स्कीम के लागू होने के तरीके को भी प्रभावित किया। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में राज्य में पहली बार बीजेपी सरकार बनने के साथ केंद्र और राज्य के बीच लंबे समय से चला आ रहा टकराव अब बेहतर नीतिगत तालमेल में बदल सकता है।

अक्सर 'दिल्ली की दीवार' मुहावरे का इस्तेमाल ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली बंगाल सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी की अगुआई वाले केंद्र के बीच प्रशासनिक और राजनीतिक टकराव को बताने के लिए किया जाता रहा है। इस टकराव की वजह से स्वास्थ्य और कृषि से लेकर शिक्षा और आदिवासी कल्याण तक, केंद्र की कई योजनाएं रुक गईं या उनकी रफ्तार धीमी हो गई।

टकराव के मुद्दों में से एक आयुष्मान भारत स्कीम भी थी। बंगाल ने केंद्र की इस अहम स्वास्थ्य बीमा योजना से खुद को अलग कर लिया था। ममता बनर्जी सरकार ने इसके बजाय अपनी 'स्वास्थ्य साथी' योजना को बढ़ावा दिया।

बीजेपी ने बार-बार यह तर्क दिया है कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण बंगाल के लोगों को बड़े राष्ट्रीय स्वास्थ्य नेटवर्क का फायदा नहीं मिल पाया। अब जब बीजेपी सत्ता में है तो उम्मीद है कि राज्य में आयुष्मान भारत को लागू करने की रफ्तार तेज होगी। इससे बंगाल भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में आ जाएगा।

पीएम-किसान और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर: एक और विवादित मुद्दा पीएम-किसान योजना रही है। यह किसानों के लिए केंद्र की सीधे आय सहायता देने वाली योजना है। पिछली राज्य सरकार और केंद्र के बीच लाभार्थियों के सत्यापन और डेटा साझा करने के तरीकों को लेकर विवाद चल रहा था। बीजेपी नेताओं ने टीएमसी सरकार पर योजना को लागू करने में देरी करने का आरोप लगाया था। जबकि राज्य सरकार का कहना था कि प्रशासनिक विसंगतियों को दूर करना जरूरी है। अब कोलकाता और दिल्ली के बीच राजनीतिक तालमेल से किसानों तक फायदा पहुंचाने का रास्ता आसान हो सकता है। ग्रामीण बंगाल में सीधे फायदे के ट्रांसफर (डीबीटी) का दायरा बढ़ सकता है।

शिक्षा से जुड़ी योजनाएं को मिलेगा बढ़ावा: शिक्षा से जुड़ी योजनाओं में भी फंडिंग के तरीकों और लागू करने के ढांचे को लेकर टकराव देखने को मिला था। केंद्र ने आरोप लगाया था कि बंगाल ने स्कूलों को मंजूरी देने में देरी की। इनका मकसद सरकारी शिक्षा के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना है। जानकारों का कहना है कि इस नए राजनीतिक समीकरण से रुकी हुई परियोजनाओं को मंजूरी मिल सकती है। राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र का निवेश बढ़ सकता है।

आदिवासी कल्याण और मिशन: केंद्र ने हाल ही में इस बात पर चिंता जताई थी कि बंगाल ने आदिवासी कल्याण से जुड़े कई मिशनों के तहत कोई प्रस्ताव नहीं भेजा है। इनमें 'विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों' के लिए बनी योजनाएं भी शामिल हैं। इनमें हाउसिंग प्रोजेक्ट, सड़क कनेक्टिविटी प्रोग्राम, सोलर इलेक्ट्रिफिकेशन प्लान और एकलव्य रेजिडेंशियल स्कूल की पहल शामिल हैं। उम्मीद है कि बीजेपी के नेतृत्व वाला राज्य प्रशासन, मंजूरी और काम को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार के मंत्रालयों के साथ सीधे तौर पर ज्यादा बेहतर तालमेल बिठाएगा। वन नेशन, वन राशन कार्ड' को लागू करना एक और ऐसा क्षेत्र था, जहां बंगाल की भागीदारी कई दूसरे राज्यों के मुकाबले काफी कम रही। यह पोर्टेबिलिटी सिस्टम खासकर प्रवासी मजदूरों के लिए बहुत फायदेमंद है। कारण है कि इसके जरिए लाभार्थी अपने गृह जिले या राज्य से बाहर भी रियायती दरों पर अनाज हासिल कर सकते हैं। बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने से अब राज्य को इस राष्ट्रीय व्यवस्था के साथ पूरी तरह से जोड़ने में मदद मिल सकती है। बंगाल में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत पिछले कई दशकों में पूर्वी भारत में आए सबसे बड़े राजनीतिक बदलावों में से एक है। नई सरकार का तर्क है कि केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाने से फंड मिलने के रास्ते खुलेंगे। प्रशासनिक तालमेल बेहतर होगा। नीतियों को लेकर पैदा होने वाली रुकावटें दूर होंगी।

रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर में रुकावटें

खबरों के मुताबिक, केंद्र सरकार और बंगाल की पिछली सरकार के बीच जमीन अधिग्रहण को लेकर हुए विवादों की वजह से कई रेलवे और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट की रफ्तार धीमी हो गई थी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बेहतर तालमेल से ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, लॉजिस्टिक्स हब और इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलने का काम तेजी से हो सकता है। खासकर तब जब बीजेपी बंगाल में विकास-केंद्रित शासन के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है।

लक्ष्मी नारायण महायज्ञ को ले निकली कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी/गयाजी। प्रखंड क्षेत्र के घोड़ाघाट पंचायत अंतर्गत घोड़ाघाट गांव में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के आयोजन को लेकर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा घोड़ाघाट बाजार स्थित लक्ष्मी मंदिर से निकाली गई, जो गांव का भ्रमण करते हुए निरंजना नदी पहुंची। वहां श्रद्धालुओं द्वारा विधि-विधान के साथ जलभरण किया गया। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ यात्रा में भाग लिया।

मौके पर शेरघाटी विधानसभा विधायक उदय कुमार सिंह की पत्नी बबीता देवी का आगमन हुआ इनके अलावा राजेन्द्र दुबे, महेंद्र ठाकुर, विष्णु साव, गौतम बाजपेयी, प्रियम कुमार, मिथलेश पटेल, राजेन्द्र पासवान, सुरेंद्र यादव और अन्य शामिल हुए । उन्होंने कलश यात्रा में शामिल होकर श्रद्धालुओं के साथ भ्रमण किया तथा यज्ञ की सफलता की कामना की।कथा वाचक ने श्रद्धालुओं को यज्ञ एवं धार्मिक अनुष्ठान के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस दौरान पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़े एवं जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा।

महिलाओं ने खोला शराबबंदी का मोर्चा

शराब एवं हड़िया बेचने वालों के विरूद्ध उठाई कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पोटका। गांव में पूर्ण शराबबंदी लागू कराने को लेकर मानपुर गांव की महिलाओं ने ग्राम प्रधान गोपाल चंद्र मुर्मू के नेतृत्व में पोटका थाना पहुंचकर शराब एवं हड़िया बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई।

महिलाओं ने थाना में फरियाद करते हुए बताया कि गांव में लगातार शराब और हड़िया की बिक्री होने से पारिवारिक एवं सामाजिक माहौल बिगड़ता जा रहा है। महिलाओं ने कहा कि कुछ दिन पूर्व गांव में रैली निकालकर शराबबंदी के समर्थन में प्रदर्शन किया गया था तथा घर-घर जाकर लोगों को जागरूक भी किया गया। इसके बावजूद शराब बेचने वाले खुलेआम धमकी दे रहे हैं कि ह्नजो करना है कर लो, शराब और हड़िया बेचते रहेंगे। ग्राम प्रधान गोपाल चंद्र मुर्मू,

सुहागी मुर्मू एवं पद्मावती भकत ने बताया कि शराब पीकर घर लौटने वाले पुरुष अक्सर पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट करते हैं, जिससे गांव का माहौल अशांत हो गया है। महिलाओं ने कहा कि शराब और हड़िया के कारण गांव में अव्यवस्था फैल रही है तथा बच्चे और महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

स्थिति से परेशान होकर महिलाओं ने अब थाना का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अविलंब कार्रवाई की मांग की है।

मदर्स डे :

मां के प्रति सम्मान और संवेदना का दिन

गीतावली सिन्हा

मां केवल एक शब्द नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, धैर्य और ममता का सबसे सुंदर रूप है। संसार में यदि किसी रिश्ते को सबसे निस्वार्थ माना गया है, तो वह मां का रिश्ता है। एक मां अपने बच्चे के जन्म से पहले ही उसके लिए सपने देखना शुरू कर देती है और जीवनभर उसके सुख-दुख में साथ खड़ी रहती है। इसी मातृत्व, समर्पण और प्रेम को सम्मान देने के लिए हर वर्ष मई महीने के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। इस वर्ष मदर्स डे 10 मई को मनाया जा रहा है।

मदर्स डे केवल उपहार देने या औपचारिक शुभकामनाएं देने का दिन नहीं है, बल्कि यह मां के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। मां अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करती है। वह परिवार की आधारशिला होती है। चाहे परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, मां अपने बच्चों को सुरक्षित और खुश रखने का हर संभव प्रयास करती है। बच्चे के जीवन की पहली शिक्षक भी मां ही होती है। वह उसे बोलना, चलना, संस्कार और जीवन के मूल्य सिखाती है।

आज के आधुनिक और व्यस्त जीवन में लोग अपने कामकाज और जिम्मेदारियों में इतने व्यस्त हो गए हैं कि परिवार के लिए समय निकालना कठिन होता जा रहा है। ऐसे समय में मदर्स डे हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपनी मां के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करने के लिए समय निकालना चाहिए। एक छोटा-सा धन्यवाद, कुछ पल साथ बिताना या मां की भावनाओं को समझना भी उनके लिए सबसे बड़ा उपहार बन सकता है।

भारतीय संस्कृति में मां को देवी के समान माना गया है। हमारे यहां कहा गया है– ह्नमातृ देवो भवःह्व, अर्थात मां देवता के समान पूजनीय है। मां केवल परिवार को संभालती ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक शिक्षित और संस्कारी मां पूरे परिवार को सही दिशा देने की क्षमता रखती है।

मदर्स डे का महत्व आज इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि बदलते सामाजिक परिवेश में बुजुर्गों और माता-पिता के प्रति संवेदनाएं कम होती दिखाई दे रही हैं। कई बार मां-बाप अकेलेपन का जीवन जीने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में यह दिन हमें अपने कर्तव्यों और रिश्तों की अहमियत समझाने का संदेश देता है।

अंततः, मां का ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता। उनका प्रेम अनमोल और अतुलनीय होता है। मदर्स डे हमें यह प्रेरणा देता है कि हम केवल एक दिन ही नहीं, बल्कि हर दिन अपनी मां का सम्मान करें, उनकी भावनाओं का आदर करें और उनके चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास करें। मां का आशीर्वाद ही जीवन की सबसे बड़ी ताकत और सबसे बड़ा धन है।

असामाजिक तत्वों ने लगायी स्कूल में आग

पेट्रोल से भरी बोतलें बरामद, छानबीन जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। शिक्षा के मंदिर को असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया है। जिले के पथरौल थाना क्षेत्र के कजरा मोड गोविंदपुर रोड स्थित एडीएस नीति विद्यालय में असामाजिक तत्वों ने पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी है। ये स्कूल यहां पर किराए के मकान में संचालित किया जा रहा है।

घटना के कारण स्कूल प्रबंधन को हजारों का आर्थिक नुकसान हुआ है। आगजनी में स्कूल का बैंच कुर्सी किताबें समेत कई सामान जलकर राख हो गया। जानकारी हो कि विद्यालय को शिक्षा का मंदिर माना जाता है, लेकिन अपराधियों ने इस पवित्र स्थल को निशाना बनाकर गंभीर घटना को अंजाम दिया है।

आगलगी की घटना की सूचना गांव में फैलते ही दर्जनों ग्रामीण महिलाएं और पुरुष स्कूल पहुंचे। सभी लोगों ने घटना की निंदा की है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां मौजूद लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली।

मौके से पुलिस ने पेट्रोल से भरे बोतल व कुछ अवशेष बरामद किया है। बताया जाता है कि सुदुर ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का अलख जगाने के उद्देश्य से किराए के मकान में इस स्कूल को संचालित किया जा रहा है। लेकिन बताया जा रहा है कि असामाजिक तत्वों ने पेट्रोल छिड़क कर स्कूल में आग लगा दी है।

इसके परिणामस्वरूप स्कूल के कुछ हिस्से में रखे सामान को नुकसान पहुंचाया गया है । थाना प्रभारी दिलीप कुमार बिलुंग ने बताया प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों के द्वारा आग लगाने की बात सामने आ रही है।

उन्होंने कहा कि जिस मकान में स्कूल संचालन किया जा रहा है। उसके मकान मालिक ने थाने में लिखित आवेदन दिया है। हालांकि इस घटना को क्यों व किसने अंजाम दिया ये अभी पता नहीं चल पाया है।

बताया गया कि स्कूल में स्कूल में चारदिवारी नहीं है। ये एक अर्ध निर्मित भवन है। सिर्फ सामने एक दरवाजा है। इसका फायदा असामाजिक तत्वों ने उठाया है। सुरक्षा की दृष्टिकोण से स्कूल में चारदीवारी होना अनिवार्य है। पुलिस इस घटना को अंजाम देने वाले असामाजिक तत्वों को पहचान कर कार्रवाई करने का प्रयास कर रही है। मामले की छानबीन की जा रही है।

किशोर की मौत से उबले लोग

जमुई। शहर के सिकंदरा रोड स्थित नारायण अस्पताल में 13 वर्षीय किशोर की मौत के बाद रविवार को जमकर हंगामा हुआ। मृतक के परिजनों ने इलाज में लापरवाही और अधिक पैसे वसूलने का आरोप लगाते हुए अस्पताल के सामने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। वहीं अस्पताल प्रबंधन ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि बच्चा गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था और उसे बचाने की हरसंभव कोशिश की गई। जानकारी के अनुसार, टाउन थाना क्षेत्र के नर्मदा गांव निवासी विजय रजक का 13 वर्षीय पुत्र कन्हैया कुमार शनिवार देर रात जहरीले बिच्छू के डंक का शिकार हो गया। घटना के बाद परिजन उसे इलाज के लिए जमुई शहर के निजी नारायण अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में भर्ती के बाद लगातार पैसे जमा कराने का दबाव बनाया गया और इलाज में लाखों रुपये खर्च होने की बात कही गई। इसके बावजूद बच्चे की हालत बिगड़ती चली गई और आखिरकार उसकी मौत हो गई।

आवास योजना के लाभुकों में मायूसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमालपुर(मुंगेर)। प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि का भुगतान नगर परिषद क्षेत्र के लाभुकों को कई महीनो से नहीं किए जाने पर आक्रोशित लाभुकों में खासा नाराजगी एवं मायूसी देखी जा रही है। आवास योजना की राशि का भुगतान नहीं होने से आक्रोशित जनता जनप्रतिनिधि एवं लाभुकों की आवश्यक बैठक वार्ड पार्षद राकेश तिवारी की अध्यक्षता में हुई। नक्की नगर केशोपुर में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए श्री तिवारी ने कहा लोकसभा चुनाव के पूर्व ही आवास योजना के प्रथम किस्त की राशि का भुगतान किया गया था। महीना बीत जाने के बाद द्वितीय एवं तृतीय किस्त की राशि का भुगतान आज तक नहीं किए जाने गरीब लाभुक खुले आकाश में समय गुजारने को दिवस है। गरीबों के इस जटिल समस्या के निदान को लेकर वार्ड के जनप्रतिनिधि गरीब लाभों के समर्थन में 13 मई को नगर परिषद गेट पर उग्र आंदोलन करने का निर्णय लिया है। श्री तिवारी ने यह भी कहा कि आवास योजना के तहत गरीबों का घर नहीं बनने पर लोग बेघर होकर इधर-उधर अपने परिवार के साथ रात गुजारने को विवश है। बैठक में वार्ड पार्षद राकेश कुमार, छोटू कुमार, प्रतिनिधि गौतम आजाद सहित कई लाभुक एवं जनता मौजूद थे।

निधन से शोक

जमालपुर। सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य इंद्ररुख ग्राम निवासी संजीव कुमार पाठक का आकस्मिक निधन हो जाने से पंचायत वासियों के अलावा शिक्षाविदों में शोक की लहर देखी जा रही है। प्रधानाचार्य के आकस्मिक निधन के बारे में प्राचार्य शंकर कुमार सिंह ने बताया कि कुमार पाठक वर्तमान में बांका जिले के सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत थे। वे क्षेत्रीय संगीत प्रमुख भी थे।

शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी महासंघ मगध विवि इकाई का चुनाव संपन्न

प्रो. विजय कुमार मिट्ठू अध्यक्ष हुए निर्वाचित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को जहानाबाद कॉलेज जहानाबाद में बिहार राज्य संबद्ध डिग्री कॉलेज शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ के मगध विश्वविद्यालय इकाई का संघठन चुनाव सम्पन्न हुआ।

चुनाव में मगध विवि अंतर्गत गया, जहानाबाद, नवादा, औरंगाबाद, अरवल के सभी अनुदानित संबद्ध प्राप्त 39 कॉलेज के शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारियों तथा पर्यवेक्षकों में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शंभू नाथ सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार चौधरी सीनेट सदस्य बी आर अम्बेडकर बिहार यूनिवर्सिटी, महासंघ के महासचिव प्रो राजीव रंजन, प्रो नवल किशोर प्रसाद सिंह, पूर्व अध्यक्ष मगध विश्विद्यालय प्रो अशोक कुमार सिंह प्राचार्य, प्रो

अरविंद कुमार प्राचार्य के देख रेख में सम्पन्न हुआ। बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ के प्रवक्ता प्रो अरुण कुमार गौतम ने बताया कि मगध विश्वविद्यालय इकाई के चुनाव के पहले 11 बजे से 04 बजे तक संगठन के सशक्तिकरण, नए पदाधिकारियों के चयन पर खुल कर चर्चा एवं विश्वविद्यालय स्तर पर चरणबध्द आंदोलन, तथा गया , जहानाबाद, औरंगाबाद, नवादा, अरवल जिला संगठन को सशक्त बनाने पर विचार के उपरांत सभी पर्यवेक्षक एवं महत्पूर्ण साथियों के बीच नए अध्यक्ष, संरक्षक, उपाध्यक्ष महासचिव, सचिव, मीडिया प्रभारी एवं कार्यकारिणी की तैयार की गई सूची को सभी सदस्यों के बीच रखने के उपरांत सर्वसम्मति से बिना किसी विरोध के सभी पदों पर निर्वाचित लोगों की घोषणा की गई। निर्वाचित होने वालों में मगध विश्वविद्यालय के अध्यक्ष पद पर महाबोधि कॉलेज बेलागंज के रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो विजय कुमार मिट्ठू, संरक्षक प्रो नवल किशोर प्रसाद, उपाध्यक्ष डॉ बीरेन्द्र सिंह, प्रो शशि रंजन कुमार सिंह, महासचिव प्रो शशि प्रसाद, प्रो रमेश कुमार, कोषाध्यक्ष प्रो राम कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी प्रो विकास कुमार बने।

कार्यकारिणी में प्रो राजेश कुमार, श्री प्रकाश, शिवेंद्र कुमार, प्रो अनिल कुमार सिंह, प्रो मोहम्मद अली, प्रो सरोज कुमार, प्रो अखिलेश कुमार, प्रो राजेश रंजन मिश्रा, प्रो अश्विनी कुमार, प्रो मदन कुमार, प्रो मनोज कुमार सिन्हा निर्वाचित हुए।

नव निर्वाचित महासंघ के मगध विवि के अध्यक्ष प्रो विजय कुमार मिट्ठू ने कहा कि मगध विश्वविद्यालय प्रशासन को तुरंत इसकी सूचना एवं चुनाव संबंधी कागजात देने के उपरांत ग्रीष्मावकाश के छुट्टी के पहले विशाल महाधरना का भी आयोजन किया जाएगा तथा इसके अंतर्गत गया, जहानाबाद, औरंगाबाद, नवादा, अरवल जिला में धरना तथा सभी 39 कॉलेज में संगठन को सशक्त करने का काम करेंगे।

स्मृति सह सम्मान समारोह 16-17 मई को

टिकारी। मां निर्देष सेवा केंद्र एवं हिंदी विभाग, गया कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 16 एवं 17 मई को गया कॉलेज स्थित प्रेमचंद सभागार में ह्नराष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर स्मृति सह सम्मान समारोहह्व का आयोजन किया जाएगा।

आयोजक हिमांशु शेखर ने बताया कि कार्यक्रम के उद्घाटनकर्ता के रूप में डॉ प्रेम कुमार ने अपनी उपस्थिति की सहमति प्रदान की है। समारोह में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से शोधार्थी एवं साहित्यकार भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान गया जी के कई निजी एवं सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं द्वारा रामधारी सिंह दिनकर की रचित कविताओं का पाठ भी किया जाएगा। आयोजन समिति के सदस्य डॉ सत्येंद्र सिंह चंद्र एवं संजय अथर्व ने बताया कि युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि एवं संवेदनशीलता विकसित करने की दिशा में यह आयोजन मील का पत्थर साबित होगा।

आयोजन समिति से गहरे रूप से जुड़े उड़ीसा में प्राध्यापक के रूप में कार्यरत डॉ रुद्रचरण मांझी ने कहा कि इस कार्यक्रम में पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश,झारखंड और उड़ीसा से कई शोधार्थियों ने शामिल होने की सहमति प्रदान की है।

ट्रेन लूट की योजना बनाते कुख्यात गिरोह के छह गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। जेल से जमानत पर बाहर आते ही फिर से अपराध की दुनिया में सक्रिय हुए कुख्यात अपराधी ज्ञान प्रकाश तिवारी उर्फ राजन तिवारी को पुलिस ने उसके 6 सहयोगियों के साथ दबोच लिया है।

ये सभी अपराधी शहर के नगवां मुहल्ला स्थित सरस्वतिया नदी के किनारे एक निमार्णाधीन मकान में बैठकर ट्रेन यात्रियों को लूटने की योजना बना रहे थे। एसडीपीओ नीरज कुमार ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि राजन तिवारी अपने गिरोह के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने वाला है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर के निर्देश पर

निर्माणाधीन मकान में बना रहे थे योजना

तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया गया और छापेमारी की गई। मौके से पुलिस ने अपराधियों को रंगे हाथ धर दबोचा। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी योजना ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों को निशाना बनाने की थी। पुलिस ने छापेमारी के दौरान मौके से निम्नलिखित सामान जब्त किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मुख्य आरोपी राजन तिवारी पर हत्या, रंगदारी, और आर्म्स एक्ट जैसे कई संगीन मामले पहले से दर्ज हैं। इसके अलावा इनायत सिद्दीकी और संतोष सोनी पर भी चोरी और लूट के दर्जनों मामले विभिन्न थानों में चल रहे हैं। आकाश कुमार दुबे के खिलाफ भी हाल ही में गढ़वा थाने में गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। अभियान में एसडीपीओ नीरज कुमार के नेतृत्व में डीएसपी चिरंजीवी मंडल, थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी, कृष्णा कुमार कुशवाहा, अविनाश राज, आदित्य कुमार नायक, प्रदीप उरांव, प्रदीप केशरी और कई पुलिस जवान शामिल थे।

बंगाल में सत्ता परिवर्तन का पाकुड़ में दिख रहा असर

अवैध कारोबारियों में दहशत व्याप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पाकुड़। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन का असर अब झारखंड के पाकुड़ जिले के पत्थर कारोबार पर भी दिखाई देने लगा है। सीमावर्ती क्षेत्रों में लंबे समय से चल रहे कथित टोकन सिस्टम के बंद होने से अवैध कारोबार पर असर पड़ा है।

कारोबारियों की मानें तो पहले बंगाल सीमा में प्रवेश के बाद वहां के कुछ क्लबों से मासिक टोकन लेने पर वाहनों का आवागमन बिना रोक-टोक होता था। अलग-अलग जिलों के लिए अलग शुल्क निर्धारित था, जो 10 हजार से 25 हजार रुपये तक बताया जाता है।

जानकारी के अनुसार केवल पाकुड़ जिले से ही प्रतिदिन 300 से अधिक बड़े वाहनों से पत्थर खनिज की ढुलाई इस व्यवस्था के तहत की जाती थी।

कारोबारियों का दावा है कि विधानसभा चुनाव के बाद एक मई से बंगाल में यह टोकन सिस्टम पूरी तरह बंद हो गया है और अब केवल वैध माइनिंग चालान वाले वाहन ही सीमा पार कर पा रहे हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार अवैध कारोबार से जुड़े लोग बंगाल सीमा पर बड़ी मात्रा में पत्थर खनिज डंप करते थे।

आरोप है कि एक ही चालान पर कई बार पत्थर खनिज की ढुलाई कर उसे सीमा तक पहुंचाया जाता था। इसके बाद वहां से वाहनों में ओवरलोडिंग कर बिना वैध चालान के बिहार समेत अन्य राज्यों में भेजा जाता था।

बड़ी मात्रा में पत्थर खनिज बांग्लादेश भेजे जाने की भी चर्चा रही है। अब सत्ता परिवर्तन के बाद बंगाल में पत्थर खनिज की डंपिंग पर भी रोक लग गई है। इससे अवैध कारोबार से जुड़े लोगों को बड़ा झटका लगा है।

नदी किनारे लावारिस पड़े दो सूटकेसों में मिले शवों के टुकड़े

खबर से इलाके में हड़कम्प, प्रशासन के फूले हाथ-पांव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कैमूर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब दुर्गावती नदी किनारे दो संदिग्ध सूटकेश बरामद किए गए। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जब सूटकेश खोले, तो उनमें कटे हुए बॉडी पार्ट्स मिले। घटना की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया।

एसपी हरिमोहन शुक्ला ने बताया कि मोहनिया और रामगढ़ थाना क्षेत्र की सीमा के पास ग्रामीणों ने नदी किनारे कुछ बॉडी पार्ट्स पड़े होने की सूचना दी थी। इसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने अलग-अलग बॉडी पार्ट्स को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

एसपी के अनुसार, कैमूर जिले में अब तक इस तरह की किसी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज नहीं हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के जिलों को भी सूचना भेजी जा रही है, ताकि शवों की पहचान की जा सके। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

किशोर का शव बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के गोपालगंज जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के गम्हारी दियारा इलाके में रविवार सुबह एक 15 वर्षीय किशोरी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे खेत में लावारिस हालत में पड़ी लाश को देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

मॉडल सब सेंटर-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ

जिले के 54 स्थानों पर खुलेंगे सेंटर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चतरा। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और सुलभ बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मॉडल सब सेंटर-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर निर्माण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए जिले के 54 स्थानों का चयन कर निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिला परिषद के माध्यम से योजना का निविदा कराई गई है। कुछ केंद्र भवनों का निर्माण प्रारंभ हो गया है और कुछ प्रक्रियाधीन है।

योजना के तहत ग्रामीण इलाकों में आधुनिक सुविधाओं से लैस स्वास्थ्य केंद्र विकसित किए जाएंगे। सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य गांवों के लोगों को उनके नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए शहरों की ओर निर्भरता कम हो सके।

प्रस्तावित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों में प्राथमिक उपचार, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। पांच हजार की आबादी पर एक मॉडल सब सेंटर स्थापित की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार इन केंद्रों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा।

केंद्रों में प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी तथा बुनियादी जांच सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। जरूरत पड़ने पर मरीजों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से भी जोड़ा जाएगा।

तीरंदाजी विश्व कप में भारत का कमाल!

चीन को उसके घर में हराकर महिला टीम ने जीता स्वर्ण, दीपिका चमकीं

शंघाई, एजेंसी। भारत की महिला रिकर्व टीम ने आर्चरी वर्ल्ड कप स्टेज-2 में शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान चीन को हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। शंघाई में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने दबाव भरे शूट-ऑफ में चीन को 5-4 (28-26) से हराया। इस जीत के साथ भारत ने 2021 के बाद पहला आर्चरी वर्ल्ड कप गोल्ड मेडल जीता।

दीपिका कुमारी ने दिलाई यादगार जीत

भारत की ओर से दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोड़ ने शानदार खेल दिखाया। मुकाबला काफी रोमांचक रहा और दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली।भारत ने पहला सेट जीता, लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबरी पर ला दिया। चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहा और मैच शूट-ऑफ तक पहुंच गया।

निर्णायक पल में भारतीय खिलाड़ियों ने संयम बनाए रखा। आखिरी तीर पर अनुभवी दीपिका कुमारी ने नौ अंक हासिल किए और भारत को यादगार जीत दिला दी।

सेमीफाइनल में कोरिया को भी चौंकाया

भारतीय टीम ने फाइनल से पहले सेमीफाइनल में 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इस जीत ने भारत का आत्मविश्वास और बढ़ा दिया था। कोरिया जैसी मजबूत टीम को हराने के बाद भारत ने फाइनल में चीन को भी मात देकर अपनी ताकत साबित कर दी।

साहिल जाधव ने जीता कांस्य पदक

शनिवार को भारत के साहिल जाधव ने पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का खाता खोला था। 25 वर्षीय साहिल ने कांस्य पदक मुकाबले में डेनमार्क के मार्टिन डैम्सबो को 147-144 से हराया। पहले सेट में पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार वापसी करते हुए अगली चार सेट जीत लीं। यह साहिल के करियर का पहला वर्ल्ड कप पदक है।

सिमरनजीत कौर से भी उम्मीदें

भारत की पदक उम्मीदें यहीं खत्म नहीं हुईं। महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में सिमरनजीत कौर सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। वह अपने पहले व्यक्तिगत वर्ल्ड कप पदक से सिर्फ एक जीत दूर हैं।

भारत के लिए बड़ा संकेत

शंघाई में मिला यह गोल्ड मेडल भारतीय तीरंदाजी के लिए बड़ा संकेत माना जा रहा है। बड़े मुकाबलों में दबाव झेलकर जीतना दिखाता है कि भारतीय खिलाड़ी अब दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को लगातार चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

अपने पहले ही मैच में इस 18 वर्षीय बॉलर ने बरपाया कहर! ली हैट्रिक 120 साल में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। हर खिलाड़ी चाहता है कि उसका पहला मुकाबला यादगार बने, लेकिन इंग्लैंड के युवा गेंदबाज टॉम नॉर्टन ने तो डेब्यू मैच को ऐतिहासिक बना दिया। 18 साल के इस तेज गेंदबाज ने काउंटी चैंपियनशिप 2026 में ग्लैमोरगन के लिए खेलते हुए अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू मैच में ही हैट्रिक ले ली। यह उपलब्धि इतनी खास है कि पिछले 120 साल में ऐसा पहली बार हुआ है। कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में ग्लैमोरगन और समरसेट के बीच मुकाबला खेला जा रहा है। समरसेट की दूसरी पारी में टॉम नॉर्टन ने लगातार तीन गेंदों पर तीन बल्लेबाजों को आउट कर सनसनी मचा दी। उन्होंने जेम्स रियू, टॉम लैमोनबी और आर्ची वॉन को पवेलियन भेजा। आर्ची वॉन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के बेटे हैं। इसके बाद नॉर्टन ने विल स्मिड को भी आउट किया और दूसरी पारी में अपने चार विकेट पूरे कर लिए। समरसेट का स्कोर एक समय 32 रन पर छह विकेट हो गया था। टॉम नॉर्टन अब काउंटी चैंपियनशिप डेब्यू मैच में हैट्रिक लेने वाले 1906 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले 1906 में डब्ल्यू.ई. बेन्स्किन ने लीसेस्टरशायर की ओर से एसेक्स के खिलाफ डेब्यू मैच में हैट्रिक ली थी। यानी क्रिकेट फैंस को ऐसा नजारा देखने के लिए पूरे 120 साल इंतजार करना पड़ा। नॉर्टन ग्लैमोरगन के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू पर हैट्रिक लेने वाले सबसे कम उम्र के गेंदबाज भी बन गए हैं। टॉम नॉर्टन इंग्लैंड क्रिकेट का उभरता हुआ नाम हैं। उनकी उम्र सिर्फ 18 साल है और उन्हें तेज रफ्तार तथा सटीक लाइन-लेंथ के लिए जाना जाता है। डेब्यू मैच में ऐसा प्रदर्शन किसी भी युवा खिलाड़ी के आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देता है। अब नॉर्टन रातों-रात सुर्खियों में आ गए हैं।

इटेलियन ओपन में सबालेंका और पाओलिनी की सनसनीखेज हार

रोम। टेलियन ओपन में कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले, जिसमें महिलाओं की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और गत चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी दोनों बाहर हो गईं। दिन का सबसे बड़ा झटका महिलाओं के सिंगल्स के राउंड ऑफ़ 32 में लगा, जहां दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालेंका ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और रोमानिया की सोराना सिस्टिर्या से 2-6, 6-3, 7-5 से हार गईं। सिस्टिर्या ने बेसलाइन से सबालेंका के साथ जोरदार मुकाबला किया और नेट की ओर आक्रामक रुख अपनाकर बेलारूस की इस खिलाड़ी को बार-बार परेशान किया, जिससे उन्हें दूसरे सेट के आठवें गेम में एक महत्वपूर्ण'ब्रेक'हासिल हुआ। सबालेंका को सिस्टिर्या के खेल की विविधता का सामना करने में मुश्किल हुई और उन्होंने लगातार'अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) करना शुरू कर दिया। निर्णायक सेट के पांचवें गेम में सिस्टिर्या ने अपने चौथे 'ब्रेक पॉइंट' के मौके को भुनाते हुए एक और 'ब्रेक' हासिल किया और फिर अपनी सर्विस के साथ मैच जीत लिया; यह किसी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ उनके करियर की पहली जीत थी।

वैभव का प्रहार, सिराज का बदला

सूर्यवंशी का विकेट मिलते ही सिराज जोश में दहाड़ते नजर आए

रिकॉर्ड फिर भी वैभव के नाम

हालांकि पारी छोटी रही, लेकिन वैभव ने 16 गेंदों में 36 रन बनाकर एक बार फिर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस दौरान उन्होंने तीन चौके और तीन छक्के लगाए। इसी मैच में वैभव ने पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के पूरे करने का रिकॉर्ड भी बनाया। उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 29 पारियों और 514 गेंदों में हासिल की। वैभव इस सीजन राजस्थान रॉयल्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 11 पारियों में 440 रन बनाए हैं। उनका औसत 40.00 और स्ट्राइक रेट 236.55 रहा है। उनके नाम एक शतक और दो अर्धशतक भी हैं।

गुजरात ने खड़ा किया विशाल स्कोर

इससे पहले गुजरात टाइटंस ने शुभमन गिल (84), साई सुदर्शन (55) और वॉशिंगटन सुंदर (37*) की पारियों की बदौलत 20 ओवर में 229/4 का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में 152 रन पर सिमट गई और गुजरात ने 77 रन से जीत हासिल की। वैभव के अलावा रवींद्र जडेजा ने 38 रन बनाए।

जयपुर, एजेंसी। 230 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार शुरुआत दिलाई। क्रीज पर आते ही उन्होंने मोहम्मद सिराज की पहली गेंद पर लंबा छक्का जड़ दिया। इसके बाद कगिसो रबाडा के ओवर में भी दो छक्के लगाकर अपना इरादा साफ कर दिया। तीसरे ओवर में वैभव ने सिराज पर हमला जारी रखा और चार गेंद में तीन चौके जड़ दिए। स्कोरबोर्ड तेजी से आगे बढ़ रहा था और ऐसा लग रहा था कि युवा बल्लेबाज के सामने अनुभवी गेंदबाज बेबस नजर आ रहे हैं।

नेहरा का इशारा, सिराज का वार

जब वैभव लगातार रन बरसा रहे थे, तभी गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा डगआउट से सिराज को कुछ इशारे करते नजर आए। कैमरे में साफ दिखा कि नेहरा गेंदबाज को समझा रहे थे कि लाइन-लेंथ बदलो और स्मार्ट गेंदबाजी करो। इसके तुरंत बाद सिराज ने 146.6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज बाउंसर डाली। वैभव इस गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर शॉर्ट फाइन लेग की दिशा में गई, जहां अरशद खान ने आसान कैच पकड़ लिया। विकेट मिलते ही सिराज जोश में दहाड़ते नजर आए। यह मुकाबला पूरी तरह पलट चुका था।पहली गेंद पर छक्का मारने के बाद सिराज की यॉर्कर गेंद पर सूर्यवंशी फंसे भी थे और उन्होंने गेंद अपने ही जूते पर दे मारी। इसके तुरंत बाद वह दर्द से जमीन पर बैठ गए थे। गेंद उनके दाहिने पैर की एड़ी के पास लगी थी। फिजियो तुरंत मैदान पर पहुंचे। हालांकि शुरुआती परेशानी के बावजूद सूर्यवंशी ने बल्लेबाजी जारी रखी, लेकिन वह थोड़ा लंगड़ाते हुए नजर आए और आखिर में सिराज ने उन्हें अपनी जाल में फंसा लिया।

रनों के अंतर से गुजरात टाइटंस की सबसे बड़ी जीत, तालिका में बड़ा बदलाव

साई सुदर्शन और शुभमन गिल की तूफानी बल्लेबाजी के बाद राशिद खान और जेसन होल्डर की घातक गेंदबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स पर 77 रनों से शानदार जीत दर्ज की। शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात ने 20 ओवर में चार विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में सिर्फ 152 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

गुजरात ने दूसरा स्थान हासिल कियारनों के अंतर के हिसाब से यह गुजरात टाइटंस की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम ने 2023 में मुंबई इंडियंस को 62 रनों से हराया था। वहीं, राजस्थान की चौथी बड़ी हार है। बता दें कि, 2025 से अब तक जयपुर में खेले आठ आईपीएल मैचों में राजस्थान सातवां मैच हारी है। इस जीत के साथ गुजरात 14 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, राजस्थान पांचवें पायदान पर खिसक गई।

230 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इस मुकाबले में टीम की कमान संभाल रहे यशस्वी जायसवाल सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हुए। महज 16 गेंदों में 36 रन बनाने के बाद वैभव सूर्यवंशी भी मोहम्मद सिराज की गेंद पर अरशद खान को कैच देकर पवेलियन लौटे। ध्रुव जुरेल अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 10 गेंदों में 24 रन बनाकर राशिद खान की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए।

मेसी ने रच दिया इतिहास सबसे तेज 100 गोल करने वाले खिलाड़ी बने

टोरंटो। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने मेजर लीग सॉकरमें एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मेसी ने टोरंटो एफसी के खिलाफ इंटर मियामी की 4-2 की जीत में एक गोल और दो असिस्ट कर इतिहास में सबसे तेज 100 गोल योगदान देने वाले खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड बना दिया। मेसी ने यह उपलब्धि सिर्फ 64 मैचों में हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड सेबेस्टियन जियोविंको के नाम था, जिन्होंने 95 मैचों में 100 गोल योगदान पूरे किए थे। स्वरूप में 2023 में आने के बाद से मेसी अब तक 59 गोल और 41 असिस्ट कर चुके हैं। यह मुकाबला इंटर मियामी के लिए मेसी का 100वां मैच भी था। वह क्लब के इतिहास में 100 मैच खेलने वाले सिर्फ आठवें खिलाड़ी बने। मेसी के आने के बाद इंटर मियामी ने सफलता का नया दौर देखा है। उनकी कप्तानी में क्लब ने 2023 लीग्स कप, 2024सपोर्टर्स शील्ड, 2025 ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस खिताब और 2025 कप जैसे बड़े खिताब जीते।

मेसी और सुआरेज का जलवा

इंटर मियामी ने मुकाबले में शानदार शुरुआत की। रोड्रिगो डी पॉल की फ्री-किक के बाद मिले रिबाउंड पर गोल कर टीम ने बढ़त हासिल की। इसके बाद सुआरेज ने मेसी के शानदार पास पर गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। 73वें मिनट में मेसी ने सर्जियो रेगुइलोन के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए एक और गोल में मदद की।

वर्ल्ड कप खेलेगा ईरान लेकिन रखीं यह शर्तें!

मेजबान देशों के सामने बड़ी चुनौती

तेहरान । ईरान फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को साफ कर दिया कि राष्ट्रीय टीम 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी। पिछले कुछ हफ्तों से टीम की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी, लेकिन अब इस पर विराम लग गया है। 2026 फीफा वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। ईरान ने क्वालिफिकेशन राउंड के जरिए सीधे टूर्नामेंट में जगह बनाई थी।

ईरान ने रखीं 10 अहम शर्तें

फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि टीम हिस्सा जरूर लेगी, लेकिन मेजबान देशों को उनकी चिंताओं पर ध्यान देना होगा। सबसे बड़ी मांग वीजा से जुड़ी है। ईरान चाहता है कि खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, पत्रकारों और समर्थकों को बिना किसी परेशानी के वीजा दिया जाए। एयरपोर्ट पर अतिरिक्त पूछताछ या इमिग्रेशन अड़चनें नहीं होनी चाहिए। मेहदी ताज ने खास तौर पर स्टार खिलाड़ियों मेहदी तारेमी और एहसान हजसाफी का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें भी बिना रुकावट प्रवेश मिलना चाहिए।

सुरक्षा और सम्मान पर जोर

- ईरान ने सुरक्षा व्यवस्था को भी अहम मुद्दा बताया है। टीम ने मांग की है कि एयरपोर्ट, होटल, यात्रा मार्ग और स्टेडियम में विशेष सुरक्षा दी जाए।
- इसके अलावा ईरान ने कहा है कि उनके मैचों के दौरान स्टेडियम में केवल मुकाबला खेल रही दोनों टीमों के आधिकारिक राष्ट्रीय ध्वज ही लाने की अनुमति होनी चाहिए।
- ईरान ने यह भी मांग रखी कि हर मैच से पहले उनका राष्ट्रगान सही तरीके से और बिना किसी व्यवधान के बजाया जाए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भी शर्त

ईरानी महासंघ चाहता है कि मैच से पहले और बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल केवल फुटबॉल से जुड़े हों। राजनीतिक या बाहरी मुद्दों पर सवाल न पूछे जाएं।महासंघ ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'हम निश्चित रूप से 2026 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे, लेकिन मेजबानों को हमारी चिंताओं का ध्यान रखना होगा।

अब दक्षिण के राज्यों पर भाजपा की नजर, तमिलनाडु में अपनाएगी बंगाल वाला फॉर्मूला

नई दिल्ली, एजेंसी। अरब सागर के तट से वर्ष 1980 में शुरू हुई भाजपा की राजनीतिक यात्रा 46 साल बाद गंगासागर तक पहुंच गई है। हालांकि, हिंद महासागर की सीमाई राज्यों तक पहुंचना अभी बाकी है। पार्टी का अगले एक दशक का लक्ष्य सारी समुद्री सीमाओं वाले प्रदेशों में भाजपा को सत्ता तक पहुंचाना है। इसके लिए अब पार्टी अपने मिशन दक्षिण के लिए बदली हुई रणनीति पर काम करेगी। भाजपा की पहुंच से दूर रहा तेलंगाना उसका पहला लक्ष्य है। उसके बाद केरल और तमिलनाडु की व्यूह रचना पर काम होगा। कर्नाटक में उसे अगले ही चुनाव में वापसी की उम्मीद है।

साल 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के कुछ समय बाद ही अमित शाह ने भाजपा की कमान संभाली थी। उन्होंने अपने पहले ही भाषण में भाजपा के पूर्वोत्तर विस्तार और कोरोमंडल में पहुंच का विशाल रोड मैप पेश किया था। पूर्वोत्तर से कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने और प्रमुख पूर्वी राज्यों बिहार, ओडिशा एवं पश्चिम बंगाल में अपने मुख्यमंत्री बनाने के बाद अब वह अधूरे मिशन दक्षिण की ओर बढ़ने जा रही है। दक्षिण के पांच राज्यों में भाजपा अभी आंध्र प्रदेश में तेलुगुदेशम के साथ गठबंधन सरकार में है। कर्नाटक में

कई बार सरकार बना चुकी पार्टी को अगले चुनाव में फिर से सत्ता में आने का भरोसा है। बाकी तीन राज्यों तेलंगाना, तमिलनाडु एवं केरल उसके अगले लक्ष्य हैं। तेलंगाना में भाजपा की जमीन तैयार हो चुकी है। केरल और तमिलनाडु ही उसके लिए सबसे मुश्किल राज्यों में शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, भाजपा तमिलनाडु में पश्चिम बंगाल का फॉर्मूला अपनाएगी और अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए अन्नाद्रमुक के कई प्रमुख नेताओं को अपने साथ लाएगी। यहां हाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बने नागेंद्रन भी अन्नाद्रमुक से ही आए हैं। केरल भाजपा से ज्यादा आरएसएस की मजबूती के लिए जाना जाता है। इस बार के चुनाव में भाजपा ने बदलाव वाले चुनाव में अपने लिए तीन सीट जीतकर तथा पांच सीट पर दूसरे स्थान पर रहकर अपने भावी अभियान की शुरुआत कर दी है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा वाम दलों की हार के बाद अब उसका स्थान खुद हासिल करने की तैयारी में है। राज्य में हिंदू समुदाय की सालों से पसंद रहे वाम दलों की जगह अब भाजपा लेने की तैयारी में है। ईसाई समुदाय में भी भाजपा ने अपनी पकड़ बनाई है।

संक्षिप्त समाचार

मानसून से पहले दिल्ली में पीडब्ल्यूडी अभियंताओं के किए गए तबादले

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में प्रत्येक वर्ष मानसून के समय जलभराव एक बड़ी समस्या बनता है। 15 जून से मानसून आने का समय माना जाता है। ऐसे में करीब एक माह मानसून के दौरान जलभराव को रोकने की तैयारियों का है। तैयारियां कहीं दिख नहीं रही हैं। मगर अधिकारियों के तबादलों का क्रम जारी है। विभाग के सचिव के साथ–साथ कई अभियंताओं का भी तबादला हो चुका है। तबादला होना उचित प्रक्रिया जरूर है मगर मानसून से ठीक पहले अभियंताओं के तबादले को विशेषज्ञ उचित नहीं मानते हैं। मानसून के दौरान जनता को जलभराव के दौरान परेशानी उनकी मानें तो यह प्रक्रिया पहले ही पूरी की जानी चाहिए थी। अब तक नए अभियंता काम में जुट जाने चाहिए थे। ऐसे समय में तबादला होने से नए अभियंताओं को ज्वाइन करने और काम को समझने में समय लग सकता है और काम नहीं संभलने पर मानसून के दौरान जनता को जलभराव के दौरान परेशानी हो सकती है। तबादलों पर गौर करें तो शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग को देख रहे अतिरिक्त मुख्य सचिव नवीन चौधरी से इस विभाग की जिम्मेदारी ले ली गई। इस विभाग की जिम्मेदारी प्रधान सचिव संदीप कुमार को दी गई है। वहीं इससे कुछ समय पहले ही विभाग की मेंटीनेंस विंग का काम देख रहे प्रधान मुख्य अभियंता प्रदीप गुप्ता से यह जिम्मेदारी ले ली गई इस विंग की जिम्मेदारी मुख्य अभियंता जगजीवन राम मीणा को दी गई है। एक अन्य आदेश में गत पांच मई को विभाग में 25 अधिशासी अभियंताओं को इधर से उधर कर दिया गया। इन अभियंताओं में 21 अभियंता सिविल वर्क से संबंधित है जिनके पास सड़कों से संबंधित काम हैं। जिनकी जलभराव रोकने से संबंधित जिम्मेदारी रहती है। एक अन्य आदेश में कुछ दिन पहले ही विभाग ने 23 सहायक अभियंताओं को इधर से उधर कर दिया है। लोक निर्माण विभाग के पूर्व प्रमुख अभियंता दिनेश कुमार कहते हैं कि यह समय अभियंताओं को तबादला करने वाला समय नहीं है। यह समय मानसून के दौरान जलभराव रोकने के लिए किए जाने वाले इंतजामों को लेकर है। खास पर सिवि विंग यानी सडकों के रखरखाव से संबंधित भियंताओं को इस समय हटासा जाना बिल्कुल उचित नहीं है।

दिल्ली में फिर से बदलेगा मौसम का मिजाज, तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में तापमान में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। पूरे दिन धूप निकली रही। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार रविवार को भी इसी

तरह का मौसम रहेगा। लेकिन, सोमवार से मौसम में एक बार फिर से बदलाव होगा। दो दिनों तक तेज हवा चलने के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। दोनों दिन के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार को अधिकतम तापमान 36.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो शुक्रवार से 0.5 डिग्री अधिक और सामान्य से 2.4 डिग्री कम है। वहीं, न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो शुक्रवार से 1.2 डिग्री अधिक, लेकिन सामान्य से 1.3 डिग्री कम है। शहर के अन्य मौसम केंद्रों पर भी इसी तरह का न्यूनतम व अधिकतम तापमान दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार रविवार से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है। इससे दिल्ली में सोमवार और मंगलवार को तेज हवा के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।

अग्नि–5 पाकिस्तान के कई शहरों पर परमाणु हमला करने में सक्षम, एमआईआरवी ने बढ़ाई सेना की ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने रक्षा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर पार कर लिया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को घोषणा की कि भारत ने स्वदेशी रूप से विकसित अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया है, जो एमआईआरवी तकनीक से लैस है। यह परीक्षण शुक्रवार को ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया। मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (एमआईआरवी) तकनीक का सबसे बड़ा लाभ यह है कि एक ही मिसाइल के जरिए कई परमाणु हथियारों को ले जाया जा सकता है। ये हथियार सैकड़ों किलोमीटर के दायरे में फैले दुश्मन के अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बना सकते हैं।

इस मिसाइल की मारक क्षमता 5,000 किलोमीटर से अधिक है। इससे पाकिस्तान के कई शहरों को सटीक निशाना बनाया जा सकता है। हालांकि आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन सैन्य वैज्ञानिकों के अनुसार यह 4 से 5 वारहेड ले जाने में सक्षम है।

मिशन दिव्यास्त्र: भारत ने इस तकनीक का पहला सफल परीक्षण मार्च 2024 में किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मिशन दिव्यास्त्र' का नाम दिया था। इस परीक्षण के साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है जिनके

पास स्ळ्ह्रड्ढ तकनीक है। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन शामिल हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे भारत की रक्षा तैयारियों में एक अविश्वसनीय क्षमता बताया।

भारत का 2003 का परमाणु सिद्धांत नो फर्स्ट यूज (पहले प्रयोग नहीं) की प्रतिबद्धता पर आधारित है। इसका अर्थ है कि भारत केवल परमाणु हमले के जवाब में ही इन हथियारों का उपयोग करेगा, लेकिन यह जवाबी कार्रवाई इतनी भीषण होगी कि दुश्मन को अकल्पनीय क्षति पहुंचाएगी। परमाणु हमले की अनुमति केवल न्यूक्लियर कमांड अथॉरिटी द्वारा दी जा सकती है, जिसके प्रमुख प्रधानमंत्री होते हैं।

इसके साथ ही भारत अब जमीन, हवा और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हमला करने में सक्षम है। अप्रैल में भारतीय नौसेना ने अपनी तीसरी परमाणु संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी, आईएनएस अरिदमन को कमीशन किया। भारत अब दुनिया के उन 6 देशों में शामिल है जो समुद्र के भीतर से परमाणु हमला कर सकते हैं।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की जनवरी 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास 180 परमाणु वारहेड हैं। इसके अलावा, चीन के पास 600 परमाणु वारहेड, पाकिस्तान के पास 170 परमाणु वारहेड हैं। भारत के पास अनग्नि सीरीज की मिसाइलों की लंबी रेंज है। उनमें अग्नि-1 (700 किमी), अग्नि-2 (2,000 किमी), अग्नि-3 (3,000 किमी), और अग्नि-4 (4,000 किमी) प्रमुख हैं।

77 तालाबों का 90 दिनों में होगा कायाकल्प, तीन चरणों में पूरा होगा जलाशयों को जीवन देने का मास्टर प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। गहराते जल संकट को देखते हुए सूख रहे 77 जलाशयों (तालाबों और झीलों) का कायाकल्प होगा। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने डीडीए को इसे मिशन मोड में काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उपराज्यपाल ने प्राधिकरण को चेतावनी दी है कि अगले 90 दिनों के भीतर इन जलाशयों की सूरत बदल जानी चाहिए। अधिकारियों के साथ शनिवार को समीक्षा बैठक में यह बात सामने आई कि रख-रखाव की कमी और अवैध कब्जों के कारण दिल्ली की जलीय संपत्तियां तेजी से खत्म हो रही हैं। एलजी ने निर्देश दिए कि इन जलीय संपत्तियों को बचाने के लिए तुरंत ठोस योजना जमीन पर उतारी जाए, ताकि बारिश के पानी को बर्बाद होने से रोका जा सके। प्रशासन ने इन 77 जलाशयों के पुनरुद्धार के लिए समय सीमा तय की है, जिसे सख्ती से लागू किया जाएगा। अगले 30 दिन सबसे पहले उन 6 जलाशयों पर काम होगा, जिनमें केवल सफाई और खुदाई की जरूरत है। 60 दिनों के भीतर 48 छोटे जलाशयों का कायाकल्प किया जाएगा, जहां गंदगी हटाकर गहराई बढ़ाई जाएगी। 90 दिनों के भीतर 23 बड़े जलाशयों को पूरी तरह से ठीक करने का लक्ष्य रखा गया है। पहला चरण सफाई और खुदाई से जुड़ा होगा। सबसे पहले जलाशयों की गहराई में जमी कीचड़ और गंदगी को मशीनों से बाहर निकाला जाएगा। इसके आसपास के उन रास्तों को भी साफ किया जाएगा जहां से बारिश का पानी बहकर तालाब में आता है। इसका मकसद बारिश का ज्यादा पानी तालाबों में इकट्ठा हो सके। दूसरा चरण सौंदर्यीकरण और सुरक्षा का होगा, जब तालाबों में पानी रुकने लगेगा तब उनके किनारों को मजबूत किया जाएगा। तालाब के चारों ओर बाड़ लगाई जाएगी, पेड़-पौधे रोपे जाएंगे और गंदे पानी को साफ करने के लिए छोटे ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाएंगे, ताकि पानी स्वच्छ रहे। उपराज्यपाल ने कहा कि ये झीलें और तालाब दिल्ली के पर्यावरण के लिए अनमोल हैं। इस योजना से आम लोगों को सीधा लाभ होगा, भूजल स्तर में सुधार होगा। तालाबों में पानी भरने से जमीन के नीचे का जल स्तर बढ़ेगा, जिससे बोरवेल और हैंडपंपों में पानी की कमी दूर होगी।

ऑपरेशन गैंग बस्ट 2.0: पश्चिमी दिल्ली में गैंगस्टरों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, 52 अपराधी गिरफ्तार

पश्चिमी दिल्ली, एजेंसी। *पश्चिमी जिले ने संगठित अपराध और गैंग नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन गैंग बस्ट 2.0 चलाया। पांच मई सुबह आठ बजे से सात मई सुबह आठ बजे तक चले इस विशेष अभियान में पुलिस ने स्थानीय और अंतरराज्यीय गैंगों से जुड़े 52 अपराधियों को गिरफ्तार किया। इस दौरान 108 ठिकानों और ठिकानों से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की गई। पुलिस अधिकारी के अनुसार अभियान के लिए ऑपरेशन यूनिट और सभी थानों से 41 विशेष टीमें गठित की गई थीं। इन टीमों में स्पेशल स्टाफ, एएटीएस, एंटी नारकोटिक्स सेल और स्थानीय पुलिसकर्मी शामिल थे। कार्रवाई के दौरान लूट, झपटमारी, अवैध हथियारों की सप्लाई, नशा तस्करी, उगाही और शराब तस्करी से जुड़े गिरोहों को निशाना बनाया गया। अभियान में पुलिस ने 22 चाकू, तीन देसी कट्टे, एक अत्याधुनिक इटालियन पिस्टल और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए। इसके अलावा 8.56 लाख रुपये नकद, दो चोरी की मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन, 530 क्वार्टर अवैध शराब और 3.57 ग्राम हेरोइन भी जब्त की गई। अभियान के दौरान स्पेशल स्टाफ ने तिलक नगर स्थित सीआरपीएफ कैंप के पीछे एलिवेटेड रोड के पास जाल बिछाकर एक कुख्यात अपराधी आशुतोष उर्फ आशु को गिरफ्तार किया। आरोपित उत्तम नगर के जैन कालोनी पार्ट–3 का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से पिएत्रो बेरेटा–इटली निर्मित अत्याधुनिक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए।*

मामला अब अपने अंजाम पर पहुंच रहा है', पुतिन ने पहली बार दिए शांति के संकेत

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन युद्ध खत्म होने को लेकर पहली बार शांति के संकेत दिए हैं। पुतिन ने ऐलान किया कि यूक्रेन युद्ध 'खत्म होने की ओर है।' ये अभी तक का उनका सबसे मजबूत संकेत है कि मॉस्को चार साल से ज्यादा समय तक चली भीषण लड़ाई के बाद अब बातचीत के जरिए समाधान तलाशने के संकेत दे रहा है। रूस की तरफ से पहली बार युद्ध खत्म होने को लेकर ऐसी बात कही गई है। मॉस्को में रूस के 'विजय दिवस' समारोह के दौरान पुतिन ने पत्रकारों से कहा 'मुझे लगता है कि यह मामला अब खत्म होने की ओर है।' इस समारोह में कड़ी सुरक्षा के बीच एक छोटे पैमाने की सैन्य परेड आयोजित की गई थी।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब रूस और यूक्रेन ने अमेरिका मध्यस्थता में तीन-दिवसीय संघर्ष-विराम शुरू किया है और युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार एक-एक हजार युद्ध बंदियों की अदला-बदली पर सहमति जताई है। पुतिन के बयान ने तत्काल दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। उनके बयान से पता चलता है कि पर्दे के पीछे से युद्ध खत्म करने की तैयारियां चल रही हैं। पुतिन की इस टिप्पणी के बाद एक यूरोपीय राजनयिक ने निजी तौर पर कहा 'अब ऐसा लग रहा है कि मॉस्को यह संकेत देना चाहता है कि बातचीत का रास्ता अब बंद नहीं है। इस साल की 'विक्ट्री डे' परेड बाकी वर्षों के मुकाबले काफी अलग रही है। पहले रेड स्क्वायर पर होने वाली ये परेड रूस की शक्ति प्रदर्शन का प्रतीक मानी जाती थी लेकिन इस बार ये परेड छोटा है। राजधानी मॉस्को की सड़कों से इस बार टैंक नहीं गुजरे हैं। इसके बजाय बड़ी-बड़ी स्क्रीनों पर आधुनिक मिसाइलें, ड्रोन और लड़ाकू विमान दिखाए गए हैं जबकि यूक्रेन में लड़ने वाले सैनिक क्रेमलिन की दीवारों के सामने मार्च कर रहे थे। परेड के दौरान पुतिन ने करीब आठ मिनट तक भाषण दिए और रूसी सैनिकों की तारीफ की। रूस के खिलाफ़ एक 'आक्रामक ताकत' का समर्थन करने का आरोप लगाया। उत्तर कोरियाई सैनिक जिनके बारे में कहा जाता है।

अमेरिका में डेनवर एयरपोर्ट पर सुरक्षा घेरा तोड़कर रनवे तक पहुंचा व्यक्ति, प्लेन की चपेट में आने से हुई मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। जहां एयरपोर्ट की सुरक्षा घेरा तोड़कर (बाड़ कूदकर) रनवे पार कर रहे एक व्यक्ति की विमान से टकराने के कारण मौत हो गई।

यह टक्कर लॉस एंजिल्स जा रही फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट 4345 के उड़ान भरते समय हुई, टक्कर के तुरंत बाद विमान के केबिन में धुआं भर गया। पायलटों ने तत्परता दिखाते हुए टेक-ऑफ रद कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर पहुंचीं। उड़ान रद करने के बाद आपातकालीन स्लाइड के जरिए यात्रियों को सुरक्षित विमान से बाहर निकाला गया। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

एयरपोर्ट प्रशासन ने मौके पर बाड़ की लाइन की जांच की और पाया कि वह सही-सलामत है, बताया जा रहा है कि मरने वाला एयरपोर्ट का कर्मचारी नहीं था। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वेबसाइट के अनुसार, फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट 4345 स्थानीय समय के अनुसार, रात करीब 11ः19 बजे (शनिवार, ब्रिटेन के समयानुसार सुबह 6.19 बजे) उड़ान भर रही थी, तभी विमान की टक्कर एक पैदल यात्री से हो गई और यात्री की मौत हो गई। इस दौरान फ्लाइट के इंजन में आग भी लग गई। घटना के तुरंत बाद रनवे को बंद कर दिया गया। संभावना है कुछ घंटों बाद फिर से रनवे पर उड़ान शुरू किया जाए। घटना के समय विमान में 224 यात्रियों और चालक दल के 7 सदस्य सवार थे। जिन्हें सुरक्षित बाहर निकाल गया।

इनमें से 12 लोगों को मामूली चोटें आई और उनमें से पांच को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। लॉस एंजिल्स जाने वाली इस फ्लाइट के यात्रियों को बस से एयरपोर्ट टर्मिनल तक ले जाया गया। इनमें से ज्यादातर यात्री दूसरी फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइ से रवाना हो चुके हैं।

हिटलर का देश बना यूरोप का सुपरपावर, सैन्य ताकत में फ्रांस से आगे निकला जर्मनी

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी ने अपनी सैन्य शक्ति में इजाफा किया है। फ्रांस और ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए जर्मनी अब यूरोप की सबसे बड़ी ताकत बन गया है। इससे यूरोप में शक्ति संतुलन पेचीदा होता दिख रहा है। जर्मनी की ताकत बढ़ने से एक ऐसा शक्ति संतुलन बदल सकता है, जो दूसरे विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से लगातार बना हुआ है। खासतौर से जर्मनी के फ्रांस से आगे निकलने को एक्सपर्ट एक बड़ा घटनाक्रम मान रहे हैं। यूरेशियन टाइम्स के मुताबिक, यूरोप के शक्ति संतुलन में जर्मनी और फ्रांस अहम हैं। दोनों देश 150 सालों तक लड़ते रहे लेकिन दूसरे विश्व युद्ध यानी 1945 के बाद दुश्मनी गहरी दोस्ती में बदल गई। 1945 के बाद यूरोप की सुरक्षा एक समझ पर टिकी थी। इसमें जर्मनी को आर्थिक ताकत बढ़ानी थी। वहीं फ्रांस और ब्रिटेन को परमाणु हथियारों और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के जरिए सैन्य स्थिरता बनानी थी।

जर्मनी ने हालिया वर्षों में अपने रक्षा खर्च में भारी बढ़ोतरी की है। जर्मनी ने यूरोप की सबसे बड़ी और बेहतरीन सेना बनाने पर काम किया और इसमें कामयाब हुआ है। फ्रांसीसी प्रेसिडेंट इमानुएल मैक्रों और फ्रांसीसी अधिकारियों को डर है जर्मनी के रक्षा क्षेत्र के पुनरुद्धार से यूरोप की रणनीतिक स्वायत्तता सीमित हो सकती है और बाहरी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता बढ़ सकती है। जर्मनी फिलहाल अपने यूरोपीय साझेदारों की तुलना में पहले से ही कहीं अधिक खर्च कर रहा है। वह उस लक्ष्य को हासिल करने में उनसे आगे निकल गया है, जिस पर सभी नाटो देशों ने पिछले साल अपने शिखर सम्मेलन में सहमति जताई थी। यह

लक्ष्य 2035 तक राष्ट्रीय आय के 3.5 प्रतिशत के बराबर राशि मुख्य सैन्य आवश्यकताओं के वित्तपोषण पर खर्च करने का था।

वॉशिंगटन स्थित एक शोध संगठन अटलांटिक काउंसिल के अनुसार, जर्मनी के इस वर्ष करीब 127 अरब डॉलर खर्च करने उम्मीद है, जो यूरोप में अब तक का सबसे अधिक खर्च होगा। वहीं ब्रिटेन 84 अरब डॉलर और फ्रांस तरीबन 70 अरब डॉलर खर्च करेगा। जर्मनी और यूरोप में उसके नाटो साझेदारों के बीच यह अंतर भविष्य में और बढ़ता जाएगा। जर्मनी के पास खर्च करने के लिए ज्यादा रकम होने की वजह से उसका खरीद बजट यूरोपीय हथियार बाजार का स्वरूप बदल देगा। जर्मनी को अपनी मजबूत भूमिका ध्यान से लेकिन पक्के तौर पर निभानी होगी। साथ ही अपने यूरोपियन पड़ोसियों को भरोसा देना होगा। स्ट्रेटेजिक एक्सपर्ट्स के बीच इस पर आम सहमति है कि जर्मनी के फिर से हथियारबंद होने पर बहस से संतुलन को बढ़ावा मिलना चाहिए। न्यूयॉर्क में मौजूद काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस की सीनियर फेलो लियाना फिक्स अपनी 2026 की किताब 'जर्मनी रीआर्म्ड' में कहती हैं कि यूरोपियन सिक्योरिटी के लिए जर्मनी का तेजी से फिर से हथियारबंद होना जरूरी है लेकिन इससे यूरोपियन स्टेबिलिटी, पावर इम्बैलेंस और संभावित पॉलिटिकल गलत इस्तेमाल के बारे में बड़े रिस्क पैदा होते हैं। लियाना कहती हैं कि यूरोप में जरूरी मिलिट्री ग्रोथ के लिए ईयू में मजबूत इंटीग्रेशन की जरूरत है।

बोकारो जिला बार एसोसिएशन के नए भवन का शिलान्यास

उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंदा सेन ने किया भूमि पूजन, अधिवक्ताओं के लिए बेहतर आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने की जताई उम्मीद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को बोकारो जिला बार एसोसिएशन के नवनिर्मित भवन निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ न्यायमूर्ति आनंदा सेन, न्यायाधीश, झारखंड उच्च न्यायालय, रांची द्वारा विधिवत भूमि पूजन एवं शिलान्यास कर किया गया। साथ ही न्यायमूर्ति आनंदा सेन द्वारा कैंप टू में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय आवास का भी शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, बोकारो, न्यायिक पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

नया भवन न्यायिक कार्यों के संचालन में होगा सहायक

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिवक्ताओं एवं न्यायिक अधिकारियों ने कहा कि बार एसोसिएशन का नवनिर्मित भवन न्यायिक कार्यों के सुचारु संचालन के साथ-साथ अधिवक्ताओं की सुविधाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। न्यायमूर्ति आनंदा सेन ने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ताओं एवं न्यायपालिका के मध्य समन्वय न्याय व्यवस्था की मजबूती का आधार है।उन्होंने आशा व्यक्त की कि नया भवन अधिवक्ताओं को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराएगा तथा न्यायिक कार्यों के निष्पादन में सहायक सिद्ध होगा।

सीएसआर मद से विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति की दी जानकारी

कार्यक्रम के दौरान मंच से न्यायमूर्ति ने जिला प्रशासन की ओर से सीएसआर मद से बोकारो जिला अधिवक्ता संघ परिसर में विभिन्न विकास योजनाओं की स्वीकृति प्रदान किए जाने की जानकारी दी। स्वीकृत योजनाओं में बोकारो जिला अधिवक्ता संघ परिसर में पेवर ब्लॉक लगाने का कार्य, प्रथम चरण में 30 केवीए क्षमता वाले सोलर पावर प्लेट का अधिष्ठापन तथा ई-पुस्तकालय का संचालन शामिल है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने बार एसोसिएशन को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं तथा भवन निर्माण कार्य के सफल एवं शीघ्र पूर्ण होने की कामना की। भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

परिसदन में हुआ स्वागत, पुलिस जवानों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

इससे पूर्व, बोकारो पहुंचने पर न्यायमूर्ति झारखंड उच्च न्यायालय सह प्रशासनिक न्यायाधीश, बोकारो आनंदा सेन का बोकारो परिसदन में पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार मिश्रा, उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। मौके पर पुलिस जवानों द्वारा न्यायमूर्ति को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

जिम में हुई मारपीट मामले में पुलिस की कार्रवाई निष्पक्ष नहीं : भाजपा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक माहौल को लेकर बीजेपी ने पुलिस प्रशासन और झारखंड सरकार पर बड़ा हमला बोला है। बीजेपी जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राज के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर चिराचास थाना क्षेत्र में हुई मारपीट मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। सुरेंद्र राज ने कहा कि एक मई को नंदूआ स्थान स्थित जिम सेंटर में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी। पीड़ित पक्ष हर्ष पांडेय ने चिराचास थाना में मामला दर्ज कराया, जिसमें महताब अंसारी, आरिफ अंसारी समेत कई लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया। आरोप है कि नौ दिन बीत जाने के बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। वहीं दूसरे पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने 24 घंटे के भीतर हर्ष पांडेय और एक अन्य को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बीजेपी ने मंत्री इरफान अंसारी के बयान पर भी आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे जिले का माहौल तनावपूर्ण हुआ है। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करता है तो बीजेपी आंदोलन करने को बाध्य होगी।

सामाजिक तत्वों ने आऊट हाउस में लगाई आग, सीसीटीवी तोड़ा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के पिंडराजोरा थाना क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का आतंक देखने को मिला है। एनएच किनारे कमार्टांड़ में एक आउट हाउस में बीती रात बदमाशों ने जमकर उत्पात मचाया। बताया जा रहा है कि असामाजिक तत्वों ने पहले कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे सामानों में आग लगा दी। इतना ही नहीं, बिजली के मीटर को भी आग के हवाले कर दिया गया। घटना को अंजाम देने के बाद बदमाशों ने वहां लगे सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़ दिया और उसमें लगी चिप निकालकर अपने साथ ले गए, ताकि पहचान छुपाई जा सके। जमीन मालिक देव प्रकाश गुप्ता ने बताया कि वह रात करीब 10:30 बजे यहां से अपने घर गए थे। सुबह जब उन्होंने मोबाइल पर सीसीटीवी फुटेज देखना चाहा तो कैमरा बंद मिला। मौके पर पहुंचने पर देखा कि सीसीटीवी कैमरा सड़क पर टूटा पड़ा था, जबकि कमरे में रखी चौकी, बिजली बोर्ड और अन्य सामान जलकर राख हो चुके थे। घटना की सूचना पिंडराजोरा थाना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है।

तेनुघाट डैम का गेट 12 मई को खोला जाएगा

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तेनुघाट बांध प्रमंडल के द्वारा सूचित किया गया है कि 12 में को तेनुघाट डैम का स्पिलवे गेट खोले जा सकते हैं। ऐसे में दामोदर नदी के जल स्तर मे अचानक वृद्धि होने की संभावना है। इसके मद्देनजर दामोदर नदी के दोनों तटो पर अवस्थित जनसामान्य, स्थानीय निवासीगण, निजी एवं सार्वजनिक उपक्रमों तथा संबंधित विभागों को सूचित किया जाता है की नदी के जल स्तर मे वृद्धि होने के कारण निमार्णाधीन संरचनाएँ, पुल पुलिया, यातायात हेतु निर्मित अस्थयी सेतु, फैक्ट्री, कोयला खदान, रेलवे पुल, सड़क, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के इनटेक वेल, पम्प तथा नदी के भीतर अथवा तटवर्ती क्षेत्र मे अवस्थित किसी भी प्रकार की स्थायी अथवा अस्थायी संरचनाओं एवं सामग्रीयों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसलिए संभावित जोखिम को दृष्टिगत रखते हुए सभी सम्बंधित व्यक्तियों, संस्थाओं एवं विभागों को अग्रिम आवश्यक सुरक्षात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा नदी के आसपास अनावश्यक आवाजही से बचने हेतु सचेत किया जाता है।

कालापत्थर में विद्युत पावर सब स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा बिजली व्यवस्था को लेकर उठाए गए कड़े कदमों का असर अब धरातल पर दिखने लगा है। लंबित पड़ी योजनाएं फिर से गति पकड़ रही हैं। चास ग्रामीण क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए कालापत्थर में नए पावर सब स्टेशन और टीआरडब्ल्यू के निर्माण कार्य की औपचारिक शुरूआत कर दी गई है। भूमि पूजन के साथ ही कालापत्थर में जमीन समतलीकरण का काम शुरू हो गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, अगले 6 महीने के भीतर परियोजना पूरी कर लेने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद चास शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति और अधिक सुचारू व बेहतर होने की उम्मीद है। नए सब स्टेशन के शुरू होने से कालापत्थर, भतुआ, पुपुनकी, कुम्हारी सहित अन्य गांवों में बिना रुकावट बिजली पहुंचाने की योजना है। इस मौके पर बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता एस बी तिवारी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि यह परियोजना लंबे समय से लंबित थी, लेकिन अब जिला प्रशासन के सहयोग से निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। तिवारी ने कहा कि चास ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने

के उद्देश्य से इस योजना को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है। जिला उपायुक्त के निर्देश पर निर्माण प्रक्रिया को गति दी गई है और 6 महीने के भीतर सब स्टेशन तैयार होने की उम्मीद है। जानकारी के अनुसार, चास क्षेत्र की बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए लगभग 6 करोड़ रुपये की लागत से आईटीआई मोड़ में पावर ग्रिड तथा आदर्श कॉलोनी और कालापत्थर में एक-एक सब स्टेशन निर्माण की योजना स्वीकृत की गई है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा जमीन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है। नए सब स्टेशन बनने के बाद चास शहर और ग्रामीण इलाकों में लोड शेडिंग की समस्या में कमी आने की संभावना है। साथ ही बार-बार होने वाली बिजली कटौती से लोगों को राहत मिलेगी। फिलहाल जैनामोड़ और बरमसिया पावर ग्रिड से बिजली आपूर्ति पर निर्भरता के कारण उपभोक्ताओं को अक्सर परेशानी का सामना करना पड़ता है। फिलहाल कालापत्थर में शुरू हुआ यह निर्माण कार्य चास क्षेत्र की बिजली व्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने वाली परियोजना के रूप में देखा जा रहा है।

तेतुलमुडी बस्ती में सर्वे शुरू, डेंजर जोन घोषित इलाके में 30 दिनों तक होगा सर्वे

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के तेतुलमुडी बस्ती को बीसीसीएल द्वारा डेंजर जोन घोषित किए जाने के बाद प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। आग और भू-धंसान के बढ़ते खतरे को देखते हुए सर्वे टीम इलाके में पहुंची और रैयत भूमि समेत स्थानीय लोगों का विवरण जुटाना शुरू किया। यह सर्वे आगामी 30 दिनों तक चलेगा। धनबाद के सिजुआ क्षेत्र स्थित तेतुलमुडी बस्ती में गुरुवार को प्रशासन और संबंधित विभाग की सर्वे टीम पहुंची। टीम ने इलाके में रह रहे रैयतों की जमीन से जुड़ी जानकारी एकत्र की और स्थानीय लोगों की तस्वीरें भी लीं। बताया जा रहा है कि यह सर्वे बस्ती के लोगों के पुनर्वास और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। गौरतलब है कि बीसीसीएल ने तेतुलमुडी बस्ती को डेंजर जोन घोषित किया है। इलाके में लगातार आग

निकलने और भू-धंसान की घटनाएं सामने आ रही हैं। हाल के दिनों में इन हादसों में कई लोगों की जान भी जा चुकी है, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं, लेकिन अब जमीन के नीचे बढ़ते खतरे के कारण भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। फिलहाल प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और सर्वे रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। वहीं सर्वे अधिकारी ने बताया कि यह सर्वे कार्य करीब 30 दिनों तक चलेगा।

सांसद प्रतिनिधि ने बोकारो स्टील के प्रभारी निदेशक को सौंपा मांग पत्र

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के बोकारो स्टील के प्रतिनिधि श्याम बाबू गुप्ता तथा उनके सहयोगी विनेश नायक ने बोकारो स्टील के निदेशक प्रभारी प्रियरंजन से मुलाकात कर सांसद की भावनाओं से अवगत कराया। साथ ही एक एक मांग पत्र भी सौंपा। प्रमुख मांगों में गर्ग डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने बोकारो औद्योगिक क्षेत्र के इकाइयों को क्षमता के अनुरूप काम देने, उनके विकास पर बल देने, प्रशिक्षण की व्यवस्था करने, बोकारो इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के निर्माण की दिशा में सकारात्मक पहल करने, कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का समाधान करने, 40% ठेकेदार मजदूरों को कम से हटाने के प्रस्ताव पर तत्काल रोक लगाने, बोकारो जनरल अस्पताल को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में विकसित करने तथा विशेषज्ञ डॉक्टर एवं पैरामेडिकल स्टाफ की तत्काल नियुक्ति करने, बोकारो स्टील के कॉलोनी में दो टाइम पानी की आपूर्ति एवं नियमित रूप से

बिजली की आपूर्ति करने, बोकारो एयरपोर्ट के परिचालन की दिशा में सकारात्मक पहल करने के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। सांसद प्रतिनिधि श्री गुप्ता के अनुसार निदेशक प्रभारी ने मांग पत्र में उल्लेखित मांगों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि इस दिशा में प्रबंधन द्वारा प्रयास किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर उन्होंने कहा कि विस्थापित अप्रेंटिस संघ के मांगों के साथ मृत कर्मचारी आश्रित संघ के मांगों को लेकर प्रबंधन गंभीर है निकट भविष्य में इसका सकारात्मक परिणाम दिखाई पड़ेगा बोकारो स्टील प्लांट के विस्तारीकरण एवं आधुनिकरण में लगे कंपनियों को स्थानीय बेरोजगारों को एवं विस्थापन को कम पर रखने का निर्देश दिया गया है तथा इस दिशा में सकारात्मक परिणाम भी दिखाई पड़ रहा है जानकारी देते हुए सांसद प्रतिनिधि श्री गुप्ता ने कहा कि निदेशक प्रभारी के नेतृत्व में बोकारो स्टील प्लांट तेजी से आगे बढ़ रहा है एवं स्थानीय समस्याओं का भी समाधान होगा।

विधायक राज सिन्हा का अनशन उपायुक्त एवं बीसीसीएल के महाप्रबंधक से वार्ता के बाद समाप्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। केंदुआडीह थाना मोड़, राजपूत बस्ती के समीप गैस रिसाव एवं भूधंसान की घटना के बाद पिछले 27 दिनों से धनबाद-बोकारो मुख्य सड़क को जिला प्रशासन एवं बीसीसीएल द्वारा बंद कर छोड़ दिया गया है। साथ ही प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास की मांग को लेकर केंदुआपुल, पुटकी, लोयाबाद, छातांड़, मटकुरिया एवं बैंक मोड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स, थोक वस्त्र विक्रेता संघ तथा क्षेत्र के आमजनों के अनुरूप झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा के नेतृत्व में 'कोयलांचल बचाओ संघर्ष समिति' के बैनर तले पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार से 24 घंटे का अनशन प्रारंभ किया गया था। अनशन के दौरान धनबाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने विधायक राज सिन्हा से दूरभाष पर वार्ता करते हुए सोमवार को तकनीकी रिपोर्ट एवं खतरे का आकलन कर उचित कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया। वहीं बीसीसीएल के महाप्रबंधक ने भी अनशन स्थल पर पहुंचकर विधायक श्री सिन्हा से वार्ता की। इसके उपरांत आज रविवार को 24 घंटे पूर्ण होने पर चैंबर ऑफ कॉमर्स एवं विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों ने विधायक राज सिन्हा को नारियल पानी

पिलाकर अनशन समाप्त कराया। इस आंदोलन को क्षेत्र के आमलोगों, व्यापारियों, मजदूरों, महिलाओं तथा भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का व्यापक समर्थन प्राप्त हुआ। अनशन स्थल पर लगातार लोगों की उपस्थिति बनी रही और सभी ने सड़क को अविलंब चालू करने एवं प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास की मांग को मजबूती से उठाया। विधायक राज सिन्हा ने कहा कि यह आंदोलन क्षेत्र की जनता, व्यापारियों और मजदूरों की आवाज है। पिछले 27 दिनों से मुख्य सड़क बंद रहने के कारण आमजन का जीवन प्रभावित हुआ है। हमारी मांग है कि तकनीकी जांच के आधार पर शीघ्र सड़क चालू किया जाए तथा प्रभावित परिवारों का सुरक्षित पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पे मुख्य रूप से सुरेंद्र अरोड़ा, लोकेश अग्रवाल, मुखिया रमेश सिंह, बद्री रविदास,महेंद्र वर्णवाल, ददन सिंह, पंकज भुवानियां, मोनू पाठक, जाहिद अंसारी, हुल्लास दास, जिला मंत्री रीता यादव, मौसम सिंह, सदानंद वर्णवाल, राजेश गुप्ता, रामकेश गुप्ता, मेघनाथ वर्मा, रंजीत मधेशिया, आनंद खंडेलवाल, श्यामल दा, मीडिया प्रभारी पंकज सिन्हा, केदार वर्णवाल, रवि सिन्हा, बालमुकुंद राम, सुप्रभात कुमार, घनश्याम नरौली, शशि सिंह, गीता सिंह, किरण सिंह, विभा रानी सिंह, आशा पांडे, नरेंद्र त्रिवेदी, मुर्तजा अंसारी, साजन पासवान, रूपेश खंडेलवाल, हीरा शर्मा, संजय सोंडिक, सुप्रभात सिन्हा, उमेश सिंह, अरविंद सिंह, अजय दुबे, बबलू फरीदी, अमित सिंह, सत्येंद्र ओझा, बबलू सिंह, सतीश रजक, सपन कश्यप सहित हजारों लोग उपस्थित थे।

कलश यात्रा के साथ श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो के चास स्थित कृष्ण पूरी कॉलोनी आज जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। नौ दिवसीय 'श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ' का कलश यात्रा के साथ विधिवत शुभारंभ हो गया है। भक्ति और श्रद्धा के इस समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु की भीड़ देखी गई। वैदिक मंत्रोच्चार और ढोल-नगाड़ों की थाप के बीच कलश यात्रा निकाली गई। यह

आयोजन मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्शों और उनकी जीवन गाथा को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस ज्ञान यज्ञ की शुरूआत आज रविवार सुबह 7:30 बजे कलश यात्रा के साथ हुई, जिसमें मातृशक्ति और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता के तौर पर पूज्य बाल व्यास विनोदानंद ठाकुर महाराज उपस्थित रहे।

मासिक अपराध गोष्ठी में एसपी ने लंबित मामलों की समीक्षा की

कहा: जीरो टॉलरेंस के लिए एक्शन मोड में रहें, भय मुक्त माहौल बनाना लक्ष्य

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस अब अपराध और लंबित मामलों पर सख्त एक्शन मोड में नजर आ रही है। रविवार को बोकारो एसपी नाथू सिंह मीणा ने जिले के सभी डीएसपी, सर्किल इंस्पेक्टर और थाना प्रभारियों के साथ मासिक अपराध गोष्ठी कर कानून-व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन से लेकर चोरी और चेन स्नैचिंग रोकने तक कई अहम निर्देश दिए गए। रविवार को आयोजित मासिक अपराध गोष्ठी में बोकारो एसपी नाथू सिंह मीणा ने जिले के सभी लंबित कांडों की विस्तार से समीक्षा की। एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुराने मामलों का जल्द निष्पादन सुनिश्चित किया जाए और जरूरत पड़ने पर अनुसंधानकर्ताओं की संख्या भी बढ़ाई जाए। वहीं गंभीर मामलों की जांच अब डीएसपी स्तर के अधिकारी खुद करेंगे। बैठक

में थानों में आने वाले फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनने और आवश्यक होने पर तुरंत प्राथमिकी दर्ज करने का भी निर्देश दिया गया। एसपी ने साफ कहा कि आम लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए ताकि पुलिस के प्रति लोगों का भरोसा मजबूत हो। चोरी, गृहभेदन और चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिले में पेट्रोलिंग बढ़ाने और रक्षक राइडर की संख्या में इजाफा करने का फैसला लिया गया है। साथ ही दूसरे जिलों से जुड़े आपराधिक गिरोहों और संगठित अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। मोबाइल चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर एसपी ने लोगों से सीआईआर पोर्टल का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोबाइल चोरी होने पर थाने जाने की जरूरत नहीं है, लोग खुद पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत दर्ज होते ही मोबाइल की ऑटोमेटिक ट्रैकिंग शुरू हो जाती है और पुलिस की जिम्मेदारी है कि मोबाइल बरामद कर पीड़ित तक पहुंचाया जाए।एसपी बोकारो नाथू सिंह मीणा ने बताया कि लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन, अपराध नियंत्रण और आम लोगों की शिकायतों के समाधान को लेकर सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। चोरी और चेन स्नैचिंग रोकने के लिए पेट्रोलिंग बढ़ाई जाएगी और संगठित अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

खैराचातर की बेटियों ने बढ़ाया मान, पंचायत में सम्मान समारोह आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के खैराचातर पंचायत की बेटियों ने झारखंड इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। राज्य और जिला स्तर पर सफलता का परचम लहराने वाली इन मेधावी छात्राओं के सम्मान में रविवार को नये पंचायत सचिवालय खैराचातर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। समारोह में मुख्य रूप से तीन छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिसमे छोटी कुमारी झारखंड इंटरमीडिएट बोर्ड (कला संकाय) में राज्य स्तर पर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वही सीमा कुमारी इंटरमीडिएट (कला संकाय) में जिला स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। खुशी प्रवीण इंटरमीडिएट (कला संकाय) में जिला स्तर पर पांचवां स्थान प्राप्त किया। इन तीनों लड़कियों को सम्मानित किया गया। इस गौरवमयी क्षण के साक्षी बनने के लिए प्रमुख नियोति दे, मुखिया विजय कुमार जायसवाल, सुमित्रा देवी, सहयोगिनी संस्था की

सचिव कल्याणी सागर, निशाकर दे , श्याम प्रकाश जायसवाल, संजय सिंह, अजय जायसवाल, गौतम सागर, संजय जायसवाल, प्रकाश महतो, पूनम कुमारी, नंदकिशोर नायक, नीलम जायसवाल, राजेश जायसवाल, शेखर कपरदार, सुशीला जायसवाल, पुष्पा देवी, विजय कपरदार, मनोज घांसी,वार्ड सदस्य, आंगनवाड़ी सेविका-सहायिका, स्वास्थ्य सहिया, जल सहिया, जेएसएलपीएसकी सदस्य, पंचायत के शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्थानीय समाजसेवी, प्रखंड के सभी सम्मानित मुखिया शामिल हुए। इस अवसर पर प्रमुख नियोति दे ने कहा कि ग्रामीण परिवेश की इन बेटियों ने सीमित संसाधनों के बावजूद राज्य स्तर पर जो मुकाम हासिल किया है।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार),
स्थानीय संपादक :
मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145865
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com